हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,मंगलवार | 15 अक्टूबर 2024 | वर्ष : 02 अंक :150 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की,

एजेंसी

नई दिल्ली:दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद आतिशी की प्रधानमंत्री से यह पहली मुलाकात थी।मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात के बाद उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार और उनकी सरकार के बीच ह्यपूर्ण सहयोगात्मक संबंधह्न रहेगा।प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर मुलाकात की जानकारी दी।हालांकि, इस संबंध में विस्तृत ब्यौरा नहीं दिया गया। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े मामले में जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था जिसके बाद आतिशी उनकी उत्तराधिकारी बनीं।आतिशी ने ह्यएक्सह्न पर जारी पोस्ट में कहा, ह्यह्यमाननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से आज मुलाकात की। मैं हमारी राजधानी के कल्याण और प्रगति के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के बीच पूर्ण सहयोग की आशा करती हूं।दिल्ली की आप सरकार का केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार एवं उप राज्यपाल कार्यालय से शासन और सेवाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध है।

Chirag Paswan Security: पीएम मोदी के हनुमान की बढ़ी सुरक्षा,

अब Z कटेगरी की सिक्योरिटी में रहेंगे चिराग पासवान

अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे की आशंका का आकलन करने के बाद सुरक्षा कवर सौंपा जाता है। छह माह में एक बार इसकी समीक्षा की जाती है।एक्स, वाई, वाई+, जेड और जेड प्लस तक सुरक्षा के विभिन्न स्तर हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली:केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की जेड श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। मामले से अवगत अधिकारियों ने नए सुरक्षा विवरण के पीछे के कारणों के बारे में विवरण साझा नहीं किया, लेकिन पुष्टि की कि सीआरपीएफ कवर 10 अक्टूबर को पासवान को सौंपा गया था।एक अधिकारी ने कहा कि मंत्री को जेड श्रेणी कवर प्रदान करने का आदेश 10 अक्टूबर को आया था। उनकी सुरक्षा पहले एसएसबी द्वारा संभाली जाती थी।सुरक्षा श्रेणी नहीं थी, जो कि दूसरी सबसे ऊंची श्रेणी है। हम इस घटनाक्रम का कारण नहीं जानते।अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों द्वारा खतरे की आशंका का आकलन करने के बाद सुरक्षा कवर सौंपा जाता है। छह माह में एक बार इसकी समीक्षा की जाती है। एक्स, वाई, वाई+, जेड और जेड प्लस तक सुरक्षा के विभिन्न स्तर हैं। मंत्रियों के लिए सुरक्षा श्रेणी वाई से लेकर जेड प्लस तक कुछ भी हो सकती है। जेड प्लस सुरक्षा की सर्वोच्च श्रेणी है, जहां आवास पर कमांडो, एस्कॉर्ट वाहन

और काफिले में एक एम्बुलेंस के साथ कम से कम चार दर्जन सशस्त्र जवान चौबीसों घंटे व्यक्ति की सुरक्षा करते हैं। सीआरपीएफ द्वारा प्रदान की गई जेड और जेड प्लस सुरक्षा वाले लोगों में पूर्व प्रधान मंत्री, गृह मंत्री अमित शाह और राहुल गांधी और सोनिया गांधी जैसे प्रमुख विपक्षी नेता शामिल हैं। श्रेणी सुरक्षा कवर के तहत, एक एस्कॉर्ट वाहन के साथ सीआरपीएफ के कम से कम 36 प्रशिक्षित कमांडो होंगे। जहां अलग-अलग शिफ्टों में 10-12 के बैच में प्रशिक्षित कमांडो चौबीसों घंटे सुरक्षाकर्मी की सुरक्षा करेंगे, वहीं आवास पर भी लगभग 10 कमांडो तैनात रहेंगे। पिछले साल मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार को भी अलगाववादी समूहों की धमकियों के कारण सीआरपीएफ की जेड श्रेणी का कवर दिया गया था।केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान बिहार के जमुई से सांसद हैं।

केंद्रीय गृह मंत्रालय अपनी रिपोर्ट विभिन्न रिपोर्ट के आधार पर खास लोगों को सुरक्षा प्रदान करता है।इसमें वाई, वाई प्लस, जेड और जेड प्लस समेत कई अन्य सुरक्षा श्रेणियां होती हैं। अब चिराग पासवान जिस जेड श्रेणी की सुरक्षा घेर में रहेंगे उसमें कुल 33 सुरक्षागार्ड तैनात रहेंगे। इनके साथ ही 10 स्टैटिक गार्ड चिराग पासवान के घर पर मौजूद रहेंगे। इन सब के अलावा 6 राउंड द क्लॉक पीएसओ, तीन शिफ्ट में आर्म्ड स्कॉर्ट के 12 कमांडो, वाचर्स शिफ्ट में 2 कमांडो भी मौजूद रहेंगे। हालांकि, चिराग पासवान की सुरक्षा क्यों बढ़ाई गई है इसको लेकर अभी कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में एक अफसर कहा, '10 अक्टूबर को चिराग पासवान को श्रेणी की सुरक्षा प्रदान किए जाने का आदेश आया था। पहले उनकी सुरक्षा में एसएसबी के जवान तैनात थे। सुरक्षा श्रेणी जेड नहीं थी। लेकिन अब उन्हें इस श्रेणी की सुरक्षा व्यवस्था क्यों दी गई हैं इसके बारे में हमें जानकारी नहीं है। सुरक्षा कवर तब ही दी जाती है जब जांच एजेंसियों को कई खतरा नजर आता है।

16 अक्टूबर को CM पद की शपथ लेंगे उमर अब्दुल्ला, LG ने किया आमंत्रित

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर:जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिंह ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को 16 अक्टूबर को शपथ ग्रहण के लिए आमंत्रित किया। एलजी ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि उन्हें 11 अक्टूबर को जेकेएनसी अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला का पत्र मिला था, जिसमें बताया गया था कि उमर अब्दुल्ला को सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुना गया है। एलजी के पत्र में कहा गया है, "मुझे आपको जम्मू-कश्मीर सरकार बनाने और उसका नेतृत्व करने के लिए आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है।"उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा।

उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के प्रधान सचिव का स्वागत कर प्रसन्नता हुई। उन्होंने एलजी के कार्यालय से मुझे जम्मू-कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने वाला एक पत्र सौंपा।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया था जिससे केंद्र शासित प्रदेश में नयी सरकार के गठन का रास्ता साफ हो गया था। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी की है। राज्य से राष्ट्रपति शासन हटाये जाने का विभिन्न दलों ने स्वागत किया है। हम आपको बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में कहा गया है,

वक्फ संशोधन विधेयक पर जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रतिनिधिमंडल ने JPC के साथ की बैठक, पेश की अपनी सिफारिशें

एजेंसी

नई दिल्ली:जमीयत उलेमा-ए-हिंद के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के नेतृत्व में 14 अक्टूबर को वक्फ संशोधन विधेयक 2024 पर अपने विचार और सुझाव पेश करने के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के साथ बैठक की। बैठक संसदीय सौध के मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में भाग लेने वालों में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील रऊफ रहीम, सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी अकरामुल जब्बार खान, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी, जमीयत उलेमा-ए के सचिव मौलाना नियाज अहमद फारूकी शामिल थे। कि उन्होंने बैठक का बहिष्कार किया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष के चुनाव के लिए जल्द बैठकें करेगी भाजपा

एजेंसी

जम्मू । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रवींद्र रैना ने यहां नवनिर्वाचित पार्टी विधायकों को सम्मानित किया और कहा कि केंद्रीय पर्यवेक्षकों के नेतृत्व में पार्टी नेताओं की बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष का चुनाव किया जाएगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और जम्मू कश्मीर के प्रभारी तरुण चुघ को पार्टी द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर नवनिर्वाचित विधायकों और अन्य नेताओं के साथ बैठक के बाद आगे की कार्रवाई के लिए केंद्रीय

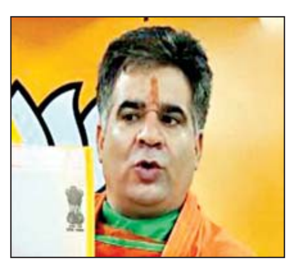

नेताओं को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। रैना के नेतृत्व में कई वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने नवनिर्वाचित विधायकों को चुनरी ओढ़ाकर और पुष्प भेंट कर सम्मानित किया। विधायकों को सम्मानित करने वाले नेताओं में पूर्व उप मुख्यमंत्री निर्मल सिंह,

बहराइच हिंसा: प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री से तत्काल कार्रवाई की अपील

एजेंसी

बहराइच:कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के बहराइच में हिंसा के बीच प्रशासन का ह्यनिष्क्रियह्न होना दुर्भाग्यपूर्ण है तथा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की अपील की।बहराइच में मंसूर गांव के महाराजगंज इलाके में दुर्गा प्रतिमा जुलूस के दौरान भड़की हिंसा में एक युवक की मौत हो गई। विवाद लाउडस्पीकर से संगीत बजाने को लेकर शुरू हुआ था।पथराव और गोलीबारी में करीब आधा दर्जन लोग जख्मी हो गए तथा 30 लोगों को हिरासत

में लिया गया है। वहीं, सोमवार को भीड़ सड़क पर उतर आई और कुछ दुकानों को आग लगा दी जिससे तनाव और बढ़ गया।भीड़ में शामिल कुछ लाठी और लोहे की छड़ लिए हुए थे। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा,बहराइच, उत्तर प्रदेश में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

जनता का नेताः बनकर शिवसेना से बगावत करके निर्दलीय चुनाव जीतने वाला नेता

एजेंसी

महाराष्ट्र:महाराष्ट्र में 2019 में हुए अंतिम विधानसभा चुनाव में चंद्रपुर सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार किशोर गजानन जोरगेवार ने भारतीय जनता पार्टी के लगभग 24 साल के किले को ध्वस्त करते हुए जीत दर्ज की थी। उन्होंने नानाजी शामकुले को परास्त करके जीत हासिल की थी। जो 10 साल तक इस सीट से विधायक रहे थे। किशोर गजानन जोरगेवार का जन्म 17 दिसंबर 1968 को महाराष्ट्र

के चंद्रपुर जिले में हुआ था। इससे पहले वे शिवसेना से जुड़े थे। वे यंग चंदा ब्रिगेड, चंद्रपुर और विदर्भ बुरुड समाज के अध्यक्ष भी हैं।उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा चंद्रपुर से ही पूरी की। वे चंद्रपुर जिले के आम लोगों के लिए बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत देने जैसे विभिन्न मुद्दों पर 14 साल से अधिक समय से काम कर रहे हैं। वे शिक्षा, रोजगार, शहर के विकास और अन्य सभी आम समस्याओं को उपलब्ध कराने के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। चंद्रपुर के लोगों ने उनके सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें जनता का नेता" भी कहा है।

पेट में इतनी ही आग है... प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर तृणमूल कांग्रेस सांसद ने निशाना साधा

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने वास्तविक भूख हड़ताल करने के संकल्प की कमी के लिए प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की आलोचना की और उन पर उनके आमरण अनशन को अस्पताल में भर्ती होने के अनशन में बदलने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद ने भूख हड़ताल की समयसीमा का उपहास किया, जिसका अर्थ है कि यह विरोध स्थल से शुरू होती है और अस्पताल

तक जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रदर्शनकारियों का मुख्य लक्ष्य मीडिया का ध्यान आकर्षित करना और अपना विरोध शुरू करने के एक या दो दिन के भीतर अस्पताल में प्रवेश सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि यह किस तरह की भूख हड़ताल है? यह विरोध स्थल से शुरू होती है और अस्पताल में भर्ती होने के बाद समाप्त होती है। जिस भूख हड़ताल को हम जानते हैं वह आमरण अनशन है, अस्पताल में भर्ती होने वाला अनशन नहीं। ये डॉक्टर क्या कर रहे हैं क्या उनके पेट में इतनी ही आग है?

वन नेशन वन इलेक्शन के बाद मोदी सरकार के एक और फैसले को चुनौती, केरल विधानसभा ने पारित किया प्रस्ताव

एजेंसी

केरल:केरल विधानसभा ने केंद्र सरकार से विवादास्पद 2024 वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया। वक्फ, हज यात्रा और खेल मंत्री वी अब्दुरहिमान ने प्रस्ताव पेश किया।इस प्रस्ताव में कहा गया कि यह विधेयक संविधान में निहित संघीय सिद्धांतों को कमजोर करता है। अब्दुरहीमन ने तर्क दिया कि यह विधेयक वक्फ मामलों के संबंध में राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करता है, प्रभावी रूप से वक्फ बोर्डों और न्यायाधिकरणों के अधिकार को कमजोर करता है, जिन्हें वक्फ संपत्तियों की देखरेख का काम सौंपा जाता है।उन्होंने कहा कि यह विधेयक न केवल संविधान में उल्लिखित धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, बल्कि निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर नामांकित सदस्यों के बोर्ड और एक नामांकित अध्यक्ष को नियुक्त करके लोकतांत्रिक मूल्यों को भी खतरे में डालता है।मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि विश्वास की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता, संघवाद और लोकतांत्रिक सिद्धांतों सहित मौलिक अधिकारों से समझौता नहीं किया जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि विधेयक में ऐसे प्रावधान शामिल हैं जो संविधान की मूल बुनियाद के विपरीत हैं और उन्होंने केंद्र सरकार से इसे तत्काल वापस लेने का आह्वान किया।

प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में लगने वाला समय और लागत कम किया जाना चाहिये : जयराम रमेश

एजेंसी

नयी दिल्ली ।कांग्रेस ने कहा कि प्रवासी मजदूरों को एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत में कमी लाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विदेशों से पैसा भेजने में समय और लागत कम करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान का स्वागत करते हुए यह बात कही। रमेश ने कहा, ह्यह्यआरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बहुत सही तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर दिया है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हमारी अर्थव्यवस्था में इस वर्ष लगभग 124 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा, जिससे वे सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन जाएंगे। कांग्रेस नेता ने ह्यएक्सह्न पर लिखा,

ह्यह्यउसी समय यह भी याद किया जाना चाहिए कि 10 भारतीयों में से तीन किसी न किसी प्रकार से आंतरिक प्रवासी हैं। इसलिए आंतरिक प्रेषण के समय और लागत को कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जो एक राज्य में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी बचत की रकम को दूसरे राज्यों में रह रहे अपने परिवारों को भेजना शामिल है।ह्नह्न उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि आंतरिक प्रेषण पर सही तरीके से आंकड़े नहीं जुटाए गए। रमेश ने कहा कि कुछ साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के अंतरराज्यीय प्रेषण विदेश से प्रेषित इस तरह के धन का दसवां हिस्सा हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ वर्ष पहले किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि केरल से अन्य राज्यों को भेजी जाने वाली धनराशि, दक्षिणी राज्य को अन्य देशों से प्राप्त होने वाली धनराशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आय का आधे से भी कम हिस्सा औपचारिक संस्थागत चैनलों के माध्यम से प्राप्त होता है। दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

18 से 29 अक्टूबर के बीच समस्तीपुर समेत अलग-अलग जिलों में अलग-अलग तिथियों पर रोजगार मेला का आयोजित किया जा रहा है

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

बिहार के शिक्षित बेरोजगार युवाओं के लिए खुशखबरी है. राज्य सरकार के श्रम संसाधन विभाग के नियोजन एवं प्रशिक्षण निदेशालय की पहल पर 9 जिलों में रोजगार सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया जाएगा. यह मेला 18 से 29 अक्टूबर के बीच अलग-अलग जिलों में अलग-अलग तिथियों पर आयोजित किया जाएगा. श्रम विभाग के सचिव दीपक आनंद ने इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सभी जिलों के तकनीकी एवं गैर तकनीकी क्षेत्रों में योग्यता रखने आवेदकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है.

मेला में युवाओं को दिया जाएगा मार्गदर्शन :

दीपक आनंद ने बताया कि रोजगार मेले में कई कंपनियां आएंगी. साथ ही युवाओं को आगे क्या करना चाहिए, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में कोई दिक्कत न आए, इस बारे में युवाओं को मार्गदर्शन दिया जाएगा और इसके लिए अलग से स्टॉल लगाया जा रहा है. यह मेला समस्तीपुर समेत बिहार के नौ जिलों में लगेगा.

कहां और कब लगेगा मेला :

18 अक्टूबर को नवादा सरकारी आइटीआइ परिसर में मेला का आयोजन होगा.

19 अक्टूबर को कोशी कालेज परिसर खगड़िया में मेला का आयोजन होगा.

21 अक्टूबर को सरकारी आइटीआइ बेगूसराय में मेला का आयोजन होगा.

22 अक्टूबर को संयुक्त श्रम भवन बिहार शरीफ ब्लॉक परिसर में मेला का आयोजन होगा.

23 अक्टूबर को इस्लामिया प्लस टू हाइ स्कूल शेखपुरा में मेला का आयोजन होगा.

24 अक्टूबर को होली मिशन हाई स्कूल मोहनपुर रोड समस्तीपुर में मेला का आयोजन होगा.

25 अक्टूबर को सरकारी आइटीआइ राम नगर परिसर दरभंगा में मेला का आयोजन होगा.

28 अक्टूबर को वाटसन प्लस टू हाइ स्कूल मधुबनी में मेला का आयोजन होगा.

29 अक्टूबर को संयुक्त श्रम भवन सुपौल में मेला का आयोजन होगा.

10 बजे से 4 बजे तक लगेगा मेला :

दीपक आनंद ने बताया कि यह रोजगार मेला निर्धारित तिथि को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा. इसके लिए सभी को एनसीएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा. अगर कोई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन नहीं करा पाता है तो उसके लिए मेले में भी रजिस्ट्रेशन की व्यवस्था की गई है.

चकमेहसी क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का सांसद शांभवी ने लिया जायजा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

सांसद शांभवी चौधरी ने चकमेहसी थाना क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाके नामापुर व कलौंजर पंचायत का भ्रमण कर लोगों से समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान नामापुर पंचायत के नामापुर गांव में दो वार्ड में जाने का रास्ता नहीं होने से निजी रास्ते के सहारे आवागमन करने की समस्या स्थानीय लोगों ने प्रमुखता से रखी। जिस पर सांसद ने स्थानीय मुखिया व सीओ शशि रंजन से जानकारी लेते हुए सड़क निर्माण के संबंध में निजी भूमि स्वामी से बातकर आगे की प्रक्रिया करने या अन्य रास्ते के विकल्प पर विचार कर सड़क निर्माण कार्य का निर्देश दिया। सांसद ने नामापुर में बच्चो के बीच खिलौना आदि सामग्री का भी वितरण किया। इसके बाद सांसद कलौंजर पंचायत पहुंची।जहां फूलहट्टा में लोगो ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को सरकारी सहायता मुहैया कराने के साथ बाढ़ से फसल क्षति को लेकर मुआवजा दिलवाने व पंचायत को बाढ़ प्रभावित घोषित करवाने की मांग की।

कलौंजर पंचायत की पैक्स अध्यक्ष अनिता देवी ने सांसद को ज्ञापन सौंपकर पंचायत के कलौंजर जाने वाली मुख्य सड़क का निर्माण उच्ची करण के साथ कराने की मांग की। मौके पर सीओ शशि रंजन, मुखिया राम विनोद ठाकुर, पैक्स अध्यक्ष राजेश साह, रणधीर कुमार, धीरज कुमार उर्फ धीरू, अनीश त्रिवेदी, सात्विक, शुशील कुमार गुप्ता, मुखिया सुनील पासवान, थाना अध्यक्ष दिव्य ज्योति कुमारी आदि मौजूद रहे।

बिहार में विकास का इतिहास गढ़ रही है एनडीए सरकार :- अरविन्द सिंह

विशेष संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 14 अक्टूबर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा कि बिहार में अपने विकास कार्यों के जरिए एनडीए सरकार विकास का इतिहास गढ़ने का काम निरंतर कर रही है। जहानाबाद जिले में सिंचाई व्यवस्था को दुरूस्त करने के लिए, मा मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के निदेर्शानुसार जहानाबाद के विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं एनडीए सरकार इसीलिए जहानाबाद में करीब 30 करोड़ रुपए की लागत से सिंचाई व्यवस्था का जीर्णोद्धार किया जाएगा। जिससे जहानाबाद के किसानों को फसल उत्पादन में काफी मदद मिलेगी।वहीं 10 करोड़ रुपए की लागत से खगड़िया के मां कात्यायनी स्थान का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण करेगी एनडीए सरकार।

श्री अरविन्द ने कहा कि एनडीए सरकार युवाओं को नित्य नए अवसर प्रदान करने के काम कर रही हैं। और इसी क्रम में नेशनल मेडिकल कमीशन की स्वीकृति से अब आईजीएमएस पटना में एमबीबीएस की 30 सीटों की वृद्धि हुई हैं, जिससे एमबीबीएस की सीटें 120 से बढ़कर अब 150 हो चुकी हैं। एम्स पटना व ईएसआईसी बिहटा को छोड़ कर बिहार के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की कुल सीटें 1380 हो गई हैं।दूसरी ओर एनडीए सरकार के नेतृत्व में मेडिकल की सीटों में वृद्धि हेतु बिहार सरकार कई जिलों में नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण करवा रही है। अपने विकास उन्मुखी इरादे के साथ युवाओं के प्रतिभा को उभारने के लिए कटिबद्धता पूर्वक काम कर रही हैं एनडीए सरकार। और आए दिन बिहार में विकास का इतिहास गढ़ने का काम कर रही है एनडीए सरकार।

भारत माला परियोजना में मनमानी एवं लेट लतीफी के खिलाफ जिलाधिकारी के समक्ष आमरण अनशन करेंगे भूस्वामी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- 4 वर्ष पहले भू अर्जित की गई, आजतक ने मुआवजा मिला और न ही एनओसी- नौशाद तौहीदी
- सड़क निर्माण कार्य नजदीक आ चुका, अन्य भूस्वामी को भुगतन भी हो गया, हमारे साथ नाइंसाफी क्यों- अकदस तौहीदी

ताजपुर/समस्तीपुर (इन्डो गल्फ संवाददाता) : 14 अक्टूबर 2024

2021 में नोटीस देकर भारत माला परियोजना द्वारा हमारा करीब 18 कट्ठा भूमि एवं मकान अर्जित किया गया। सड़क निर्माण कार्य हमारे जमीन के करीब आ गया। पड़ोसियों को मुआवजा मिल गया। तमाम कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाबजूद आजतक हमलोगों को न मुआवजा का राशि दिया गया और न ही एनओसी मिला। मजबूरन हमलोग हमलोग सपरिवार नवंबर प्रथम सप्ताह से जिलाधिकारी के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन करेंगे।

उक्त आशय का घोषणा सोमवार को शाहपुर बघौनी वार्ड-11 निवासी पीड़ित परिवार के सदस्य नौशाद तौहीदी, अकदस तौहीदी, असद तौहीदी, जावेद तौहीदी, फैयाज तौहीदी, ईर्शाद तौहीदी, मो० मुंतजिर आदि ने संयुक्त रूप से की।

मौके पर पूर्व पंचायत समिति सदस्य सह भाकपा माले प्रखंड कमिटी सदस्य नौशाद तौहीदी ने कहा कि 2021 में ताजपुर अंतर्गत मौजा शाहपुर बघौनी, थाना नं०-71 के खेसरा संख्या- 2930, 2931, 2939, 2937, 2940, 2941 का भूमि एवं मकान कुल रकबा करीब 18 कट्ठा भारत माला परियोजना एन एच आई-19 डी द्वारा अर्जित किया गया जो हमारे पूर्वजों के नाम सीएस खतियान में दर्ज है। भवन निर्माण विभाग उक्त सभी खेसरा पर संयुक्त रूप से बने पैतृक मकान एवं संरचना का मूल्यांकन अकदस तौहीदी, नौशाद तौहीदी एवं फरीक के नाम से किया जा चुका है। तमाम कागजी प्रक्रिया पूरा करने के बाबजूद परियोजना आजतक मुआवजा भुगतान नहीं किया है। उन्होंने बताया कि की बार संबंधित अधिकारियों को आवेदन भी दिया गया एवं मिलकर भी बताया कि मुआवजा राशि का भुगतान किया जाए ताकि वैकल्पिक आवास बना सकूं या फिर एनओसी दे दिया जाए ताकि मकान मरम्मत कराकर उसमें रह सकूं लेकिन परियोजना मामले को उलझाकर रखें हुआ है। हमलोग परेशान हैं। अतः मामले का निराकरण के लिए हमलोग सपरिवार नवंबर प्रथम सप्ताह से जिलाधिकारी के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठेंगे।

एक मां ने चार बच्चों को जन्म दिया

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ीःशहर के डुमरा स्थित नवजीवन मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल में एक अद्भुत घटना हुई, जब 22 वर्षीय रूबी देवी ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया।सड़वारा निवासी रमेश सदा की पत्नी, जो पहले अल्ट्रासाउंड में तीन बच्चों की उम्मीद कर रही थीं, ने ऑपरेशन के दौरान चौथे बच्चे को भी जन्म दिया। डॉ. प्रवीण कुमार के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने यह सफल ऑपरेशन किया। पहले एक बेटी और उसके बाद तीन बेटे पैदा हुए।चिकित्सकों ने इसे असाधारण और चमत्कारी घटना बताया, और यह भी कहा कि मां और सभी बच्चे स्वस्थ हैं।रूबी के परिवार में खुशी का माहौल है, और स्थानीय समुदाय ने भी इस अनोखी घटना का स्वागत किया है। डॉक्टरों ने नियमित जांच और देखभाल की आवश्यकता को रेखांकित किया, ताकि मां और बच्चों की सेहत को सुनिश्चित किया जा सके। यह घटना न केवल परिवार के लिए, बल्कि पूरे गांव के लिए गर्व का विषय बन गई है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ 16 को कांग्रेस का जिला मुख्यालयों में मार्च और प्रदर्शन

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बिजली विभाग के स्मार्ट मीटर के खिलाफ होगा कांग्रेस का बुधवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन
- स्मार्ट मीटर के खिलाफ बिहार कांग्रेस का 16 को राज्यव्यापी प्रदर्शन

पटना. सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 बिजली विभाग के द्वारा लगाए जा रहे प्रीपेड स्मार्ट मीटर के खिलाफ बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रही है। जनजागरण अभियान के बाद अब अगली कड़ी में 16 अक्टूबर दिन बुधवार को राज्यव्यापी जिला मुख्यालयों में प्रदर्शन की तैयारी पूरी हो चुकी है।इस आशय की जानकारी देते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि बिहार कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ प्रत्येक जिला में प्रभारियों की नियुक्ति की है जो 16 को अपने जिले में वहां के स्थानीय जिलाध्यक्ष के साथ बिजली विभाग के कार्यालय तक मार्च और उसके बाहर प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम की जिम्मेदारी तय की जा चुकी है। इसी के तहत आगामी 16 अक्टूबर दिन बुधवार को राज्यव्यापी सभी जिला मुख्यालयों में स्मार्ट मीटर के खिलाफ व्यापक प्रदर्शन होना सुनिश्चित हुआ है। कल सूबे के सभी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा ताकि इस निरंकुश सरकार को गरीबों के खून चुसवा मीटर से निजात दिलाया जा सकें। इससे पहले नालंदा और कैमूर जिला मुख्यालयों में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने जनजागरण अभियान का नेतृत्व किया। एक हफ्ते तक राज्य के विभिन्न जिला में ये जनजागरण अभियान लगातार संचालित की गई।

डीएम ने की में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्वास्थ्य विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी सिविल सर्जन सह एसीएमओ डॉ. जियाउद्दीन जावेद, डीवीडीसीओ डॉ. रवींद्र कुमार यादव, एनसीडीओ डॉ. सुनील कुमार सिन्हा, डीआईओ डॉ. मुकेश कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक असित रंजन, डीपीसी, डीसीएम, डीएमई और सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, ब्लॉक हेल्थ मैनेजर, ब्लॉक कम्युनिटी मोबिलाइजर सहित पिरामल फाउंडेशन टीम, यूनिसेफ ने भाग लिया । बैठक में प्रखण्डवार एएनसी रजिस्ट्रेशन, संस्थागत प्रसव, परिवार नियोजन, एमडीआर सीडीआर, टीकाकरण की स्थिति सहित विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी द्वारा जेबीएसवाई भुगतान में बैकलॉग को जल्द से जल्द खत्म करने का निर्देश दिया गया तथा जिन प्रखंडों में अधिक बैकलॉग होगा उनके वेतन पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया, साथ ही आगामी 15 दिनों में सभी प्रकार के बैकलॉग को खत्म किया जाए। जन शिकायतों को सुगमता पूर्वक प्राप्त किया जाए और त्वरित कार्रवाई करते हुए उसका समाधान किया जाए ऐसी व्यवस्था विकसित किया जाए। जिला पदाधिकारी द्वारा संस्थागत प्रसव के क्षेत्र में लक्ष्य के अनुरूप कमजोर प्रदर्शन करने वाले संस्थानों के प्रभारी को फटकार लगाते हुए इसे शत प्रतिशत प्राप्ति हेतु कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया गया। चोरौत के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की बैठक में अनुपस्थिति के कारण उनसे स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया।इस बैठक में सीतामढ़ी जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा और आवश्यक सुधार के लिए योजनाएं बनाने का निर्देश दिया गया।

16 एवं 17 अक्टूबर को जिला युवा महोत्सव का होगा आयोजन

मो. सदरे आलम नोमानी

सीतामढ़ी:जिला युवा महोत्सव का आयोजन जिले में 16 एवं 17 अक्टूबर को कमला बालिका उच्च विद्यालय, डुमरा में 10: बजे पूर्वाह्न से लेकर 5: बजे अपराह्न तक आयोजित किया जाएगा ।युवा महोत्सव का आयोजन पूरे धूमधाम एवं उत्साह के साथ होगा जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी विभिन्न विधाओं मे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। भाग लेने वाले प्रतिभागियों की उम्र 15 वर्ष से 29 वर्ष तक होगी ।जिला युवा महोत्सवझ्र 2024 के आवेदन का प्रारूप जिले के वेबसाइट पर अपलोड किया गया है तथा विभिन्न माध्यमों से इसे सार्वजनिक भी किया गया है। जिला युवा महोत्सवझ्र2024 में निबंधन हेतु आवेदन जिला समान्य प्रशाखा, सीतामढ़ी/ जिला शिक्षा पदाधिकारी सीतामढ़ी/ जिला वेबसाइट से दिनांक 09झ्र10झ्र2024 से 15झ्र10झ्र2024 तक प्राप्त कर 10:बजे पूर्वाह्न से 5:अपराह्न के बीच जिला समान्य प्रशाखा/ जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते हैं ।विभिन्न विधाओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा जबकि सभी विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा।

आरपीएफ जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी मात्रा में शराब की हुई बरामदगी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
पंकज श्रीवास्तव

- करीब ?50000 की शराब पकड़ी गई.
- तीन शराब तस्कर हुए गिरफ्तार.

छपरा ।बिहार में शराबबंदी होने के बावजूद भी दूसरे राज्यों से लगातार शराब की खेती बिहार में आ रही है और शराब तस्कर इसके बगल के राज्यों उत्तर प्रदेश बंगाल और अन्य राज्यों से बिहार में बड़ी मात्रा में शराब लाकर खपा रहे हैं।इसी कड़ी में आज आरपीएफ के जवान जब स्टेशन चेकिंग कर रहे थे इस दौरान मऊ से चलकर छपरा कचहरी आने वाली पैसेंजर ट्रेन संख्या 05114प्लेटफार्म संख्या दो पर आई तब आरपीएफ के जवान संतोष कुमार पांडे और संतोष कुमार और जी आर पी के थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने गाड़ियों की चेकिंग शुरू की तो आगे से तीसरी बोगी में तीन युवक संदिग्ध अवस्था में भागते हुए नजर आए। आरपीएफ के जवानों ने इन अपराधियों को दौड़कर पकड़ा और उसकी निशानदेही पर बड़ी मात्रा में शराब की खेप बोगी से बरामद की। बरामद शराब की कीमत लगभग ?50000 है। किसके साथ ही पकड़े गए तीनों शराब तस्करों की पहचान विकास कुमार अनूप कुमार और विवेक कुमार की रूप में की गई है यह सभी साढ़ा, मांझी और नगरा के रहने वाले हैं ।इन लोगो की निशान देही पर विदेशी शराब में 51पीस आर एस और 8पी एम टेट्रा पैक फ्रूटी पैकेट 96 पीस और 6पीस आर एस को बरामद किया गया। आरपीएफ के जवानों ने तीनों शराब तस्करों को पड़कर छपरा कचहरी स्थित आर पी एफ पोस्ट पर ले आए।वहां पर मनोज कुमार सिंह सहायक उप निरीक्षक रेलवे सुरक्षा बल और वरीय हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह ने तीनों से विस्तृत पूछताछ की इन लोगों ने बताया कि वे लोग यूपी से बराबर इस तरह की शराब की खेप लाकर यहां खपाते हैं।उसके बाद आरपीएफ के उप निरीक्षक मनोज कुमार सिंह के द्वारा तीनों शराब तस्कर और बरामद शराब को छपरा कचहरी स्थित राजकीय रेल थाना को सुपुर्द कर दिया कर दिया।वही छपरा कचहरी के राजकीय रेल थाना प्रभारी ने बताया कि सभी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

बाइट विकास कुमार सिंह थाना अध्यक्ष रेल थाना छपरा कचहरी

बी0पी0एल0 परिवार के 40 वर्ष से 59 वर्ष उम्र के समस्त विधवा महिला पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने के लिए

ऐसे विधवा अपना आवेदन संबंधित प्रखण्ड के आर0टी0पी0एस0 के काउन्टर पर जाकर अपना आवेदन करे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, समस्तीपुर द्वारा संचालित योजनाओं में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना अन्तर्गत बी०पी०एल० परिवार के 40 वर्ष से 59 वर्ष उम्र के समस्त विधवा महिला जिन्हें केन्द्र / राज्य सरकार से कोई वेतन, पेंशन, पारिवारिक पेंशन प्राप्त नहीं कर रहे हो, ऐसे विधवा अपना आवेदन संबंधित प्रखण्ड के आर०टी०पी०एस० के काउन्टर पर जाकर अपना आवेदन कर सकती है। आवेदन जमा करते समय आधार कार्ड, वोटर आई०डी०, बैंक पासबुक, पति के मृत्यु प्रमाण-पत्र की छाया प्रति के साथ एक फोटो तथा बी०पी०एल० सूची की छायाप्रति आदि के साथ आवेदन कर सकती है। सरकार के द्वारा उम्र 40 से 79 वर्ष के विधवा को 400-00 (चार सौ) रुपए प्रतिमाह एवं 80 वर्ष या 80 वर्ष अधिक उम्र वाले विधवा को 500=00 (पाँच सौ) रुपए प्रतिमाह डी०बी०टी० के माध्यम से सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भुगतान किये जाने का प्रावधान है। इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में समस्तीपुर जिला

जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुमार की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए विभिन्न बातों पर समीक्षा की गई

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

जिलाधिकारी समस्तीपुर श्री रोशन कुशवाहा द्वारा दिनांक 14 अक्टूबर 2024 को मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की वी सी के माध्यम से तृतीय मंगलवार दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को होने वाली समीक्षात्मक बैठक से पूर्व विभिन्न विभागों की प्रगति से संबंधित समीक्षा बैठक की गई। बैठक में नगर निगम समस्तीपुर, जिला भू अर्जन कार्यालय, पर्यटन विभाग, जिला योजना कार्यालय, जिला नियोजन कार्यालय, जिला सहकारिता कार्यालय, जिला सांख्यिकी कार्यालय ,जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी का कार्यालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद /नगर पंचायत समस्तीपुर ,उप महाप्रबंधक बियाड़ा ,महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता पुल निर्माण निगम दरभंगा, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल समस्तीपुर /रोसड़ा /दलसिंहसराय एवं पटोरी , कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल एक समस्तीपुर ,दो रोसड़ा, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी समस्तीपुर ,विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल समस्तीपुर /रोसड़ा /दलसिंहसराय /पटोरी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल समस्तीपुर ,कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल समस्तीपुर /रोसड़ा एवं प्रबंधक डीआरसीसी समस्तीपुर से संबंधित विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया।

24 घंटा के अंदर पुलिस अधीक्षक, समस्तीपुर द्वारा गठित SIT द्वारा त्वरित कारवाई करते हुए हत्या काण्ड का सफल उदभेदन एवं अपराधी की गिरफतारी

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

आज केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री सह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री चिराग पासवान जी का Pernod Ricard के अधिकारियों से आज सार्थक बातचीत हुई, जहाँ उन्होंने World Food India 2024 की सफलता की सराहना की। उन्होंने भारत को विश्व के सबसे उभरते हुए बाजारों में से एक मानते हुए यहां विस्तार की योजनाओं पर अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। भारत में इनका विस्तार हमारी अर्थव्यवस्था को गति देगा और रोजगार के नए अवसर सृजित करेगा। हम मेक इन इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार स्थापित करने के लिए अनुकूल माहौल प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वैश्विक निवेशकों के लिए भारत में व्यापार विस्तार की असीम संभावनाएं हैं, जो दीर्घकालिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगी

डीएम ने की मुख्य सचिव से वी सी के माध्यम से बैठक

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा सोमवार को मुख्य सचिव बिहार की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों की वी सी के माध्यम से तृतीय मंगलवार दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को होने वाली समीक्षात्मक बैठक से पूर्व विभिन्न विभागों की प्रगति से संबंधित समीक्षा बैठक की गई। बैठक में नगर निगम समस्तीपुर, जिला भू अर्जन कार्यालय, पर्यटन विभाग, जिला योजना कार्यालय, जिला नियोजन कार्यालय, जिला सहकारिता कार्यालय, जिला सांख्यिकी कार्यालय, जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी कार्यालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, सभी कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद/नगर पंचायत समस्तीपुर, उप महाप्रबंधक बियाड़ा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र समस्तीपुर, कार्यपालक अभियंता पुल निर्माण निगम दरभंगा, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल समस्तीपुर /रोसड़ा /दलसिंहसराय एवं पटोरी, कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन कार्य प्रमंडल एक समस्तीपुर, दो रोसड़ा, कार्यपालक अभियंता पीएचईडी समस्तीपुर, विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल समस्तीपुर/ रोसड़ा/दलसिंहसराय/ पटोरी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल समस्तीपुर कार्यपालक अभियंता पथ निर्माण विभाग पथ प्रमंडल समस्तीपुर/रोसड़ा एवं प्रबंधक डीआरसीसी समस्तीपुर से संबंधित विभागों की प्रगति की समीक्षा की गई एवं निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया।

डीडीयू - पटना - मोकामा के रास्ते नई दिल्ली से बरौनी एवं जयनगर के लिए फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। दीपावली एवं छठ के अवसर पर यात्रियों की भीड़ के मद्देनजर उनकी सुविधा हेतु कई स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है। इसी कड़ी में डीडीयू - पटना - मोकामा के रास्ते नई दिल्ली से बरौनी एवं जयनगर के लिए 01-01 जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा जिनका विवरण निम्नानुसार है :- गाड़ी संख्या 04054/04053 नई दिल्ली - बरौनी - नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल गाड़ी संङ्ख 04054 नई दिल्ली - बरौनी फेस्टिवल स्पेशल 27, 30 अक्टूबर, 02 एवं 05 नवम्बर, 2024 को नई दिल्ली से 14 : 20 बजे खुलकर 21: 15 बजे गोविंदपुरी रूकते हुए अगले दिन 00 : 15 बजे प्रयागराज, 03 : 25 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. 04 : 45 बजे बक्सर, 05 : 45 बजे आरा, 06 : 55 बजे पटना जं. 08 : 40 बजे मोकामा रूकते हुए 11: 00 बजे बरौनी पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संङ्ख 04053 बरौनी - नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 28 एवं 31 अक्टूबर, 03 एवं 06 नवम्बर, 2024 को बरौनी से 12 : 30 बजे खुलकर 14 : 05 बजे मोकामा, 16 : 00 बजे पटना जं.16 : 55 बजे आरा, 18 : 20 बजे बक्सर, 19 : 40 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंङ्ख 23 : 00 बजे प्रयागराज रूकते हुए अगले दिन 02 : 00 बजे गोविंदपुरी एवं 09 : 10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस स्पेशल में द्वितीय वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, शयनयान श्रेणी के 07 एवं साधारण श्रेणी के 10 कोच होंगे। गाड़ी संख्या 04052 /04051 नई दिल्ली - जयनगर - नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल गाड़ी संङ्ख 04052 नई दिल्ली - जयनगर फेस्टिवल स्पेशल 26, 29 अक्टूबर, 01 एवं 04 नवम्बर, 2024 को नई दिल्ली से 14 : 20 बजे खुलकर 21: 15 बजे गोविंदपुरी रूकते हुए अगले दिन 00 :15 बजे प्रयागराज, 03 : 25 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. 04 : 48 बजे बक्सर 05 : 48 बजे आरा, 06 : 55 बजे पटना जं. 08 : 40 बजे मोकामा, 10 : 30 बजे बरौनी, 12 : 05 समस्तीपुर, 13 : 20 बजे दरभंगा रूकते हुए 15 : 40 बजे जयनगर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संङ्ख 04051 जयनगर - नई दिल्ली फेस्टिवल स्पेशल 27 एवं 30 अक्टूबर, 02 एवं 05 नवम्बर, 2024 को जयनगर से 18 : 00 बजे खुलकर 20 : 15 बजे दरभंगा, 21: 45 बजे समस्तीपुर, 23 : 00 बजे बरौनी रूकते हुए अगले दिन 00 : 30 बजे मोकामा, 02 : 25 बजे पटना जंङ्ख 03 : 15 बजे आरा, 04 : 30 बजे बक्सर, 05 : 30 बजे पंडित दीनदयाल उपाध्याय जं. 08 : 25 बजे प्रयागराज एवं 11: 30 बजे गोविंदपुरी रूकते हुए 18 : 50 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। इस स्पेशल में प्रथम वातानुकूलित श्रेणी का 01 कोच, द्वितीय एवं तृतीय वातानुकूलित श्रेणी के 04 - 04 कोच, शयनयान श्रेणी के 02 एवं साधारण श्रेणी के 03 कोच होंगे।

अनिरुद्धाचार्य को श्रीरामचरितमानस देकर किया गया सम्मानित

वरिष्ठ संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विद्यापतिनगर (समस्तीपुर) ।श्रीरामचरितमानस प्रचार संघ द्वारा आयोजित घर-घर मानस जन-जन मानस अभियान के तहत युवा साहित्यकार मिंटू कुमार ने वृंदावन से आये अंतरराष्ट्रीय स्तर के कथावाचक सनातन धर्म के प्रमुख साधक एवं समाज सेवा के प्रेरणा स्त्रोत अनिरुद्धाचार्य को श्रीरामचरितमानस एवं मधुबनी पेंटिंग से सुसज्जित अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। उक्त मौके पर अनिरुद्धाचार्य ने कहा कि राम में संसार है राम नाम से ही संसार का कल्याण होगा। इसलिए सभी सनातनियों को श्रीरामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए। श्री अनिरुद्धाचार्य ने उन्हें श्रीधाम वृन्दावन आने का निमंत्रण भी दिया है।

सिमुलतला आवासीय विद्यायल, सिमुलतला, जमुई में कक्षा VI (सत्र 2025-26)

में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा (प्रारंभिक), 2025 के अवसर पर कदाचार में लिप्त परीक्षार्थियों /

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

अभिभावकों को नियमानुसार 2000/- दो हजार रुपए जुमार्ना तथा कारावास अथवा दोनो सजा दी जायेगी।

2) परीक्षा केन्द्र एवं इसके 500 गज की परिधि में दं०प्र०सं० की धारा 144 लागू है जिसके तहत -

(3) परीक्षा केन्द्र पर तथा आस-पास 500 गज की परिधि में लाठी-भाला गडांसा तथा घातक अस्त्र-शस्त्र लेकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा।

(4) परीक्षा केन्द्र के पर वीक्षक परीक्षार्थी तथा कर्त्तव्य पर प्रतिनियुक्त व्यक्तियों को छोड़कर अन्य व्यक्तियों को 500 गज की दूरी तक प्रवेश पर रोक लगायी जाती है। पाँच व्यक्ति एक साथ इक ?ट्ठा नहीं होगें।

(5) परीक्षा अवधि तक परीक्षा केन्द्र के आस-पास 500 गज की परिधि में लाउडस्पीकर के उपयोग पर रोक लगायी जाती है।(6) कदाचार को रोकने हेतु परीक्षा केन्द्र के आस-पास

500 गज की परिधि के फोटो कॉपियर्स, कोचिंग सेन्टर, फैक्स, इंटरनेट, साईवर कैफे आदि के संचालक को सूचना दी जाती है कि यदि इस तरह का कृत उनके संस्थान में पाया जाता है तो उनके विरूद्ध विहार परीक्षा संचालन अधिनियम 1981 के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अतः उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपना प्रतिष्ठान परीक्षा अवधि 12.00 बजे मध्या० से 04.00 बजे अप० तकै बन्द रखेंगे।(7) परीक्षार्थियों के परीक्षा केन्द्र के अंदर मोबाईल ब्लूटूथ, वाट्सअप आदि मोडर्न टैक्नोलॉजी के उपकरण ले जाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। इस प्रकार के नकल करने वाले उपकरणों के साथ परीक्षा भीतर प्रवेश नहीं करेगें। यदि किसी परीक्षार्थी के पास इस प्रकार के उपकरण परीक्षा केन्द्र के भीतर पाये जाते है तो उन्हें नियमानुसार दंडित किया जायेगा।(8) परीक्षा केन्द्र के बाहर एवं अन्य स्थानों पर सी०सी०टी०वी० कैमरा लगाया गया है। अतएव कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन में बाधा डालने वाले असामाजिक तत्व कैमरा के नजर में है। इसके मद्देनजर सभी को सूचना दी जाती है कि परीक्षा केन्द्र से दूरी बनाये रखेगें।

विभूतिपुर में धूमधाम से मनाया गया दुर्गा पूजा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विभूतिपुर (समस्तीपुर। नरहन पंचायत स्थित पुरानी बड़ी दुर्गा पूजा समिति द्वारा आयोजित पूजा सह मेला धूमधाम से मनाया गया। बड़ी दुर्गा पूजा समिति की स्थापना 1960 में हुई थी, तब से अनवरत प्रचलित पूजा सह मेला का आयोजन बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस मंदिर में माता दुर्गा के प्रति आस्था रखनेवाले श्रद्धालुओं की संख्या अविरल बढ़ती ही जा रही है। मेला का आयोजन प्रथम पूजा से पूर्णिमा तक चलने की वजह बाजार के मिजाज को हरा भरा रखता है। एक तरफ दूर दूर से आए श्रद्धालु अपने परिवार संग पूजा सह मेला का आनंद लेते हैं तो दूसरी तरफ स्थानीय दुकानदार और दूर दराज के मेला व्यापारी भी खुशहाल नजर आते हैं। कुल मिलाकर बाजार की रौनक देखते ही बनती है। इस बार तो पूजा समिति के द्वारा एक खास व्यवस्था देखने को मिली। महिला और पुरुषो के लिए अलग अलग मंदिर की परिक्रमा पथ बनाया हुआ था जिससे किसी तरह का व्यवधान न हो ताकि शांति और अनुशासन बनी रहे। पूजा कार्यक्रम आचार्य रोहित शास्त्री ज्योतिषाचार्य सह व्यकरणाचार्य सह कर्मकांडी पंडित जो संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के द्वारा संपन्न हुआ। अन्य स्थानीय सहयोगी यजमान मुरारी रजक, मुख्य यजमान अरुण राय संत', सह यजमान पंकज राय थे। पूजा समिति के अध्यक्ष प्रभु राय, सचिव शंभू राय, घनश्याम राय, राज कुमार दास, गोपाल ठाकुर शिक्षक, कोर सदस्य में पैराडाइज पब्लिक स्कूल के प्राचार्य शोभाकांत राय द्वारा परिसर में शांति, सौहार्द्य वातावरण कायम रखने, प्रसाद वितरण आदि व्यवस्था बनाये रखने में उनकी भूमिका प्रशंसनीय रही। गौरतलब है कि मूर्ति का विसर्जन कार्यक्रम अगले पूर्णिमा को होगी।

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक में दिए कई निर्देश .

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा ने जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक में दिए महत्त्वपूर्ण निर्देश.

सभी अंचलाधिकारियों को अतिक्रमणवाद को गंभीरता से लेकर त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश।

जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी प्रकट करते हुए अतिक्रमण वाद निष्पादन में शून्य प्रगति वाले बाबूबरही, लखनौर, लदनिया अंचलाधिकारियों से पूछा स्पष्टीकरण .

सभी डीसीएलआर नियमित रूप से अंचलों एवं हल्का का निरीक्षण करे साथ ही कम से कम 16 दिन अनिवार्य रूप से कोर्ट करे।

जिलाधिकारी ने सभी सीओ सहित उपस्थित भूमी सुधार उप समाहत्ताओं को तेजी के साथ नीलाम पत्रवाद का निष्पादन करने का निर्देश दिया।

गत सितम्बर माह में सभी अंचलाधिकारियो के ओवर ऑल प्रदर्शन में लदनिया, कलुआही, फुलपरास एवं झंझारपुर क्रमशः टॉप 05 में रहे वहीं निम्न प्रदर्शन में बेनीपट्टी, मधवापुर, रहिका, खजौली एवं जयनगर रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि ओवर ऑल प्रदर्शन में लगातार चार माह निम्न प्रदर्शन करने वाले अंचलाधिकारियों के विरूद्ध होगी कार्रवाई ।

न्यायालय संबधी मामलों किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नही.

दाखिल-खारिज के प्राप्त आवेदनों का हर हाल में निर्धारित अवधि में निष्पादन करने का दिया निर्देश।

दाखिल-खारिज में मधवापुर, खजौली, विस्फी का सबसे निम्न प्रदर्शन पाया गया वही लौकही एवं रहिका का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा।

जिलाधिकारी स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि दाखिल-खारिज में प्राप्त आवेदनो को अनावश्यक रूप से रदद् नहीं करे। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला राजस्व समन्वय समिति की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। अतिक्रमणवाद की समीक्षा के क्रम में सभी सी0ओ0 को निर्देश दिया कि अतिक्रमण वाद को पूरी गंभीरता से लेकर इसका तेजी से निष्पादन करे। उन्होनें अतिक्रमणवाद के मामलों को सरजमीनी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने उपस्थित सभी डीसीएलआर को नियमित रूप से अंचलों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी डीसीएलआर नियमित रूप से अंचलों एवं हल्का का निरीक्षण करे साथ ही कम से कम 16 दिन अनिवार्य रूप से कोर्ट करे। अतिक्रमणवाद के समीक्षा के क्रम में बाबूबरही, लखनौर, लदनिया द्वारा शुन्य निष्पादन को लेकर जिलाधिकारी ने गहरी नाराजगी प्रकट करते हुए स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सभी सीओ सहित उपस्थित भूमी सुधार उप समाहत्ताओं को तेजी के साथ नीलाम पत्रवाद का निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बडी-बडी राशि वाले मामलों को चिन्हित कर प्राथमिकता के साथ सुनवाई करें। उन्होनें कहा कि शीघ्र ही परिणाम दिखनी चाहिए। उन्होने सभी अंचलाधिकारियों को निलाम पत्र वाद से संबंधित अधिनियम की जानकारी देते हुद निर्देश दिया कि सभी अंचलाधिकारी अधिनियम के सभी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी अनिवार्य रूप से रखे। जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज के प्राप्त आवेदनों का हर हाल में निर्धारित अवधि में निष्पादन करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में दाखिल-खारिज में मधवापुर, खजौली, विस्फी का सबसे निम्न प्रदर्शन पाया गया वही लौकही एवं रहिका का सबसे अच्छा प्रदर्शन पाया गया। उन्होनें स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि दाखिल-खारिज में प्राप्त आवेदनो को अनावश्यक रूप से रदद् नहीं करे।

गांधी मैदान में सीएम नीतीश कुमार ने किया रावण का वध, मैथिली लुक में नजर आया रावण

पटना । प्रसिद्ध गांधी मैदान में विजयादशमी के अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तीर चलाकर रावण का वध किया। इस बार का आयोजन खास रहा, क्योंकि रावण की लंका को जलाने से पहले हनुमान की शानदार एंट्री क्रेन के माध्यम से की गई। इसके बाद हनुमान ने प्रतीकात्मक रूप से लंका को जलाया, जिससे पूरे कार्यक्रम में लोगों का उत्साह और बढ़ गया। वहीं, लंका दहन करने के दौरान एक अप्रत्याशित घटना हो गई। दरअसल, सीएम नीतीश कुमार जैसे ही तीर चलाने के लिए धनुष उठाया तो उनका तीर और धनुष दोनों हाथ से छूटकर नीचे गिर गया। गौरतलब है कि इस वर्ष गांधी मैदान में बिहार का सबसे ऊंचा 80 फीट का रावण का पुतला बनाया गया था, जो खास तौर पर मैथिली लुक में नजर आया। रावण के इस अनोखे रूप ने दर्शकों को आकर्षित किया और मिथिला की सांस्कृतिक धरोहर को भी उजागर किया।

अन्य स्थानों पर भी हुआ रावण दहन बिहार के अन्य जिलों में भी विजयादशमी के मौके पर रावण दहन का आयोजन किया गया। गया में 60 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए।

इसी प्रकार, मधेपुरा और बक्सर में भी रावण दहन के आयोजन में लोगों ने बड़ी उत्सुकता दिखाई। इन सभी स्थानों पर रावण के पुतले जलाए गए और राम-रावण के प्रतीकात्मक युद्ध को प्रस्तुत किया गया, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। संस्कृति और उत्साह का संगम पटना के गांधी मैदान में आयोजित यह रावण दहन कार्यक्रम बिहार में हर साल की तरह विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के रावण वध के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इसके बाद लोग बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश लेकर घर लौटे।

आज दशहरा है और यह पर्व हर वर्ष शारदीय नवरात्रि के समापन के साथ दशमी तिथि को विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है। यह त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है। हिंदू

पंचांग के अनुसार, हर वर्ष आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को इस पर्व को बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस तिथि पर भगवान श्रीराम ने लंकापति रावण का वध करते हुए विजय हासिल की थी, जिस कारण से इसे विजयादशमी भी कहा जाता है। दशहरे पर पटना समेत पूरे देशभर में कई जगहों पर रावण का दहन किया जाता है। 18 हाइटेक एंबुलेंस की व्यवस्था रही इस बार बिहार का सबसे बड़ा रावण का पुतला पटना के गांधी मैदान में लाया गया है। 80 फीट लंबे रावण का पुतला बनाया गया है। आज शाम पांच बजे सीएम नीतीश कुमार ने रावण वध किया। इसको लेकर खास तैयारी की गई थी। किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने सारी तैयारी पहले ही पूरी कर ली थी। चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया।

मीडिया के लिए गांधी मैदान में प्रवेश गेट नं. 13 से और आम जनता का प्रवेश गेट नं. 4,5,6,7,8,9,10 एवं 12 से हुआ। निकलते समय गांधी मैदान के सभी गेट खुले रहे। 18 हाइटेक एंबुलेंस की व्यवस्था रही। आस-पास के सभी प्राइवेट और सरकारी अस्पताल को अलर्ट मोड पर रखा गया। रावण को खासकर मैथिली लुक दिया गया है गांधी मैदान में रावण दहन के दौरान हनुमान जी की इंट्री हवा में हुई। रावण को खासकर मैथिली लुक दिया गया था। रावण के पुतले की ऊंचाई 80 फीट, मेघनाद की 75 फीट और कुंभकरण की ऊंचाई 70 फीट थी। रावण, मेघनाद, कुंभकरण का दहन इको फ्रेंडली पटाखों से हुआ। बारिश रोधी पुतले बनाए गए थे। पुतला इस बार भी देश के टॉप 10 पुतलों में शामिल है। पटना के गांधी मैदान के आसपास 128 कैमरे लगाए गए।

पूर्णिया में रावण दहन के लिए रॉकेट जला रहे थे सांसद पप्पू यादव, अचानक हुआ ऐसा; बाल-बाल बच गए

पूर्णिया । सांसद पप्पू यादव के साथ बड़े हादसे का शिकार होने से बच गए। रावण दहन के दौरान यह घटना हुई। अब इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सांसद पप्पू यादव रावण दहन के लिए एक रॉकेट में आग लगा रहे थे। उनके ऐसा करते ही रॉकेट में से तेज चिंगारियां निकलकर उनके दायीं आंख के पास आकर लगी। इ पप्पू यादव मामूली रूप से घायल हो गया। घटना पूर्णिया के मरंगा वार्ड नंबर 8 में हुई है। रावण दहन के लिए एक रॉकेट जला रहे थे दरअसल, विजय दशमी पर रावण दहन कार्यक्रम में सांसद पप्पू यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ था। इसी दौरान सांसद पप्पू यादव रावण दहन के लिए एक रॉकेट में आग लगा रहे थे। जैसे ही उन्होंने रॉकेट में आग लगाई। वैसे ही उसमें से चिंगारी निकलकर उनके चेहरे की ओर आकर लगी। यह चिंगारी काफी तेज थी। वह रॉकेट में से तेजी से निकलती हुई सीधे पप्पू यादव के चेहरे की ओर आकर लगी।

दायीं आंख में जलन काफी ज्यादा है इस दौरान उन्होंने खुद को बचाते हुए चेहरा नीचे की ओर झुका लिया। आप वीडियो में देख सकते हैं कि कैसे उन्होंने खुद को बचाया। डॉक्टरों के अनुसार, रॉकेट की चिंगारी सांसद के आंख के पास आकर लगी। गनीमत थी कि उनकी आंख बच गई। पटाखा के बारूद और आग के कारण दायीं आंख में जलन काफी ज्यादा है।

भीषण हादसे में चार की मौत, मेला देखकर लौट रहे थे छह युवक

दो बाइक के बीच आमने सामने की हुई टक्कर

नालंदा । जिले के सरमेरा थाना क्षेत्र में हुई एक भीषण सड़क दुर्घटना में चार युवकों की मौत हो गई। वही दो युवकों की हालत गंभीर है। इनका इलाज चल रहा है। यह हादसा शनिवार मध्य रात्रि को बिहटा सरमेरा एसएच 78 पर बढ़िया गांव के पास हुआ। बताया जाता है कि छह युवक दो मोटरसाइकिल पर सवार होकर मेला देखने गए थे। वापस लौटते समय दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने टकरा गईं। हादसा इतना भीषण था कि चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। दो बाइक के बीच हुई थी टक्कर घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना

मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। पुलिस ने चारों युवकों की लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस के अनुसार, दो बाइक के बीच टक्कर हुई थी। इसमें चार युवक की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दोनों बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। दोनों बाइक के परखच्चे उड़ गए हैं। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है मरने वालों की पहचान शेखपुरा निवासी दिलीप कुमार के पुत्र राजन कुमार (22), सरमेरा थाना क्षेत्र के मोहद्दीपुर निवासी संजय केवट के पुत्र सोनू कुमार (21), गया जिला के नीमचक बथानी थाना क्षेत्र के धर्मोचक गांव निवासी जागेश्वर केवट के पुत्र बॉस कुमार (19) और शेखपुरा जिला निवासी राजकुमार पासवान के पुत्र शशि रंजन (35) के रूप में हुई है। घायलों को पटना रेफर किया गया है। वहीं थानेदार विकास कुमार यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच चल रही है। इधर, हादसे के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नालंदा में 17 करोड़ की लागत से बना नया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जानें क्या मिलेंगी सुविधाएं

पटना । नालंदा में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में नालंदा जिले में एक नया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किया गया है। यह स्वास्थ्य केंद्र सिलाव प्रखंड में स्थित है और इसके निर्माण पर लगभग 17 करोड़ रुपये की लागत आई है। शनिवार को इस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विधिवत उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार ने किया। दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन के दौरान फीता काटकर इसकी शुरूआत की। यह स्वास्थ्य केंद्र ओपीडी सेवाओं से लेकर आपातकालीन चिकित्सा तक की विभिन्न सुविधाएं प्रदान करेगा, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

पहले प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया था, लेकिन उद्घाटन के अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने बताया कि यह स्वास्थ्य केंद्र पहले प्रधानमंत्री जी द्वारा उद्घाटित किया गया था। लेकिन कुछ तकनीकी कमियां रह गई थीं। उन्होंने कहा कि आज उन कमियों को दूर करके इसे पूरी तरह से कार्यात्मक बना दिया गया है। मंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि उद्घाटन के दिन ही कई मरीजों का सफल इलाज किया गया है।

हालांकि, उन्होंने निर्माण में कुछ कमियों के प्रति भी ध्यान दिलाया। मंत्री ने कहा कि निर्माण में कुछ कमियां पाई गई हैं। संवेदक द्वारा कुछ काम ठीक से नहीं किया गया है। हमने उन्हें निर्देश दिया है कि शेष कमियों को जल्द से जल्द दूर किया जाए। स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाएं इस नए स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों के लिए अलग-अलग चैंबर बनाए गए

हैं। यह सभी आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से सुसज्जित है। इससे मरीजों को बेहतर और प्रभावी इलाज मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य केंद्र के उद्घाटन समारोह में नालंदा के सिविल सर्जन, अस्पताल प्रबंधक, चिकित्सक और कई जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। यह नया स्वास्थ्य केंद्र क्षेत्र के लोगों के लिए एक बड़ी राहत साबित होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने में मददगार होगा।

सरकारी निवेश का महत्व बताया जा रहा है कि यह परियोजना बिहार सरकार की स्वास्थ्य क्षेत्र में किए जा रहे निवेश का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। आने वाले समय में इस तरह के और भी स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण की योजना बनाई जा रही है, जिससे बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार होगा।

घर में फंदे से लटका मिला महिला का शव, पति और जेठानी पर हत्या का आरोप

मधेपुरा । गम्हरिया थाना क्षेत्र के तरावे गांव में एक महिला का शव फुस के घर में फंदे से लटका मिला। घर में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका के मायके वालों ने पति और जेठानी पर हत्या का आरोप लगाया है। मृतका की पहचान गम्हरिया थाना क्षेत्र के तरावे वार्ड छह राम टोला निवासी मुकेश राम की पत्नी लचिका देवी (21) के रूप में हुई। परिजनों ने बताया कि मुकेश राम और उनकी भाभी का काफी दिनों से अवैध संबंध था। लचिका देवी इसका विरोध करती थी। इसको लेकर गांव में कई बार पंचायत भी हुआ। लेकिन मुकेश राम अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहा था। इस कारण से लचिका देवी अपने मायके जीवछपुर चली गई थी। दो दिन पहले मुकेश राम ससुराल जाकर आगे से दोबारा गलती नहीं करने की बात कह कर लचिका देवी को विदा कर अपने घर लाया। घर लाकर उसने अपनी भाभी के साथ मिलकर पत्नी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया।

आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया बताया गया कि गम्हरिया थाना क्षेत्र के जीवछपुर गांव वार्ड तीन निवासी मदन राम की पुत्री लचिका की शादी तीन वर्ष पूर्व तरावे गांव वार्ड छह निवासी फुसन राम के बेटे मुकेश राम के साथ हुई थी। उसे एक बेटी भी है। घटना की सूचना पर गम्हरिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। एफएसएल टीम को इसकी सूचना दी गई। पुलिस कागजी प्रक्रिया पूरी शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि मृतका के पिता ने थाना में आवेदन दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

गया में एक लाख इनामी नक्सली गिरफ्तार, पुलिस और एसटीएफ की टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

गया। गया में पुलिस और एसटीएफ की विशेष टीम ने शनिवार को बड़ी कामयाबी हासिल कर एक लाख के इनामी नक्सली मुन्ना रवानी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी उर्फ मुकेश को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आशीष भारती ने इस गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मुन्ना रवानी दर्जनों नक्सली घटनाओं में वांछित था और काफी समय से फरार चल रहा था।

पुलिस ने बताया कि मुन्ना रवानी की गिरफ्तारी के लिए गया पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। गुप्त सूचना के आधार पर

पुलिस और एसटीएफ की टीम ने मऊ थानाक्षेत्र के घिरसिंडी गांव में उसके घर पर छापेमारी की, जहां वह अपने परिवार से मिलने आया था। पुलिस की उपस्थिति को भांपते ही मुन्ना भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस बल ने उसे खदेड़कर गिरफ्तार कर लिया।

इससे पहले भी 22 अप्रैल 2024 को धनगाई थानाक्षेत्र के सिमरौवा गांव में उसे पकड़ने की कोशिश की गई थी, लेकिन तब वह पुलिस पर फायरिंग कर जंगल और पहाड़ों की आड़ लेकर फरार हो गया था।जानकारी के मुताबिक, मुन्ना रवानी पर गया जिले के कई थानों, जैसे कोंच, शेरघाटी, टिकारी और नवादा जिले के रजौली थाना में नक्सली कांड दर्ज हैं। इन मामलों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था, जिस पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

उसकी गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने नक्सली दस्तावेज और कई खोखे भी बरामद किए हैं।

संक्षिप्त डायरी

बाबा सिद्दीकी की हत्या, पप्पू यादव बोले- महाराष्ट्र में महाजंगलराज

तेजस्वी ने पूछा- ऐसी घटनाओं को क्या नाम देंगे, कांग्रेस बोली- चुनाव से पहले ऐसी वारदात

पटना । नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार रात को गोली मारकर हत्या कर दी गई। उन पर बांद्रा में खेर नगर में अपने विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के ऑफिस के बाहर तीन बदमाशों ने फायरिंग की थी। सिद्दीकी को - कैटेगरी की सुरक्षा मिली हुई थी, लेकिन घटना के समय उनके साथ कोई कॉन्स्टेबल नहीं था। बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बिहार के नेताओं ने भी दुख जताया है। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव, पूर्व सीएम राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने शोक व्यक्त किया है।

तेजस्वी यादव ने महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था सवाल उठाते हुए कहा कि ठऊअ शासन में लगातार हो रही ऐसी आपराधिक घटनाओं को क्या नाम देंगे? काफी दुखद घटना है। जिस तरह से उनकी हत्या की गई है। हम लोगों को काफी दुख है। बाबा सिद्दीकी तो हमारे ही जिला गोपालगंज के रहने वाले थे। कुछ दिन पहले मुंबई में उनसे मुलाकात हुई थी। आश्चर्य की बात है, मुंबई इतना बड़ा शहर है। बांद्रा में ऐसी घटना हो सकती है, तो आप समझ सकते हैं कि कोई भी सुरक्षित नहीं है। हत्यारों का मन काफी बढ़ा हुआ है। राज्य सरकार को लॉ एंड ऑर्डर को देखना चाहिए बीजेपी गठबंधन रसूख वाले नेताओं की रक्षा नहीं कर पा रही- पप्पू यादव पूर्णिया से निर्दलीय सांसद ने कहा कि 'महाराष्ट्र में महा जंगलराज है। सिक्योरिटी सुरक्षा में सरकार समर्थक पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या इसका शर्मनाक प्रमाण है। बिहार के बेटे बाबा सिद्दीकी की हत्या अत्यंत दुखद है। इखढ गठबंधन सरकार अपने दल के इतने रसूख वाले नेताओं की रक्षा न कर पा रही है, तो आमलोगों का क्या होगा?

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, ह्यबाबा सिद्दीकी के निधन के बारे में सुनकर स्तब्ध और दुखी हूं। उनके परिवार दोस्तों एवं समर्थकों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। उससे पहले बाबा सिद्दीकी की हत्या होना कोई सामान्य घटना नहीं है। पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने कहा, ह्यबिहार से ताल्लुक रखने वाले एनसीपी के बड़े लीडरान में शामिल बाबा सिद्दीकी साहब के कत्ल की खबर बेहद गमजदा कर देने वाली है। वह एक जिंदादिल इंसान थे। पाक परवरदिगार से दरखास्त है कि उन्हें जन्नत-उल-फिरदौस में ऊंचा मुकाम दें और उनके चाहने वालों को सब्र अता करें।

बंगाली अखाड़ा में 'सिंदूर खेला' के साथ मां को विदाई

पान, मिठाई का भोग लगाकार माता दुर्गा को किया विदा; महिलाओं ने अखंड सौभाग्य का मांगा आशीर्वाद

पटना । कंकड़बाग एसबीडी स्कूल ग्राउंड में सिंदूर खेला के साथ मां दुर्गा को विदाई दी गई। खोइचा के बाद माता की मूर्ति को विसर्जन के लिए श्रद्धालु घाट किनारे लेकर ले गए। यहां लगातार 31 वर्ष से बंगाली अखाड़ा की ओर से दुर्गा पूजा का आयोजान किया जा रहा है। बंगाली पद्धति में सिंदूर खेला करके माता को विदाई दी जाती है। शादीशुदा महिलाएं एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशियां मनाती हैं। जिनकी शादी नहीं हुई होती हो उन्हें आशीर्वाद के तौर पर तिलक लगाया जाता है।

बेटी की विदाई के दौरान वरन होता है, जिसमें उन्हें सिंदूर लगाकर और खोइचा भरकर विदा किया जाता है। बंगाली समाज की महिलाएं लाल पाड़ की साड़ी, हाथों में पूजा की थाली और सिंदूर खेला कर अखंड सौभाग्य का वरदान माता से पान, मिठाई और विशेष आवाज निकालकर करती हैं पूजा श्रद्धालु सोमा डे, पूजा वर्मा, मितुल, सोनाली चटर्जी, अंजली , डोली, सुमी, शीला, मिताली ने बताया कि पाना का पत्ता और पान शुभ माना जाता है। इसलिए पान के पत्ते से पहले मां के गाल की सेंकाई की जाती है। फिर पान खिलाया जाता है। इसके बाद मिष्ठान का भोग लगाया जाता है। जिस तरह से नई नवेली दुल्हन की विदाई की जाती है, वो सारी रस्में निभाई जाती है। जो विशेष आवाज हमलोग निकालते हैं, इसे शुभ ध्वनि कहते हैं। शादी या अच्छे कार्यों में भी यह आवाज निकालने की परंपरा रही है। दही, चूड़ा, बुंदिया, पेड़ा को मिक्स करके के विदाई के लिए विशेष प्रसाद तैयार किया जाता है। जिसे विजयादशमी भोग या दोधी करमा कहते हैं। जो भी लोग विदाई में शामिल होने के लिए आते हैं। उन्हें प्रसाद के तौर पर दिया जाता है।

पटना में तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलटी

पटना । मरीन ड्राइव पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में कार सवार 2 लोग घायल हो गए। घायलों में एक बच्चा और महिला शामिल है। इलाज के लिए में भर्ती कराया गया है। ओवरटेक करने के दौरान हादसा हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार ओवर स्पीड थी। 120-130 किलोमीटर प्रति घंटे का अनुमान है। ओवर स्पीड के कारण चालक का संतुलन बिगड़ा और डिवाइडर के पास गाड़ी पलट गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। आनन-फानन में घायलों को गाड़ी से बाहर निकाला। घायलों को ढटउऌ में कराया एडमिट वहीं, गांधी मैदान ट्रैफिक थानेदार ब्रजेश कुमार चौहान ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई थी। घायलों को पीएमसीएच में एडमिट कराया गया है। फिलहाल स्थिति सामान्य है। क्षतिग्रस्त गाड़ी को सड़क किनारे से हटा दिया गया है।

महिलाओं ने निभाई 'सिंदूर खेला' की रस्म

मातारानी को भी लगाया सिंदूर, प्रेम और सौहार्द का दिया संदेश; पारंपरिक पहनावा रहा आकर्षण

लखनऊ । मां की आराधना करने के बाद विजयादशमी को बंगाली समाज की सुहागिन महिलाओं ने सिंदूर की परंपरा निभाई। रविवार को मां दुर्गा की प्रतिमा को विसर्जित करने से पहले बंगाली समाज ने सिंदूर खेला उत्सव मनाया। महिलाओं ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं। हालांकि विजयादशमी मुहूर्त के हिसाब से 12 अक्टूबर को था लेकिन शनिवार के चलते मां की मूर्ति का विसर्जन नहीं किया गया। इस कारण सिंदूर की परंपरा रविवार को निभाई गई। गोमती नगर स्थित रविंद्र पल्ली और कैसर के बंगाली क्लब में बंगाली समाज की विवाहित महिलाएं बड़ी संख्या में पहुंची थीं। महिलाओं ने जमकर सिंदूर खेला। दुर्गा माता से परिवार की सुख, समृद्धि और पति की लंबी उम्र की कामना की। सभी सुहागिन महिलाओं ने मां दुर्गा को पान के पत्ते से सिंदूर चढ़ाया। साथ ही मां दुर्गा को पान और मिठाई भी खिलाई। इसके बाद महिलाओं ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर जश्न मनाया। इस दौरान महिलाओं ने जमकर पारंपरिक डांस किया। माना जाता है कि जब मां दुर्गा मायके से विदा होती हैं, तो सिंदूर से उनकी मांग भरी जाती है। इसके साथ ही कई महिलाएं एक दूसरे के चेहरे पर सिंदूर लगाते हुए नजर आईं। यह उत्सव होली के पर्व जैसा लगा। इसके जरिए महिलाएं कामना करती हैं कि एक-दूसरे की शादीशुदा जिंदगी सुखद और सौभाग्यशाली रहे। इससे पहले दो दिनों से महिलाओं ने ग्रुप में धुनुची डांस किया। मां को विदाई देकर अगले वर्ष फिर से आने की कामना की। सिंदूर खेला में शामिल हुईं सोनाली कहती हैं कि हमारी शादी पिछले साल हुई है। इसलिए यह पहला सिंदूर खेला है। हम अपने सुहाग के लंबी उम्र की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि का यह अंतिम दिन है, इसलिए हमारे लिए थोड़ा इमोशनल पल है। हम अपने और सबके स्वास्थ्य की रक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं। हम मन से कामना करते हैं कि वह अगले वर्ष जल्दी आएं और हमें सेवा का अवसर दें। दुर्गा उत्सव के दौरान बंगाली समाज के द्वारा विशेष तरह का डांस किया जाता है, इसे धुनुची डांस का कहते हैं। इस डांस में विशेष तरह के मिट्टी के पात्र में सूखे नारियल के छिलकों को जलाकर माता की आरती की जाती है। आरती के वक्त इस धुनुची डांस में कई तरह के करतब भी दिखाए जाते हैं। दशमी के दिन माता की विदाई के समय धुनुची डांस के दौरान ढाक-ढोल बजाया जाता है। यह परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। ढाक ढोल की ताल पर भक्त नाचते और झूमते रहते हैं और मां को दोबारा आने का न्योता देते हैं। दशमी पर सिंदूर लगाने की परंपरा आज की नहीं है, बल्कि सदियों पुरानी है। माना जाता है कि मां दुर्गा साल में एक बार अपने मायके आती हैं और वो अपने मायके में रहती हैं। ये त्योहार दुर्गा पूजा के रूप में मनाया जाता है। बंगाली समाज की महिलाओं ने 450 साल से चली आ रही परंपरा के अनुसार मां दुर्गा, सरस्वती, कार्तिकेय, लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा के बाद उनका श्रृंगार किया। उनके विसर्जन से में पहले उन्होंने मिठाइयों का भोग लगाया।

दुर्गा जागरण में कलाकारों के भजनों पर झूमे श्रोता

संवाददाता

कुशीनगर। स्थानीय कस्बे में दुर्गा पूजा के अवसर पर जय माता दी जागरण समिति के तत्वाधान में शनिवार की रात आयोजित दुर्गा जागरण में कलाकारों के भजनों की प्रस्तुति पर पूरी रात श्रोता झूमते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सेंट जोसेफ स्कूल के निदेशक सीओ जोश और पूर्व ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पशुपतिनाथ जायसवाल ने माता के चित्र पर दीप दीप प्रज्वलन तथा आरती कर किया। इसके बाद कार्यक्रम का शुभारंभ गणेशपवन राज की वंदना घर में पधारो गणपति जी से हुआ। भजन गायिका पूजा दूबे की प्रस्तुति निमिया के डार मइया, लगन तुमसे लगा बैठी, चलो चलो रे माता के दरबार आदि पर दर्शक पूरी रात झूमते रहे। कार्यक्रम का संचालन कवि संतोष संगम ने किया।

कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने गणेश जी और हनुमान जी की झांकी सजाकर कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पहले आयोजक दीनदयाल श्रीवास्तव ने सभी गायकों व उनके टीम के सभी सदस्यों को चुनरी ओढ़ाकर कर सम्मानित किया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह, अनिल जायसवाल, रामबेलास सिंह, गोविन्द, दीनबंधु श्रीवास्तव, अशोक सिंह मौजूद रहे।

श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में धर्मशाला निर्माण के लिए हुआ भूमि पूजन

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के जौराबाजार स्थित श्री राम जानकी मंदिर परिसर मे अतिथियों के रुकने के लिए धर्मशाला निर्माण के लिए विजयदशमी के दिन शनिवार को भूमिपूजन का कार्य संपन्न हुआ।इस संबंध मे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि शंभू बरनवाल ने बताया कि श्रीराम जानकी मंदिर पर पूरे साल लोगों का आना जाना लगा रहता है। मौसम खराब हो जाने तथा लोगो को विशेषकर बर बधू के पूजन समारोह जो मंदिर परिसर में हमेशा होती रहता है। उन लोगों के परेशानियों को देखते हुए मंदिर समिति ने यह सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि 30 फिट लम्बा तथा 24 फिट चौड़ा एक हाल का निर्माण कराया जाए। इसके लिए मंदिर समिति में जो धन है उससे काम प्रारंभ कराया जाएगा। अगर धन की कमी होती है तो गांव के लोगों से सहयोग लिया जाएगा। भूमिपूजन मंदिर के मुख्य पुजारी बलराम दास नें आचार्य पंडित बीरेंद्र दूबे के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कराया।इस दौरान रामटहल दास, डा. जेपी सिंह यादव, पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्र, पूर्व ग्राम प्रधान मनीष तिवारी, कृपाशंकर चौबे, रामबिलास उपाध्याय, अशोक उपाध्याय, अंशुमान चतुर्वेदी, अवध किशोर मिश्र, संतोष श्रीवास्तव, हिमांशु शेखर श्रीवास्तव, हृदयानंद सिंह, सुदर्शन सिंह, त्रिलोकी बरनवाल, व्यास सिंह, अवधेश शर्मा,यशपाल सिंह, रामप्रवेश सिंह,बबलू गुप्ता, उपेन्द्र यादव, राहुल, मदन यादव, सुवास,सोनू प्रसाद, पिंटू, मनोज प्रसाद तथा राधेश्याम यादव,मिंटु सिंह कृष्णा साहनी सहित काफी संख्या लोग मौजूद रहे।

आगामी चुनाव को लेकर सपाइयों ने बनाई रणनीति

गाजीपुर । जंगीपुर सपा कार्यालय में सपाइयों ने आने वाले चुनाव को लेकर रणनीति बनाई। विधानसभा के प्रभारी जिला उपाध्यक्ष मुन्नीलाल राजभर ने कहा कि सबसे बड़ी जिम्मेदारी संगठन की है। चाहे वह बड़ा हो या छोटा। सबकी जिम्मेदारी एक है। आने वाले चुनाव को हम फतह करेंगे। विधायक डॉक्टर वीरेंद्र यादव ने कहा कि हमारा संगठन ही हमारी ताकत है। इसलिए आप सभी कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करते हुए आगे बढ़कर सभी बूथ, सेक्टर ब्लॉक और जोनल प्रभारी अपने-अपने जिम्मेदारी को समझ कर पार्टी को मजबूत करने का काम करें। विधायक ने कहा कि हम आपके साथ मजबूती से खड़े हैं। आप हमारे साथ मजबूती से खड़े रहें तो आने वाली 2027 में अगर हम सत्ता में आए तो हमारी आपकी सभी समस्याएं जो पेंडिंग पड़ी हुई हैं, उसे हम पूरा करने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम प्रयासरत हैं कि अपने विधानसभा में जो भी सड़कें और बिजली की समस्याएं हैं। वह जल्द से जल्द खत्म हो ताकि हमारे विधानसभा के किसान और नौजवान खुशहाल हो सके।

लखनऊ में 24 घंटे में डेंगू के 40 नए मामले

लखनऊ । डेंगू का अटैक जारी हैं। शनिवार को दशहरा के दिन 40 नए डेंगू के मरीज सामने आए हैं। इस सीजन में अब तक कुल 1 हजार 77 डेंगू पॉजिटिव मरीज सामने आ चुके हैं। महज 12 दिन के भीतर 600 डेंगू पॉजिटिव मरीज मिले हैं। बड़ी बात ये हैं कि शनिवार को आई रिपोर्ट में डेंगू के अलावा चिकुनगुनिया के 3 और मलेरिया का 1 नया मरीज सामने आया हैं। इसी के साथ अब तक डेंगू के कुल 1077, मलेरिया के 442, और चिकुनगुनिया के 70 केस सामने आ चुके हैं। शहर में सबसे ज्यादा डेंगू संक्रमित अलीगंज, आलमबाग और इंदिरा नगर में सामने आ रहे हैं। शनिवार को आई रिपोर्ट में सबसे ज्यादा मरीज अलीगंज इलाके में मिले हैं। यहां 7 पॉजिटिव केस रिपोर्ट हुए। वहीं, आलमबाग में 6 केस मिले। इंदिरानगर में 5 और सिल्वर जुबली और एनके रोड पर 4-4, टुडियागंज में 3, चिनहट, ऐशबाग और गोसाईगंज में 2-2 मरीज मिले। राजधानी के पॉश इलाकों में डेंगू का अटैक लगातार जारी हैं। अस्पतालों में बुखार रोगियों की डेंगू की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आने का सिलसिला जारी हैं। लोकबन्धु में एक दिन में 115 मरीजों के सैंपल की एलाइजा जांच की गई। इनमें से 20 की रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजीव दीक्षित ने बताया कि डेंगू के 10 और बुखार के 43 मरीज भर्ती हैं। 24 घंटे में 3 नए डेंगू मरीजों को भर्ती किया गया हैं। 7 मरीज पहले से भर्ती किए गए थे। इनमें से कुछ क्रिटिकल मरीज हैं, पर ज्यादातर मरीजों को भर्ती करने के बाद राहत मिली हैं। लखनऊ के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में डेंगू के 24 मरीजों का इलाज चल रहा हैं। इनमें से कुछ मरीजों को डोक्टरों ने प्लेटलेट भी चढ़ाई हैं।हालांकि अस्पताल प्रशासन की माने तो ज्यादातर मरीज भर्ती करने के बाद राहत महसूस कर रहे हैं। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राजेश श्रीवास्तव ने बताया कि गंभीर मरीजों को कक्षव भर्ती करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल बलरामपुर में बड़ी संख्या में बुखार और डेंगू के मरीज भर्ती हैं। अस्पताल के निदेशक डॉ. पवन अरुण ने बताया कि डेंगू के 22 मरीजों का इलाज चल रहा हैं। इसके अलावा करीब 42 बुखार के अन्य मरीज हैं। डेंगू के गंभीर मरीजों को आईसीयू में भर्ती करने की व्यवस्था हैं।

सीएम योगी ने सुनीं 300 लोगों की फरियाद

बोले: कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं, किसी के साथ अन्याय नहीं होगा

गोरखपुर । दुर्गा पूजा पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दरबार लगाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। जनता दर्शन में सीएम योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाएं। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली लाने को प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात की। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठाए गए। लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी नाइंसाफी नहीं होनी चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आईं थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब पढ़ने के लिए प्रेरित किया और चॉकलेट गिफ्ट करते हुए प्यार व आशीर्वाद दिया।

योगी बीमार मां से देहरादून में मिले

गोरखपुर/हरिद्वार। सीएम योगी रविवार को मां से मिलने देहरादून के हिमालयन अस्पताल पहुंचे। 30 मिनट तक साथ रहे। उनका हाल-चाल पूछा। डॉक्टरों से मां की तबीयत के बारे में जानकारी ली। सीएम की मां सावित्री देवी (85) आंखों में परेशानी के चलते 8 अक्टूबर से अस्पताल में भर्ती हैं।

बताया जा रहा है कि योगी की बहन अभी मां के साथ हैं। सीएम गोरखपुर से सीधे देहरादून पहुंचे थे। उनका विमान जॉली ग्रांट एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने उनका स्वागत किया।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने अवैध असलहे के साथ अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्कुरा पुलिस ने थाना क्षेत्र के बसवारी निवासी 35 वर्षीय अभियुक्त मूलचन्द्र पुत्र सुखदेव को एक अवैध असलहा 315 बोर सहित एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार कर मु०अ०सं० 224/2024 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर अदालत में पेश किया। गौरतलब है कि अभियुक्त की तलाशी के दौरान पुलिस को एक अवैध असलहा 315 बोर के साथ ही एक जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद करने में बड़ी कामयाबी मिली है। जबकि अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई शिवम पाण्डेय सहित कांस्टेबल वेदप्रकाश शामिल रहे।

हमीरपुर की मझगवां पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मझगवां पुलिस ने दर्ज मु०अ०सं०-155/24 धारा 191(2)/115(2)/352/351(3)/121 (1) बीएनएस के 35 वर्षीय मलेहटा निवासी अभियुक्त कन्हैया उर्फ प्रभाकर सिंह पुत्र रावेन्द्र सिंह परिहार को मझगवाँ नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई तौफीक अहमद सहित कांस्टेबल कमल सिंह मौजूद रहे।

वायरल वीडियो में जुआं खेलते दिख रहे जुआरियों के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की बिंवार पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थाना क्षेत्र में जुआं खेलने के विडियो के तहत जुआरियों के खिलाफ कार्यवाही करते हुये मुकदमा अपराध संख्या० 248/2024 धारा 13 जुआं एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जबकि जिन जुआरियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें हरगोविन्द पुत्र भूरा प्रजापति, 26 वर्षीय अनिल पुत्र गंगादीन, विकास पुत्र भीकू टेलर, 50 वर्षीय रामपाल पुत्र रामसजीवन निवासी ग्राम छानी खुर्द, 24 वर्षीय बबलू पुत्र अज्ञात, निवासी ग्राम छानी बुजुर्ग, 26 वर्षीय रोहित पुत्र वीरसिंह निवासी ग्राम बिंवार सहित खासतौर से कई जुंआरी शामिल हैं।

अयोध्या में महिला से रेप की कोशिश

शिकायत करने पर दी जान से मारने की धमकी, आरोपी की तालाश में जुटी पुलिस

अयोध्या । कुमारगंज थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दुष्कर्म की कोशिश हुई। वह मवेशियों के लिए चारा लेने खेत गई थी, तभी एक युवक ने उसे दबोच लिया। महिला ने अपना बचाव किया और शोर मचाया, जिस पर लोग दौड़े तो आरोपी युवक मौके से भाग गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की है। मिली जानकारी के मुताबिक कुमारगंज थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला अपने पशुओं के लिए चार खेत से लाने गई थी। तभी गांव का एक युवक अकेला देख पीछे से जाकर पकड़ कर दुष्कर्म करने की नीयत से खेत में गिरा दिया। महिला ने अपना बचाव करते हुए चिल्लाई तो आस-पास के लोग दौड़े तब तक आरोपी महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। पीड़िता महिला घर पहुंच कर अपने पति को सारी बात बताई। और पुलिस थाना पहुंचकर आरोपी युवक के विरुद्ध छेड़छाड़ की लिखित तहरीर पुलिस को दी। जिसके आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज करते हुए महिला को मेडिकल के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक थाना कुमारगंज अमरजीत सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित कर दी गई है। जल्द ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा। वहीं ग्रामीणों की माने तो जिस महिला ने युवक पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उसका महिला से बहुत पहले से संबंध है। आज मामला खुल गया तो अपने को सही बताने के लिए युवक पर मुकदमा दर्ज करा दिया है।इस बात को कोई ऐसा व्यक्ति गांव का नहीं होगा जा नहीं जानता हो।

झांसी में तालाब में मिली युवक की लाश: दो दिन से लापता था

झांसी । दो दिन से लापता युवक की लाश तालाब में मिलने से सनसनी फैल गई। परिजन यह सोचकर तलाश नहीं कर रहे थे कि वह काम पर गया है। आज शव ऊपर आकर पानी में उतराने लगा तो पता चला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पूरा मामला चिरगांव कस्बे के तालाबपुरा मोहल्ले का है। उसकी पत्नी और बच्चे अहमदाबाद में रहते हैं। मौत की सूचना पर वे झांसी के लिए रवाना हो गए। मृतक की पहचान चिरगांव के तालाबपुरा मोहल्ला निवासी अर्जुन कुशवाहा (45) पुत्र धनीराम के रूप में हुई है। वह पल्लेदारी का काम करता था। मृतक के चाचा कल्लू कुशवाहा ने बताया कि अर्जुन शराब पीने के आदि थे। कई बार वे काम पर जाने के बाद दो से 4 दिन नहीं लौटते थे। शुक्रवार को वह लापता हो गए, सोचा कि काम पर गए होंगे। लेकिन आज सुबह घर के पीछे बने तालाब में उनका शव पानी में उतरने लगा। सूचना पर गांव के लोग और परिजन आ गए। इसके बाद पुलिस को बुलाया गया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। चाचा ने आगे बताया कि अर्जुन शराब पीते थे। आशंका है कि नशे की वजह से वह तालाब में गिर गए। मौत के बाद घर में मातम का माहौल है। अर्जुन की दो बेटी और एक बेटा है। एक बेटी की शादी हो चुकी है। उनकी पत्नी राधा दो बच्चों के साथ अहमदाबाद में रहकर काम करती है। पति की मौत की खबर सुनकर वह गांव के लिए रवाना हो गई।

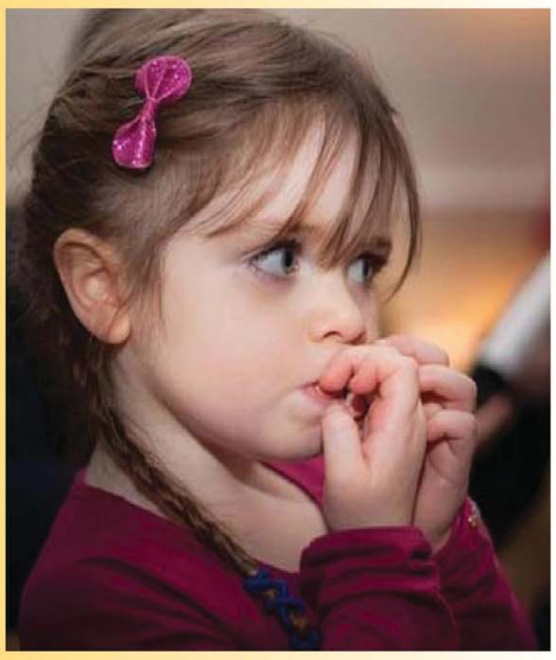

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देंने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं।

दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें। बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की यददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को उपहार में दी 28 कारें और 29 बाइक

चेन्नई ।

ढांचागत इस्पात डिजाइन और डिटेलिंग कंपनी टीम डिटेलिंग सॉल्यूशंस ने अपने कर्मचारियों को 28 कारें और 29 बाइक उपहार में दी हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि ये उपहार कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़ाने और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों को उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहना के प्रतीक के रूप में हुंदै, टाटा, मारुति सुजुकी और मर्सिडीज बेंज जैसी विभिन्न प्रकार की नई कारें भेंट की गईं। कंपनी के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि हम कंपनी की सफलता में उनके (कर्मचारियों) अथक प्रयासों के लिए अपनी प्रशंसा दिखाना चाहते थे। हमारा मानना है कि हमारे कर्मचारी हमारी सबसे बड़ी संपत्ति हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी ने कर्मचारियों के योगदान को उनके प्रदर्शन, सेवा के वर्षों के आधार पर मापा है। हमारे कर्मचारियों ने असाधारण प्रतिबद्धता और समर्पण का प्रदर्शन किया है, और हमें उनकी उपलब्धियों को मान्यता देने पर गर्व है। अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कंपनी में लगभग 180 कर्मचारी हैं जो साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं और अत्यधिक कुशल हैं।

उन्होंने कहा कि हम उन उम्मीदवारों का चयन करते हैं जो अत्यधिक प्रेरित होते हैं और उनके लिए कार या बाइक खरीदना एक सपने जैसा होता है। हम कर्मचारियों को बाइक उपहार में देते रहे हैं और 2022 में हमने अपने दो वरिष्ठ सहयोगियों को कार उपहार में दी। हमने आज 28 कारें उपहार में दी हैं। उनमें से कुछ मारुति सुजुकी, हुंडई, मर्सिडीज बेंज भी हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कंपनी एक निश्चित राशि के साथ कार या बाइक देगी।

उन्होंने कहा कि अगर कर्मचारी को कंपनी द्वारा चुनी गई कार से बेहतर वाहन की जरूरत है तो उसे शेष राशि का भुगतान करना होगा।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग में होगी छंटनी

फांसिस्को।

विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी बोइंग अपने कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी अपने वर्कफोर्स के करीब 10 प्रतिशत भाग यानि 17,000 लोगों को इस छंटनी का हिस्सा बनाएगी। इसका मुख्य कारण वित्तीय संकट बताया जा रहा है। बोइंग के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कर्मचारियों को ईमेल भेजकर इस फैसले की घोषणा की। यह छंटनी आने वाले महीनों में होगी और इसमें अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। कंपनी ने कहा` कि हमारा व्यवसाय मुश्किल स्थिति में है और हम सभी के सामने आने वाली चुनौतियों को बढ़ा-चढ़ा कर बताना मुश्किल है। मौजूदा माहौल से निपटने के अलावा हमें अपनी कंपनी को फिर से खड़ा करने के लिए कड़े फैसले लेने होंगे। इसके लिए कंपनी को संरचनात्मक बदलाव करने होंगे ताकि हम प्रतिस्पर्धी बने रह सकें और लंबे समय तक अपने ग्राहकों को सेवाएं दे सकें। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब कंपनी एक मुश्किल वर्ष का सामना कर रही है। सितंबर के मध्य से बोइंग फैक्ट्री के 30,000 से अधिक कर्मचारी हड़ताल पर हैं। कंपनी के सीईओ ने कहा कि उन्हें हमें अपनी वित्तीय स्थिति का वर्कफोर्स से तालमेल बिठाने के लिए ऐसा करना पड़ेगा ताकि हम अपनी अन्य प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित कर सकें। सीईओ ने कहा` कि आने वाले महीनों में हम अपने वर्कफोर्स को लगभग 10 प्रतिशत तक कम करने की योजना बना रहे हैं। इस छंटनी में अधिकारी, प्रबंधक और कर्मचारी शामिल होंगे। अगले सप्ताह आपकी नेतृत्व टीम इस बारे में अधिक जानकारी साझा करेगी। इस फैसले के आधार पर हम आने वाली छुट्टियां भी आगे प्रॉसेस नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा ऑर्डर पूरा करने के बाद, बोइंग वाणिज्यिक 767 मालवाहक विमानों का प्रोडक्शन भी 2027 तक बंद कर देगी।

मांग बढ़ने से अधिकांश तेल-तिलहन में सुधार देखा गया

नई दिल्ली । आयातित खाने के तेलों की कम आपूर्ति के बीच बढ़ती त्योहारी मांग की वजह से देश के थोक तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम में मजबूती रही तथा मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के भाव सुधार दर्शाते बंद हुए। दूसरी ओर, सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। बाजार के जानकार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन और बिनौला की आवक निरंतर घट रही है। किसानों से जो ऊपज तेल संयंत्रों को मिलना था, उस सौदे को स्टॉकिस्ट जमा कर रहे हैं। किसान अपनी ऊपज सरकार को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर बेचने को लेकर कहीं अधिक आश्वस्त नजर आ रहे हैं क्योंकि मंडियों में उनकी ऊपज के दाम लगभग 10 प्रतिशत कम लगाये जा रहे हैं। सरकार को सोयाबीन बेचने के लिए किसान अपना पंजीकरण कराने में लगे हैं और खुले मंडियों में कम ऊपज ला रहे हैं। इस कम आपूर्ति की वजह से सोयाबीन तिलहन कीमत में सुधार है।उन्होंने कहा कि दूसरी ओर मंडियों में कम आपूर्ति के बीच आयात की भी कमी रहने के कारण सोयाबीन तेल के भाव पूर्वस्तर पर बने हुए हैं। सोयाबीन तेल अभी भी प्रीमियम के साथ बिक रहा है।सूत्रों ने कहा कि शुक्रवार को मलेशिया एक्सचेंज मजबूत बंद हुआ था जिस वजह से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार है। उन्होंने कहा कि आवक घटने के कारण बिनौला तेल कीमत में सुधार है। कपास नरमा का भाव मजबूत बना हुआ है। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहेः- सरसों तिलहन 6,650-6,700 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,375-6,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,100 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,285-2,585 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 13,975 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 2,180-2,280 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी 2,180-2,295 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 12,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 9,700 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 12,150 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 12,850 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 13,775 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स- कांडला 12,575 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,725-4,770 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज- 4,425-4,660 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का)- 4,225 रुपये प्रति क्विंटल।

हुंडई मोटर्स 2032 तक 32,000 करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली । हुंडई मोटर्स इंडिया का आईपीओ भारतीय जीवन बीमा निगम के 21,000 करोड़ रुपये के इश्यू साइज का रिकॉर्ड तोड़ने जा रहा है। हुंडई आईपीओ के अपर प्राइस बैंड के हिसाब से इसका इश्यू साइज 27,870.16 करोड़ रुपये का है। हुंडई के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये (22 से 23 डॉलर) प्रति शेयर है। गौरतलब है कि हुंडई मोटर्स इंें डिया ने 15 जून को मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्टस डीआरएचपी फाइल किया था। 25 सितंबर 2024 को सेबी ने हुंडई को आईपीओ लाने के लिए मंजूरी दे दी थी। हुंडई ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि हमने अपने चेन्नई मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए तमिलनाडु सरकार के साथ चार समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए और अपने तलेगांव मैन्युफैक्चरिंग प्लांट के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ ऑफर लेटर दिए है, जिनमें कुल मिलाकर लगभग 32,000 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धताएं शामिल थीं। कंपनी की तरफ से बताए गए ये 32,000 करोड़ रुपये के खर्च साल 2023 से लेकर 2032 तक के लिए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा था` कि हम अपने आंतरिक स्रोतों से 32,000 करोड़ रुपये की निवेश योजना के लिए पैसा देने की योजना बना रहे हैं। 1 अप्रैल तक हमारे पास 9,000 करोड़ रुपये की नकदी है। कंपनी ने डीआरएचपी में बताया कि हमारे पहले के पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) थे और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे भविष्य के पूंजीगत खर्च मुख्य रूप से नए पैसेंजर व्हीकल मॉडल लॉन्च के संबंध में प्लांट, प्रॉपर्टी और इक्विपमेंट्स और एसेट्स के अधिग्रहण के लिए होंगे।

भारत से इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात का अवसरों को टटोलेंगेः हुंदै मोटर

नई दिल्ली ।

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आगामी इलेक्ट्रिक वाहनों को देश से अन्य बाजारों में निर्यात करने के अवसरों को टटोलेगी। कंपनी उभरते बाजारों के लिए उत्पादन केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बढ़ाने के लिए यह कदम उठा रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह कहा। कंपनी भविष्य में चार इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। इसमें वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही तक उसकी लोकप्रिय स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) क्रेटा का इलेक्ट्रिक संस्करण भी शामिल है। उन्होंने ककि कि हम उभरते बाजारों के लिए एक बहुत मजबूत उत्पादन केंद्र हैं। हम 80 से अधिक देशों को निर्यात कर रहे हैं। जहां तक ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) का सवाल है, यह निश्चित रूप से मांग पर निर्भर करेगा। कंपनी जो भी उत्पाद भारत में पेश करती है, हम उसे उसे अन्य बाजारों में निर्यात करने को लेकर गौर करने के लिए हमेशा तैयार होते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या कंपनी भविष्य में यहां पेश होने वाली अपनी इलेक्ट्रिक वाहन का निर्यात करेगी, उन्होंने कहा कि ईवी के निर्यात के संदर्भ में यह बुनियादी ढांचे पर निर्भर करेगा। यह मांग पर निर्भर करेगा लेकिन यह सही है कि आने वाले समय में हम इस मामले में उपलब्ध अवसरों पर गौर करेंगे।' उन्होंने कहा` कि ये उत्पाद मुख्य रूप से भारतीय बाजार के लिए हैं। हमारी रणनीति हमेशा यह रही है कि उत्पादों को भारतीय बाजारों के केंद्र में रखा जाए ताकि पैमाने की मितव्ययिता हासिल की जा सके। अे धिकारी ने कहा` कि जैसा कि कंपनी ने पूर्व में किया है, वह अन्य उभरते बाजारों में अवसर तलाशेगी जहां भारत के ग्राहकों जैसी पसंद है। उन्होंने कहा कि आम तौर पर हम भारत में जो भी उत्पाद तैयार करते हैं, वे अफ्रीका, पश्चिम एशिया, लातिन अमेरिका, मध्य अमेरिका, एशिया जैसे उभरते बाजारों के लिए बहुत उपयुक्त होते हैं।

चीन के शेयर बाजार को 24 लाख करोड़ का पैकेज देगी सरकार

- भारतीय शेयर बाजार में मचेगा हड़कंप

मुंबई ।

शुक्रवार को कारोबार के अंतिम दिन गिरावट के साथ शेयर बाजार बंद हुए। सेंसेक्स में 230 अंक और निफ्टी में 34 अंक गिरावट देखने को मिली। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी निवेशक जिस तरह से अपना पैसा निकाल कर चीन में निवेश कर रहे हैं। उसके कारण भारतीय शेयर बाजार की हालत दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है। देसी निवेशकों द्वारा शेयर बाजार में जो निवेश किया जा रहा है। वह भी मुनाफा वसूली की भेंट चढ़ रहा है। चीन की सरकार ने अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रियल इस्टेट सेक्टर और शेयर बाजार में, भारतीय मुद्रा में 24 लाख करोड रुपए का पैकेज देने का ऐलान किया है। इस संभावना के कारण भारत के शेयर बाजार में हड़कंप की स्थिति देखने को मिल रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है, चीन की सरकार द्वारा शेयर मार्केट को आर्थिक पैकेज दिए जाने के बाद, भारत में निवेशकों की निकासी बढ़ेगी। जिसके कारण शेयर बाजार को संभालना बड़ा मुश्किल होगा।

ओएनजीसी छोटे एलएनजी संयंत्र स्थापित करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) पाइपलाइन से नहीं जुड़े कुओं से प्राकृतिक गैस निकालने के लिए छोटे आकार के एलएनजी संयंत्र स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने गैस कुओं के पास ऐसे संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश, झारखंड और गुजरात में पांच स्थानों की पहचान की है। ये संयंत्र जमीन के नीचे से निकाली गई गैस को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) में बदलेंगे। इस एलएनजी को क्रायोजेनिक ट्रकों के जरिये समीप के पाइपलाइन में ले जाया जाएगा जहां इसे गैस की अवस्था में फिर से परिवर्तित किया जाएगा। उसके बाद इसकी आपूर्ति बिजली संयंत्रों, उर्वरक इकाइयों या शहर में गैस वितरण करने वाली खुदरा विक्रेताओं को की जाएगी। ओएनजीसी ने विनिर्माताओं/सेवा प्रदाताओं से ऐसे प्राकृतिक गैस का उपयोग करने के लिए एक निविदा जारी की है। निविदा में छोटे-एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में दो और गुजरात के अंकलेश्वर को चिन्हित किया गया है। इसके अलावा झारखंड के बोकारो और गुजरात के कैम्बे में एक-एक स्थान की पहचान की गई है। ओएनजीसी ने निविदा दस्तावेज में कहा कि देश में पाइपलाइनों का एक व्यापक नेटवर्क है। पाइपलाइन के ये नेटवर्क आपूर्ति और मांग केंद्रों को जोड़ता है। इसके बावजूद बड़ी मात्रा में ऐसे गैस हैं, जो पाइपलाइन से जुड़े नहीं है। इनका उपयोग घरेलू आपूर्ति बढ़ाने और जरूरतों को पूरा करने के लिए किया जाना आवश्यक है। इसमें कहा गया है कि इस प्रकार की फंसी हुई गैस की मात्रा 5,000 से 50,000 मानक घन मीटर प्रतिदिन तक हैं। इनका उत्पादन पांच साल तक किया जा सकता है। निविदा में विनिर्माताओं और सेवा प्रदाताओं से एलएनजी का उत्पादन करने के लिए बीओओ (बनाओ, स्वामित्व और परिचालन) के आधार पर एक छोटे पैमाने पर एलएनजी संयंत्र स्थापित करने, उत्पादित एलएनजी को करीब 250 किलोमीटर तक कास्केड (उच्च दबाव वाले गैस सिलेंडर भंडारण प्रणाली)/ टैंकरों के जरिये खपत स्थलों तक पहुंचाने के लिए बोलियां आमंत्रित की गईं हैं। इसके अलावा इसमें एलएनजी को फिर से गैस में बदलने और फिर उसे मौजूदा गैस वितरण ग्रिड में डालने अथवा सीधे थोक उपभोक्ताओं को आपूर्ति करने की बात भी शामिल है। देश में प्रतिदिन नौ करोड़ मानक घन मीटर से अधिक प्राकृतिक गैस का उत्पादन होता है। इसका उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक बनाने और वाहन चलाने के लिए सीएनजी में परिवर्तित करने तथा खाना पकाने लिए पाइप के जरिये घरों में पहुंचने वाली रसोई गैस के रूप में किया जाता है। लेकिन घरेलू उत्पादन मांग का लगभग आधा हिस्सा पूरा करता है। ओएनजीसी भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस उत्पादक है। कंपनी आयात पर भारत की निर्भरता को कम करने तथा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अरबों डॉलर का निवेश कर रही है। इस निविदा के जारी होने से पहले, कंपनी ने मध्य प्रदेश में विंध्य बेसिन में अपने हट्टा गैस क्षेत्र के पास एक छोटे आकार का एलएनजी संयंत्र स्थापित करने के लिए देश के सबसे बड़े खुदरा ईंधन विक्रेता इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) के साथ साझेदारी की थी।

कोल इंडिया का सरकारी खजाने में योगदान में मामूली गिरावट

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया का चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सरकारी खजाने में योगदान सालाना आधार पर 0.6 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 28,930.27 करोड़ रुपये रहा। कोयला मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार कोल इंडिया ने वित्त वर्ष 2023-24 की अप्रैल-सितंबर अवधि में सरकारी खजाने में 29,122.13 करोड़ रुपये का योगदान दिया था। आंकड़ों के अनुसार सितंबर महीने में सरकार को भुगतान किये गये कुल शुल्क भी आलोच्य अवधि में 11.1 प्रतिशत घटकर 4,335.24 करोड़ रुपये रहा। एक साल पहले 2023-24 के इसी महीने में यह 4,878.84 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-सितंबर में सरकारी खजाने को भुगतान किये गये कुल 28,930.27 करोड़ रुपये में से, सबसे ज्यादा 6,452.30 करोड़ रुपये झारखंड सरकार को मिले। इसके बाद ओडिशा का स्थान रहा जिसे 6,383.14 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, छत्तीसगढ़ को 5,432.02 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 5,177.41 करोड़ रुपये तथा महाराष्ट्र को 2,782.25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए।कोयला उत्पादक राज्यों ने रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) और नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट (एनएमईटी) सहित अन्य से राजस्व अर्जित किये।

कंपनियों के तिमाही परिणामों का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह मध्य-पश्चिम संघर्ष को लेकर वैश्विक बाजार के कमजोर रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई बिकवाली से गिरावट में रहे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया और एक्सिस बैंक समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के जारी होने वाले परिणाम का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 307.09 अंक की गिरावट लेकर सप्ताहांत पर 81381.36 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50.35 अंक उतरकर 24964.25 अंक पर रहा। वहीं समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली हुई।

इससे मिडकैप 530.12 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 48436.86 अंक और स्मॉलकैप 654.78 अंक उछलकर 56600.09 अंक पर पहुंच गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह विश्व बाजार का रुझान कमजोर रहा।

भारतीय बाजार वर्तमान में प्रीमियम मूल्यांकन और दूसरी तिमाही के सुस्त नतीजों के कारण सुदृढीकरण के चरण में है। इसके विपरीत विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) चीन के प्रोत्साहन उपायों और कम मूल्यांकन से चीनी बाजारों में आर्बिट्रेज अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा तथा उसके निर्णयों से निकट भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना का संकेत नहीं मिलता है।

इस बीच हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीद से अधिक बेहतर प्रदर्शन से घरेलू बाजार में आशा की लहर दौड़ गई। इससे सेंसेक्स ने कुछ लचीलापन दिखाया और वापस उछलने का प्रयास किया तथा निफ्टी 50 सूचकांक को 24,800 अंक के स्तर पर समर्थन मिला। हालांकि यह समर्थन अस्थायी बना हुआ है, जिससे इसके मध्यवर्ती स्तर पर होने का जोखिम बना हुआ है। बीते सप्ताह बाजार अपनी तेजी को बरकरार नहीं रख सका और निफ्टी50 25,000 अंक से नीचे बंद हुआ। अमेरिकी मुद्रास्फीति में अप्रत्याशित वृद्धि और जारी भू-राजनीतिक चुनौतियों के कारण अमेरिका में 10 वर्षीय ट्रेजरी यील्ड में हाल में हुई वृद्धि ने एफआईआई को अधिक सस्ते बाजारों की ओर रुख करने के लिए प्रेरित किया है। इस प्रवृत्ति से अल्प अवधि में इक्विटी परिसंपत्ति का प्रदर्शन प्रभावित होने की उम्मीद है। इस सप्ताह निवेशकों की वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के परिणामों पर पैनी नजर रहेगी। दूसरी तिमाही के परिणाम के तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कमजोर प्रदर्शन रहने का अनुमान है। गिरावट का जोखिम बढ़ रहा है, जिससे अल्प से मध्यम अवधि में भारत का प्रीमियम मूल्यांकन कम हो सकता है। इस सप्ताह रिलायंस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, महाराष्ट्र बैंक, सीआईएल, बजाज ऑटो और क्रिसिल समेत कई दिग्गज कंपनियों की दूसरी तिमाही के परिणाम जारी होने वाले हैं। बीते सप्ताह शेयर बाजार में दो दिन तेजी जबकि दिन दिन गिरावट रही। इजराइल-ईरान तनाव और चीन के प्रोत्साहन पैकेज के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से सोमवार को सेंसेक्स 638.45 अंक का गोता लगाकर करीब डेढ़ माह के निचले स्तर 81,050.00 अंक पर आ गया। इसी तरह निफ्टी 218.85 अंक की गिरावट लेकर 24,795.75 अंक पर बंद हुआ।

भारत के औद्योगिक उत्पादन में गिरावट

विदेशी मुद्रा भंडार में कमी,भारत के लिए चिंता का विषय

नई दिल्ली । भारत के औद्योगिक उत्पादन में लगातार सस्ती देखने को मिल रही है। अगस्त माह में औद्योगिक उत्पादन की दर - 01 पर पहुंच गई। माइनिंग सेक्टर में 4.3 फ़ीसदी और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में 3.7 फ़ीसदी की गिरावट जनवरी 2024 की तुलना में देखने को मिली। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में भी भारी गिरावट देखने को मिली है। सांख्यिकी मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उसके अनुसार माइनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली है। कहा जा रहा है कि अधिक बारिश के कारण औद्योगिक उत्पादन में कमी आई है। इसका असर माईनिंग और इलेक्ट्रिसिटी सेक्टर पर पड़ा है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 के पहले 5 महीने में लगभग दो फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन में औसत गिरावट हुई है।

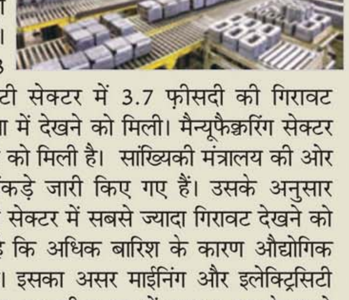

विदेशी मुद्रा भंडार

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 4 अक्टूबर को समाप्त हुए सप्ताह में 3.71 अरब डॉलर घटकर, 701.18 अरब डॉलर पर आ गया है। भारत के गोल्ड रिजर्व का मूल्य भी 4 करोड डालर घटकर 65.75 अरब डॉलर पर आ गया है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सभी ओर से निराशाजनक समाचार मिलने से शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है।

प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 1.22 लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस को हुआ

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) संयुक्त रूप से 1,22,107.11 करोड़ रुपये घट गया। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। शेयर बाजार में कमजोर रुख के अनुरूप प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 35,638.16 करोड़ रुपये कम होकर 15,01,723.41 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 21,351.71 करोड़ रुपये घटकर 18,55,366.53 करोड़ रुपये पर रहा। वहीं आईटीसी का मूल्यांकन 18,761.4 करोड़ रुपये घटकर 6,10,933.66 करोड़ रुपये जबकि हिंदुस्तान यूनिलीवर` लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 16,047.71 करोड़ रुपये घटकर 6,53,315.60 करोड़ रुपये रहा। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 13,946.62 करोड़ रुपये घटकर 6,00,179.03 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का एमकैप 11,363.35 करोड़ रुपये घटकर 8,61,696.24 करोड़ रुपये रहा। साथ ही एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,998.16 करोड़ रुपये घटकर 12,59,269.19 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 26,330.84 करोड़ रुपये बढ़कर 9,60,435.16 करोड़ रुपये पहुंच गया। वहीं

इन्फोसिस का एमकैप 6,913.33 करोड़ रुपये बढ़कर 8,03,440.41 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,034.36 करोड़ रुपये बढ़कर 7,13,968.95 करोड़ रुपये रहा। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी रही। इसके बाद क्रमश टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एलआईसी का स्थान रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के भाव रविवार को भी स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.47 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75.49 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड 0.32 प्रतिशत लुढ़ककर 78.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वहीं नई दिल्ली में पेट्रोली 94.72 प्रे ति लीटर, डीजल 87.62 प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 पे ति लीटर, डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपए प्रति लीटर, डीजल 92.34 रुपए प्रति लीटर एवं कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपए प्रति लीटर, डीजल 90.76 रुपए प्रति लीटर है।

रामलीला का बदलता स्वरूप समाज के लिए खतरा

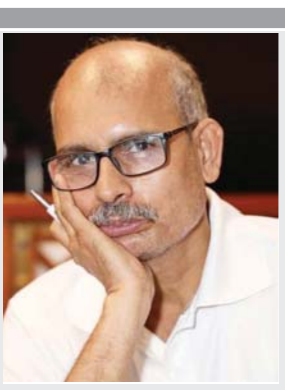

विनोद कुमार सिंह

एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

आप में सें यहाँ कोई राम है?
दिल्लीवासियों का सम्बन्ध राम लीलाओं से काफी ही पुराना है। जिसका जीता जागता उदाहरण दिल्ली का ऐतिहासिक। रामलीला मैदान है। जिसके जुड़ी हुई कुछ किस्से आज भी सुनने को मिलती रहती है। पिछले दिनों दिल्ली व एन सी आर राम भक्तों व रामलीलाओं मंचन व जयश्री राम व हर हर महादेव के नारे से पुरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था। दिल्ली व एन सी आर वाले शाम होते हीअपने परिवार के सदस्यो के संग रामलीला का आनंद लेने घर से निकल पड़ते थे। मुझे भी कुछ रामलीलाओं को अवलोकन का सुअवसर मिला। इस दौरान मुझे एक जिज्ञासु व दर्शक की पैनी नजर से रामायण के कई पात्रओ के बारे में बारीकी से जानने का अवसर मिला। रामलीलाओं स्थलों व मंचों के कई क्षण व दृश्य ऐसे आयें जिसने मुझे ना प्रभावित किया बल्कि कुछ सोचने को मजबूर कर दिया। इन में दो उल्लेखनीय पहलू है। रामलीला कर राम -रावण युद्ध का प्रसंग। आप को बता दें राम - रावण का युद्ध काफी ही शिक्षाप्रद व रोचक है। आज रामलीलाओं में मर चुका है रावण का शरीर,सुनसान है किले का परकोटा,चारो दिशाओं में उदासी पसरी है,किसी के घर में नही जल रहा दीया। विभीषण के घर छोड़ कर सागर के तट पर बैठ है विजय श्री राम। विभीषण को लंका का राज्य पाठ सौंपते हुए ताकि सुबह हो सके निंविघ्न राज्याभिषेक,स्वयं राम लक्ष्मण से पुछते अपने सहयोगियों के कुशल क्षेम,चरणो में हनुमान बैठे। लक्ष्मण मन से क्षुब्द है। भ्राताश्री राम सीता माता को अशोक बाटिका मे क्यों नही लेने जाते है।

विभीषण का राज्याभिषेक हो गया है। लंका में राम प्रवेश कर एक भव्य भवन पहुंच गये है। हनुमान को अशोक वाटिका में संदेश देने भेजते है कि रावण मारा गया है और अब विभीषण लंकापति है। हनुमान का यह संदेश सुनकर माँसीता खामोश है,निहारती है उस रास्ते को। उनके मन में प्रश्न उठते है कि रावण का वध करते ही वनवासी राम,राजा राम बन गये क्या। लंका पहुंच कर वे क्यूं नही जानना चाहते है,एक वर्ष कहाँ रही सीता,कैसे रही उनकी सीता। मॉ सीता के नयनों से अविरल बहते हए अश्रुधार। ना राम भक्त हनुमान नही समझ पाते, ना रामायण के रचयिता बाल्मिकी कह नही पाते है। माँ सीता आज सोचती है कि अगर राम आते मै उन्हें यहाँ के परिचायिकाओं से, जिन्होने रावण के आदेश पर मुझे भयभीत तो किया,लेकिन नारी के पूर्ण गरिमा प्रदान की,वे रावण की अनुचरी थी लेकिन मेरे लिए माताओं के समान थी। अगर स्वयं राम आते यहाँ मै उन्हें इसे मिलवाते,यहाँ के अशोक के वृक्षों से जिन्होंने मुझे अपने विश्वास पर अड़े की आपर शक्ति देती रही,यहाँ की पुष्प व लताओं से जिन्होनें उनकी सीता कीआँसुओं को ओंस के कणों की तरह सहेज कर रखा। लेकिन वे अब तो वे राजा राम है कैसे आते अपनी सीता को लेने के लिए। देखते देखते कई पहर बीत गए,लंकापति विभीषण के नेतृत्व में माता सीता जी का श्रंगार की गई। भव्य पालकी मे बैठी हुई माँ सीता आज मन मन सोच रही है कि राजा जनक जी ने उन्हें इसी तरह से घर से विदा किया था। तभी वातावरण में स्वर गुंजता है कि सीता को मेरे पास पैदलआने दो। भुमि सुता माँ सीता जमीन पर कॉपती हुई चलते मन में ज्वलंत प्रशन उठते है कि मैंने स्वयंवर में जिसका वरण किया था क्या ये वही है यह पुरुष,जिसके प्रेम में अयोध्या का महल छोड़ कर उनके संग वन वन भटकी थी। हॉ रावण नें गोद मे उठाया था। मुझसे क्या था प्रणय निवेदन वह स्वयं में राजा था,चाहता तो बल पूवर्क ले जाता राजमहल में,लैकिन उसने मेरे स्त्रीत्व का अपमान कभी नही किया। रावण के विषय में सही जानकारी से आज बहुत लोग अपरिचित है। रावण कौन था,क्या रामायण का एक पात्र मात्र था आपके मन में भी कुछ ऐसे सवाल होंगे तो मै बता दूँ कि रावण एक महाज्ञानी,महा पराक्रमी और महाबलशाली था। रावण चारों वेदों का जानकार था। वह धरती पर मौजूद सबसे बुद्धिमान व्यक्तियों में से एक था। हालांकि उसके अहंकार के कारण उसका अंत हुआ। रावण भगवान शिव का परम भक्त था और उसे यह वरदान था कि कोई भी देवी-देवता का उसका अंत नहीं सकता। यही कारण है कि रावण का वध करने के लिए भगवान विष्णु को मानव रूप में अवतार लेना पड़ा। भगवान विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम ने रावण की नाभि में तीर मारकर उसका अंत किया। रावण के अंत से पहले भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच कई दिनों तक युद्ध चला। धर्म और अधर्म के बीच हुआ यह युद्ध कितने दिनों तक चला,इस बार में बहुत कम लोगों को जानकारी है।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण की सेना के बीच 84 दिनों तक युद्ध लड़ा गया। युद्ध में सफलता के लिए स्वयं भगवान श्रीराम ने शक्ति की उपासना की थी। जिसके बाद लगातार 9दिनों तक युद्ध के बाद दसवें दिन रावण का अंत कर दिया। इसलिए हिन्दू धर्म में नौ दिनों तक शक्ति की उपासना की जाती है और दसवें दिन दशहरा मनाया जाता है। रामायण के अनुसार भगवान श्रीराम और रावण के बीच लगातार 8 दिनों सीधे युद्ध हुआ था। अश्विन शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को दोनों के बीच शुरू हुआ संग्राम दशमी को रावण वध के साथ समाप्त हुआ। रावण का अंत करने के बाद भगवान श्रीराम को वापस अयोध्या पहुंचने में करीब 20 दिन लगे थे। शास्त्रों के अनुसार रावण की सेना में करोड़ो लोग थे,बावजूद इसके भगवान श्रीराम और उनकी वानर सेना ने बहुत पराक्रम के साथ युद्ध किया और श्रीराम ने रावण का अंत कर दिया। सिर्फ रावण ही नहीं बल्कि उसकी सेना में ऐसे कई पराक्रमी योद्धा थे,जिन्हें किसी मनुष्य के लिए हराना असंभव था। इसलिए भगवान विष्णु के अवतार के साथ-साथ भगवान शिव और अन्य देवताओं ने भी अवतार लिए थें। श्रीराम-रावण के युद्ध में रावण के चार भाइयों कुम्भकर्ण,खर,दूषण और अहिरावण ने हिस्सा लिया था। इनमें से अहिरावण का अंत हनुमानजी ने किया था जबकि बाकी तीन भाइयों का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। युद्ध में रावण के सात शूरवीर पुत्र भी उतरे थे। इनमें से मेघनाद, प्रहस्त और अतिकाय का अंत लक्ष्मणजी ने किया जबकि नरान्तक, देवान्तक और अक्षय कुमार का अंत हनुमान के हाथों हुआ। रावण के एक पुत्र त्रिशिरा का अंत श्रीराम के हाथों हुआ। आगे की कथा आप सभी स्वयं जानते है-स्वयं सीता को अग्नि परीक्षा तक देने पड़ी राम,सीता व लक्ष्मण अयोध्या लौटे,नगर वासियों नें दिवाली मनाई थी। आप सभी भी दिवाली मनाने की तैयारी में जुट गए होगें। मै उदास हूँ,कुछ सोचने को मजबुर हो गया हूँ दशहरे की रात से। देश की राजधानी में रामलीला मंचन व मंच से लेकर रावण को जलाने के जशन में समाज की जानी हस्तियों ने ना सिर्फ शिरकत की बल्कि अपने को गौरवान्वित महसुस कर रहें। आज जिसने भी जलाई है क्या उसमें से किसी में मयार्दा पुरुषोत्तम राम के गुण थें क्या। चाहे वे केन्द्रीय मंत्री हो,मुख्य मंत्री हो या राजनीतिक दलों के राजनेता हो,समाजसेवी हो यहाँ तक कई संवैधानिक पदों पर आसीन माननीय-सम्मानीय हो या फिहस्तियाँ हो,कोई भी हो व्यक्ति हो या जिसने भी रावण दहन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया हो उनको लेकर मेरे मन में बार यह बार एक सबाल पूछ रहा है। यहाँ आपमें से कोई राम है क्या। मुझे तो यहाँ कोई भी राम नही मिला। वही दूसरी तरफ रामलीला आयोजक की व्यवस्था पर भी कई सवालिया निशान उठता है। रामलीला स्थलो की व्यवस्था,मंच के बाहर अव्यवस्थित पार्किंग,अस्थाई रूप से बनाई चारदीवारी पर पान मासला अन्य विज्ञापन सम्बन्धी विशालकाय पोस्टरों,रामलीला में आने जाने दर्शकों के मन जरूर दुष्प्रभाव सरकारी महकमे के आल अफसरों की उपस्थिति,दिल्ली पुलिस,आदि के साथ लाला जी का फोटो से व्यापार व रुतवा में स्वाभाविक रूप से प्रभाव पड़ता है। आयोजको का ध्यान रामलीला के सरकारी व सार्वजिक स्थान के लिए उपलब्ध कराई जाती है। जहाँ पर केन्द्र सरकार राज्य सरकार,कई स्वायत संस्थानों को रियायती दरों पर बिजली पानी,सुरक्षा व्यवस्था,मैदान उपलब्ध कराई जाती है। आयोजको द्वारा रामलीला मंचन के लिए चंदे से बड़ी रकम उगाई की जाती है। जिसका कोई हिसाब किताब कोई आडिट रिपोर्ट होती है या नही । भगवान ही जाने। एक रामलीला मंच में आयोजकों के द्वारा अपने लिए शीश महल की शान शौकत उपलब्ध थीं हद तो तक हो जब - भगवान श्री राम की प्रतिमा-खुले मैदान में स्थापित किया गया। इतना ही नही - हिन्दु देवी देवताओं की प्रतिमा को जमीन पर कुछ रखी गई थी लाला जी व उनके परिवार व मित्र परिजनों की आलीशान महलों में शीसें अन्दर - खान पान की व्यवस्था,फोटो सुट प्राईवेट प्रचार प्रसार के लिए कथाकथित झोला छाप आई -माईक लेकर मीडिया कर्मियों का खास इंतजाम था। फोटो सूट आदि व्यवस्था की गई थी। जो कि साधारण व्यक्ति अपने परिवार के सदस्यों के साथ रामलीला देखने को आते है। सबसे पहले उन्हें यहाँ प्रवेश के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ती है। जैसे तैसे वह पहुंचते है फिर आयोजकों के प्राईवेट सिक्युटी गार्ड जिसे आयोजको अपने मित्र व परिजनों की आव भगत - शान शौकत रखी गई है। वे आम जनता को प्रताड़ित करने से नही चुकते है। ऐसे में अपने स्वभाव के मुताबिक तीरक्षी नजर अगर आप को कोई राम दिखे तो हमे भी बतायेगा जरूर। एक बार और अब रामलीला की जगह लालाओं की लीला काफी हद तक हावी हो गई। रामलीला का बदलता स्वरूप समाज व संस्कृति नकुशान कर रही है। एक स्वस्थ्य समाज व हमारे सम्भयता व संस्कृति के लिए खतरे की घंटी है।

संपादकीय

हत्या से सनसनी

मुंबई के बांद्रा ईस्ट में अज्ञात व्यक्तियों ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की कार से आए तीन लोगों ने नजदीक से गोली मार कर हत्या कर दी। गोली लगने के बाद गंभीर रूप से घायल बांद्रा पश्चिम से तीन बार विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री रहे सिद्दीकी को पास के लीलावती अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सुपारी हत्या की शंका जताई है। हमलावरों में से दो को लोगों ने मौके पर ही दबोच लिया। सिद्दीकी 40 साल कांग्रेस में रह चुकने के बाद हाल में कांग्रेस छोड़कर राकांपा (अजीत) में शामिल हुए थे। उनका पुत्र विधायक है। जिस तरह से इस घटना को अंजाम दिया गया है, उससे राज्य में कानून-व्यवस्था की बिगड़ी हालत का पता चलता है। विपक्ष भी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार और खास तौर पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस पर हमलावर है, जिनके पास गृह विभाग भी है। चर्चा है कि हत्या को गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई के गुर्गों ने अंजाम दिया है। गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई ने अभिनेता सलमान खान को भी धमकी दे रखी हैङ्क और बाबा सिद्दीकी सलमान खान के काफी करीबी थे। पुसिल हर कोण से घटना के तार जोड़ने में जुट गई है, और महाराष्ट्र पुलिस के तेजतर्रार अफसरों को इस काम में लगाया गया है। भले ही इस घटना में कोईराजनीतिक एंगल दिखाई न पड़.रहा हो लेकिन इसके राजनीतिक असर से इनकार नहीं किया जा सकता। जल्द ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं, और इस प्रकार घर के बाहर हमलावर बेखौफ हत्या को अंजाम देने में सफल हो जाते हैं, तो निश्चित ही कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े.होंगे। लॉरेंस विश्नोई गैंग ने जिस तरह से एक के बाद एक हरकत से पुलिस को चुनौती दी है, उससे जरूरी हो गया है कि पुलिस सख्ती दिखाए। इसलिए पुलिस भी सख्ती दिखाना चाहती है। कुछ समय पहले सलमान खान के घर के बाहर भी रैकी करते हुए लॉरेंस विश्नोई गैंग के गुर्गे पकड़े.गए थे। अंड़रवर्ल्ड.के 87 से ज्यादा गैंगस्टर्स को मार गिराने और कई सरगनाओं का सफाया करने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक को बाबा सिद्दीकी हत्या मामला सौंपा गया है। दरअसल, जरूरी है कि गैंगस्टर्स को काननू-व्यवस्था पर, चुनाव से ऐन पहले तो कतई नहीं, हावी न होने दिया जाए। आमजन का कानून-व्यवस्था पर विश्वास बना रहना जरूरी है, और ऐसा गुंड़ा और अराजक तत्वों पर शिकंजा कसकर ही किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

केवल ज्ञान की बातें करों। किसी व्यक्ति के बारे में दूसरे व्यक्ति से सुनी बातें मत दोहराओ। जब कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगाये, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मो को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के सारे आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। द्वंद्व संसार का स्वभाव है और शांति आत्मा का स्वभाव है। द्वंद्व के बीच शान्ति की खोज करो। द्वंद्व समाप्त करने की चेष्टा द्वंद्व को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो। जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इनसे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्नत काल से ईश्वर सभी विरोधों को संभालते आए हैं। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहने वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मगर हृदय को शान्त रखकर। संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी शुरू हो जाती है।.....

मिसाइल मैन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम

संजय गोस्वामी

डॉ. कलाम साहब को मिसाइल मैन के नाम से भी जाना जाता था. वे भारत के भारतीय गणतंत्र के ग्यारहवें निर्वाचित राष्ट्रपति थे। डॉ अब्दुल कलाम को पीपल्स प्रेजिंडेट भी कहा जाता था उनका मानना था कि श्इंतजार करने वालों को सिर्फ उतना ही मिलता है, जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। ऐसे प्रेरणादायी शब्द से छात्रों को संबोधित करते रहते थे।

एक साधारण परिवार में 15 अक्टूबर 1931 को धनुषकोडी गाँव (रामेश्वरम, तमिलनाडु) में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम परिवार में इनका जन्म हुआ। अपनी मेहनत और बुद्धिमता से ना सिर्फ विज्ञान के क्षेत्र में प्रसिद्धि हासिल की और भारत के राष्ट्रपति पद तक का सफर तय किया बल्कि ये भी साबित किया कि अगर कोई इंसान ठान ले तो कुछ भी असंभव नहीं है। 1963 में कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान, इसरो से जुड़े और यहां भी भारत की ताकत को बढ़ाने में अपना योगदान दिया। सैटेलाइट लॉन्च वेहिकल यानीैस्ट के प्रॉजेक्ट मिशन से जुड़े। अब्दुल कलाम को मिसाइल मैन के नाम से जाना जाता है उन्होंने अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर भारत को वो शक्ति दी जिससे भारत अपनी धाक दुनिया के सामने जमा सका। 1982 में कलाम रक्षा अनुसंधान विकास संगठन, त्त्क्व् से जुड़े और उनके नेतृत्व में ही भारत ने नाग, पृथ्वी, आकाश, त्रिशूल और अग्नि जैसे मिसाइल विकसित किए। इन्होंने भारत रत्न, भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान सहित कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किये। उनके भाषणों में कम से कम एक कुरल का उल्लेख अवश्य रहता था। राजनीतिक स्तर पर कलाम की चाहत थी कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की भूमिका विस्तार हो और भारत ज्यादा से ज्याद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाये। भारत को महाशक्ति बनने की दिशा में कदम बढाते देखना उनकी दिली चाहत थी। उन्होंने कई प्रेरणास्पद पुस्तकों की भी रचना की थी और वे तकनीक को भारत के जनसाधारण तक पहुँचाने की हमेशा वकालत करते रहे थी। बच्चों और युवाओं के बीच डाक्टर कलाम अत्यधिक लोकप्रिय थे। वह भारतीय अन्तरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के कुलपति भी थोष्ट्रपति पद से सेवामुक्त होने के बाद डॉ कलाम शिक्षण, लेखन, मार्गदर्शन और शोध जैसे कार्यों में व्यस्त रहे और भारतीय प्रबंधन संस्थान, शिल्लोंग, भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद, भारतीय प्रबंधन संस्थान, इंदौर, जैसे संस्थानों से विजिटिंग प्रोफेसर के तौर पर जुड़े रहे। इसके अलावा वह भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर के फेलो, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी, थिरुवनन्थपुरम, के चांसलर, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के प्रोफेसर भी रहोउन्होंने आई. आई. आई. टी. हैदराबाद, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी में सूचना प्रौद्योगिकी भी पढाया थााकलाम हमेशा से देश के युवाओं और उनके भविष्य को बेहतर बनाने के बारे में बातें करते थे। इसी सम्बन्ध में उन्होंने देश के युवाओं के लिए ह्ल्व्हाट कैन आई गिवह्ल पहल की शुरूआत भी की जिसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सफाया है। देश के युवाओं में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें 2 बार (2003 - 2004) ह्यएम.टी.वी. यूथ आइकॉन ऑफ द इयर अवार्डह्ल के लिए मनोनित भी किया गया थावर्ष 2011 में प्रदर्शित हुई हिंदी फिल्म ह्यआई ?म कलामह्ल उनके जीवन से प्रभावित है। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई मशहूर और प्रेरणा देने वाली किताबें लिखी हैं। जो खासकर छात्रों को प्रेरित करती रहीइन्होंने 1974 में भारत द्वारा पहले मूल परमाणु परीक्षण के बाद से दूसरी बार 1998 में भारत के पोखरान-द्वितीय परमाणु परीक्षण में एक निर्णायक, संगठनात्मक, तकनीकी और राजनैतिक भूमिका निभाई! सपने वो नहीं होते जो रात को सोने समय नींद में आये, सपनें वो होते हैं जो रातों में सोने नहीं देते। ऐसे दमदार विचार रखने वाले भारत के पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम अब इस दुनिया में नहीं रहे। 27 जुलाई 2015 की शाम डॉ अब्दुल कलाम भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में श्रहने योग्य ग्रह पर एक व्याख्यान दे रहे थे जब उन्हें जोरदार कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा) हुआ और ये बेहोश हो कर गिर पड़े। लगभग 6:30 बजे गंभीर हालत में इन्हें बेथानी अस्पताल में आईसीयू में ले जाया गया और दो घंटे के बाद इनकी मृत्यु की पुष्टि कर दी गईाजिसके बाद करोड़ों लोगों के प्रिय और चहेते डॉ अब्दुल कलाम परलोक सिधार गए।

हरित ऊर्जा : सस्ती प्रौद्योगिकी वक्त की मांग

अजय प्रताप तिवारी

बढ़ती जनसंख्या, घटते संसाधन न सिर्फ मानव जीविका को प्रभावित करते हैं, बल्कि इनसे ऊर्जा संसाधन भी प्रभावित होते हैं। आज वैश्विक स्तर पर घटते ऊर्जा स्त्रोत के समाधान की तलाश में सभी देश अपने-अपने स्तर पर काम कर रहे हैं। ऊर्जा की बढ़ती मांग और जीवाश्म ईंधन के दहन से ग्रीनहाउस गैसों में लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे जलवायु परिवर्तन की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ग्रीनहाउस गैसों को कम करने तथा ऊर्जा की मांग को पूरा करने में हरित ऊर्जा कारगर साबित हो रही है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की रिपोर्ट (2024) के अनुसार अगले तीन वर्षों में दुनिया भर में बिजली की मांग बढ़ेगी। इसे पूरा करने तथा पर्यावरणीय प्रभाव कम करने के लिए हरित ऊर्जा की ओर दुनिया देख रही है। भारत सौर ऊर्जा, जलीय और पवन ऊर्जा पर काफी जोर दे रहा है। भारत में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राज्य और केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। सौर ऊर्जा को बढ़ावा और ऊर्जा संबंधी समस्याओं को कम करने के लिए पीएम सूर्य घर योजना को सरकार प्रोत्साहन दे रही है।

योजना के अंतर्गत एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट तक खे बिजली प्रदान की जाएगी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण और दूरदराज इलाकों में बिजली की समस्या खत्म करना तथा सुरक्षित पर्यावरण प्रदान करना है। योजना केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा आर्थिक सहायता प्रदान किया जा रहा है। इस योजना की खास बात यह है कि इसके तहत एक सोलर पैनल लगवाने के बाद कई वर्षों तक बिजली की मुफ्त आपूर्ति मिलती रहेगी। यह योजना आर्थिक और पर्यावरणीय दृष्टिकोण से लाभदायक है। देश के आर्थिक विकास और उन्नति में ऊर्जा का महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। देश में ऊर्जा के विभिन्न आयामों को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन भी होता है। आने वाले कुछ वर्षों में एनर्जी सेक्टर में स्किल्ड वर्करों की मांग बढ़ेगी। भारत में बिजली समस्याओं से छुटकारा पाने में पीएम सूर्य घर योजना कारगर साबित हो रहा है लेकिन इसके समक्ष चुनौतियां कम नहीं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सौर ऊर्जा से उत्पादित बिजली भंडारण के लिए पूरी तरह से बैटरियों पर निर्भर होना पड़ता है, जो महंगी होती है तथा बैटरियों का सीमित जीवनकाल होता है, जिस वजह से बार-बार बदलना बड़ी समस्या बन सकती है। सौर ऊर्जा परिवर्तनशील और अनियमित प्रकृति की है। इसका एकमात्र हल भंडारण ही है। वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा का भंडारण प्रति वर्ष 23 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है।

अमेरिका और चीन में सौर ऊर्जा भंडारण सबसे ज्यादा है जबकि भारत में भंडारण की क्षमता सौर ऊर्जा उत्पादन से बहुत कम है। भारत वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में तीसरे स्थान पर होने की संभावना है, लेकिन अक्षय ऊर्जा भंडारण में विश्व में शीर्ष पांचवां देश होगा। सोलर पैनल्स का औसत जीवनकाल 20-25 वर्ष होता है, लेकिन समय के साथ इनकी उत्पादन क्षमता घटने लगती है, इन्हें बदलने की आवश्यकता होती है, इसलिए भविष्य में अधिक निवेश की आवश्यकता होगी।

भारत में सोलर पैनल और अन्य उपकरणों की प्रारंभिक लागत अधिक होती है, जो आमजन के लिए आर्थिक बोझ हो सकता है, भले ही सरकार सब्सिडी दे रही हो लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक किल्लत बड़ी समस्या है। ग्रामीण क्षेत्रों में सब्सिडी मिलने में देरी और सब्सिडी की जटिल प्रक्रिया होने से सोलर पैनल्स में निवेश करने से लोग हिचकिचाते हैं। लोगों में सोलर पैनल्स की तकनीकी जानकारी की भी कमी है, जिससे वे इस योजना के लाभ समझ नहीं पाते। सोलर पैनल्स के प्रदर्शन पर जलवायु परिवर्तन का भी प्रभाव पड़ सकता है। मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तन होते हैं, तो इससे ऊर्जा उत्पादन प्रभावित हो सकता है। देश में सोलर पैनल्स की स्थापना के लिए प्रशिक्षित तकनीशियनों की भी कमी है। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से पर्यावरणीय प्रभाव कम होने के साथ ही ई-कचरा भी बढ़ेगा जिसकी रीसाइक्लिंग के लिए काफी निवेश करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट ने वैश्विक स्तर पर चेताया है कि जीवाश्म इृधन का

उपयोग कम नहीं किया गया तो ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन 2050 तक बढ़ कर दोगुना हो जाएगा। इसलिए आज वैश्विक स्तर पर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए तकनीकी सुधार और लागत कम करने के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए। सौर उपकरणों और पैनलों पर करों में छूट देना चाहिए ताकि इन्हें सस्ता और सुलभ बनाया जा सके। सौर ऊर्जा से संबंधित आवश्यक अवसंरचना के विकास पर ध्यान देना चाहिए। पीएम सूर्यघर योजना बिजली की उच्च लागत उत्पादन को कम करते हैं तथा बिजली की उत्पादकता को बढ़ाते हैं। जरूरत इस बात की है कि सौर ऊर्जा की भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए सरल और सस्ती प्रौद्योगिकी का विकास किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादक: श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटर: डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादक: डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादक: तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

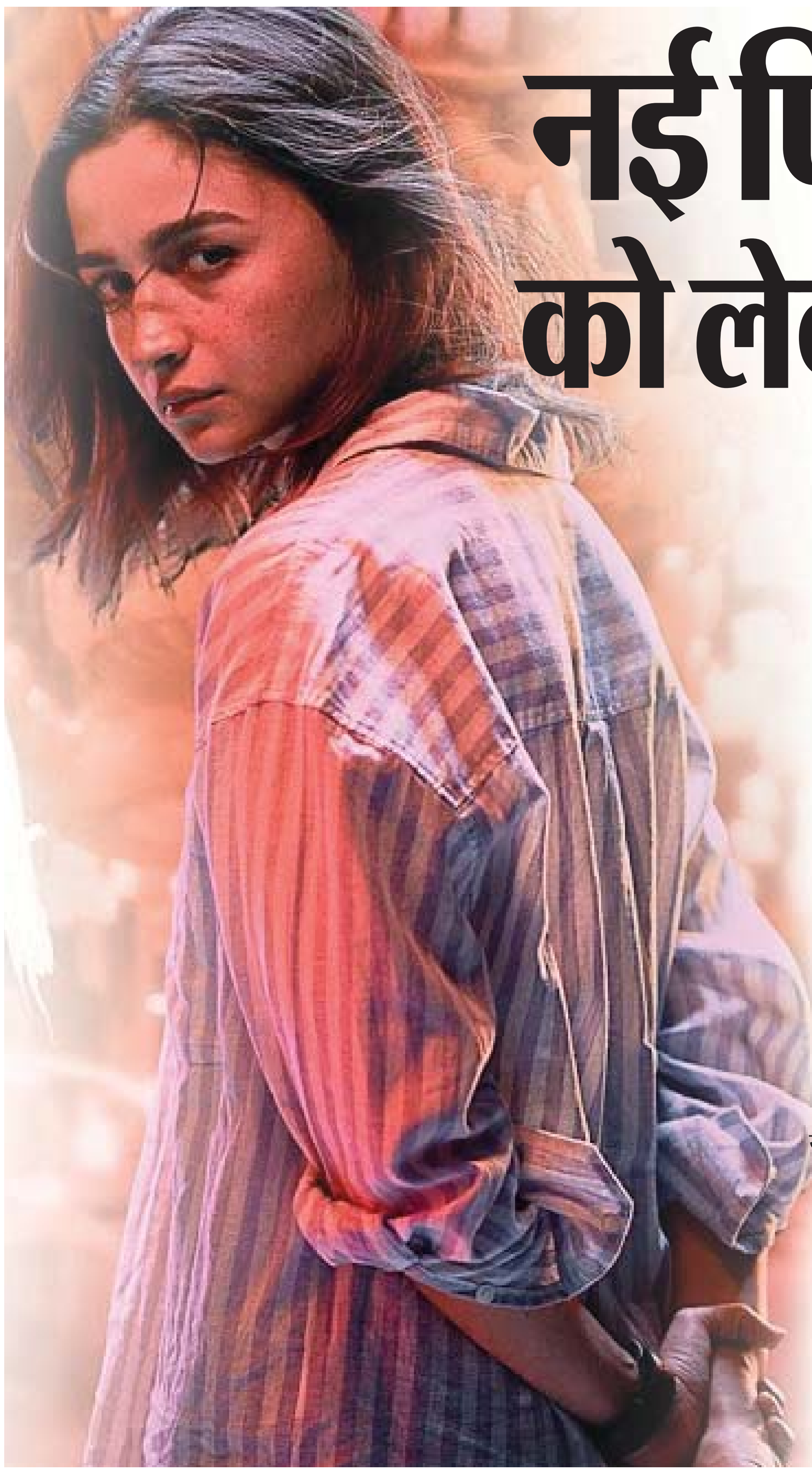

नई फिल्म जिगरा को लेकर सुर्खियों में आलिया

बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्म जिगरा को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में आलिया के साथ वेदांग रैना मुख्य भूमिका में हैं और दोनों के बीच एक गहरे पारिवारिक बंधन को पर्दे पर उकेरा गया है। इस फिल्म की कहानी आलिया के किरदार के संघर्ष पर केंद्रित है, जो अपने भाई (वेदांग रैना) को जेल से छुड़ाने की कोशिश कर रही हैं। जिगरा को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है, और आलिया के अभिनय की सोशल मीडिया पर काफी सराहना हो रही है। इस फिल्म का निर्देशन वसन बाला ने किया है, जबकि इसका सह-निर्माण आलिया भट्ट ने करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के साथ मिलकर किया है। फिल्म की रिलीज के बाद आलिया करीना कपूर के शो व्हाट वूमेन वांट में नजर आईं, जहां उन्होंने अपनी गायन प्रतिभा और आगामी परियोजनाओं के बारे में बात की। इस दौरान करीना ने आलिया की गायिकी को लेकर एक मजेदार सवाल पूछा, जिसने इस बातचीत को और भी दिलचस्प बना दिया। करीना ने आलिया से पूछा कि क्या वह गायन में अपना करियर बनाने की योजना बना रही हैं, क्योंकि उन्होंने पहले फिल्मों में कुछ गाने गाए हैं। करीना ने मजाकिया अंदाज में कहा, क्या आप अपना सिंगल रिलीज करने वाली हैं? इस पर आलिया ने हंसते हुए जवाब दिया, नहीं, मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं है। उन्होंने आगे बताया कि वेदांग रैना गा सकते हैं और वह एक एल्बम भी बना सकते हैं, जबकि आलिया खुद सिर्फ बाथरूम में गाना पसंद करती हैं। आलिया ने कहा, मुझे रिकॉर्डिंग स्टूडियो में कुछ मदद के साथ गाना अच्छा लगता है, लेकिन गायिका बनने की कोई योजना नहीं है। आलिया भट्ट का यह बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है, जहां उनके प्रशंसक उनकी गायन प्रतिभा और उनकी विनम्रता की सराहना कर रहे हैं। फिल्म जिगरा को बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और इसे आलिया के करियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म माना जा रहा है।

शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर चलने के लिए उत्साहित हूं: शरवरी

अभिनेत्री शरवरी वाघ मशहूर डिजाइनर पंकज और निधि के लिए रैंप वॉक करेंगी। इस अवसर को अपने लिए सपना सच होने जैसा बताया। उन्होंने कहा, मैं भारत के प्रसिद्ध डिजाइनर पंकज और निधि के लिए शोस्टॉपर के रूप में रैंप पर चलने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है। एक्ट्रेस ने पंकज और निधि की तारीफ करते हुए कहा कि यह डिज़ाइनर जोड़ी स्टाइल और एलिगेंस के मामले में बेहतरीन हैं और उनके शोस्टॉपर आउटफिट को पहनकर रैंप पर चलना गर्व की बात है। उन्होंने अपने प्रशंसकों से इस मौके पर शुभकामनाएं और उत्साहवर्धन की अपील की। शरवरी 2024 के लैक्मे फैशन वीक में नई दिल्ली में रैंप पर चलती नजर आएंगी। पंकज और निधि के डिज़ाइन्स को दीपिका पादुकोण, सोनम कपूर, शिल्पा शेट्टी, यामी गौतम और आलिया भट्ट जैसी हस्तियों ने भी पहना है, जो इस जोड़ी की लोकप्रियता को दर्शाता है। इसके साथ ही शरवरी ने दशहरे के मौके पर अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वह आलिया भट्ट अभिनीत फिल्म अल्फा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने विजयादशमी पर अपने प्रशंसकों को दशहरे की बधाई भी दीं।

गेम चेंजर की रिलीज़ डेट में किया बदलाव

फिल्म गेम चेंजर की रिलीज़ डेट में बदलाव किया गया है। पूर्व में यह फिल्म क्रिसमस 2024 के दौरान 20 दिसंबर को रिलीज़ होने वाली थी, लेकिन अब इसे आगे बढ़ाकर संक्रांति 2025 के आसपास रिलीज़ करने की योजना बनाई गई है। गेम चेंजर साउथ सुपरस्टार राम चरण की बहुप्रतीक्षित फिल्म है। इस राजनीतिक थ्रिलर फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, और दर्शक इन दोनों सितारों को बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस, ने दशहरे के दिन 12 अक्टूबर को एक वीडियो संदेश के जरिए नई रिलीज डेट की घोषणा की। वीडियो में कहा गया कि फिल्म की पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया दिसंबर 2024 तक पूरी हो जाएगी, और आने वाले महीनों में फिल्म के तीन और गाने रिलीज किए जाएंगे। गेम चेंजर की देरी के कारण राम चरण के पिता, मेगास्टार चिरंजीवी की आगामी फिल्म विश्वंभरा के निर्माताओं को भी अपनी रिलीज डेट पर पुनर्विचार करना होगा, क्योंकि उनकी फिल्म की तारीख अब अनिश्चित हो गई है। इस फिल्म की कहानी कार्तिक सुब्बाराज द्वारा लिखी गई है और इसमें राम चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। फिल्म में कियारा आडवाणी के साथ-साथ अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम, और नवीन चंद्रा भी अहम किरदारों में होंगे।

फ्लोरल ड्रेस में तृप्ति डिमरी का हॉट अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' को लेकर छाई हुई है। इस फिल्म के प्रमोशन इवेंट में तृप्ति का ग्लैमरस अवतार देखने को मिल रहा है। इसी के साथ तृप्ति सोशल मीडिया पर भी अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से फैंस के दिल की धड़कने बढ़ा रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने फ्लोरल आउटफिट में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों में तृप्ति डिमरी का हॉट अंदाज देखने को मिल रहा है। इस डीपनेक ड्रेस में एक्ट्रेस अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। तृप्ति ने ग्लोइंग मेकअप और बालों का बंध बनाकर अपना लुक कम्प्लीट किया है। इसके साथ ही उन्होंने सुर्ख रेड कलर की लिपस्टिक लगाई है और कानों में रेड कलर के ईयररिंग्स पहने हैं। तस्वीरों में तृप्ति डिमरी एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का हॉट अवतार काफी पसंद आ रहा है। वर्क फ्रंट की बात करें तो तृप्ति डिमरी जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म 'भूल भुलैया 3' और सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ 'धड़क 2' में नजर आने वाली हैं।

20 सालों से बॉलीवुड में काम कर रहे हैं रितेश देशमुख, कहा- खुश हूं

अभिनेता-निर्माता रितेश देशमुख पिछले दो दशकों से फिल्मों में काम कर रहे हैं और उनका कहना है कि फिल्म जगत में अब भी अपनी मौजूदगी के कारण वह खुश हैं। वर्ष 2003 में 'तुझे मेरी कसम' से अपने करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता ने हिंदी फिल्मों 'एक विलेन', 'ब्लफमास्टर!' और 'हाउसफुल' और 'मस्ती' के साथ फिल्म उद्योग में अपने लिए एक अलग जगह बनाई। रितेश ने 2013 में 'बालक पालक' के साथ निर्माता और 2022 में फिल्म 'वेद के साथ निर्देशक की भूमिका निभाई। दोनों मराठी फिल्में हैं। रितेश देशमुख महाराष्ट्र के दिवंगत मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के पुत्र हैं। उन्होंने कहा कि वह कोई उम्मीद लेकर फिल्म उद्योग में नहीं आए थे। देशमुख ने साक्षात्कार में कहा, ''मुझे जो भी प्रस्ताव दिया गया, मैं उससे खुश रहा। मैं उद्योग में करियर बनाने नहीं आया था। यह कुछ ऐसा था जैसे कि मुझे एक ऑफर मिला था, और देखाना था कि यह कैसा रहता है। मुझे उद्योग और दर्शकों से प्यार पाकर खुशी हुई। मुझे दो दशक हो गए हैं और मैं अब भी काम कर रहा हूं।'' अभिनेता ने कहा, ''मुझे खुशी है कि निर्माता और निर्देशक अब भी मेरे नाम पर विचार करते हैं। इस उद्योग ने मुझे फिल्में करने, निर्माता बनने और फिल्में (मराठी में) निर्देशित करने की ताकत दी है।'' उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वह जल्द ही एक हिंदी फिल्म का निर्देशन करेंगे। देशमुख अगली बार हाउसफुल 5 में नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि वह अपने करियर के 'शानदार दौर' में हैं।

सलमान खान के सारे प्रोजेक्ट से लेगें ब्रेक, कुछ दिन घर ने नहीं निकलेंगे बाहर?

बॉलीवुड में सलमान खान के करीबी माने जाने वाले बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से ही काफी माहौल गरमाया हुआ है। बाबा सिद्दीकी की सरेआम हत्या ने जहां बदमाशों के हौसलों को बुलंद किया है तो वहीं दूसरी तरफ कई लोगों के लिए यह एक खतरे की घंटी हैं। वाई सुरक्षा में रहने वाले बाबा सिद्दीकी की हत्या सुरक्षा पर काफी सवाल उठाती हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ इस वारदात के बाद सलमान खान की सुरक्षा को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है क्योंकि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। एजेंसियां बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गई है। सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नवी मुंबई पुलिस ने अतिरिक्त प्रयास किए हैं। अभिनेता को आखिरी बार उनके करीबी सहयोगी बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार में देखा गया था। एनसीपी नेता की 12 अक्टूबर 2024 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

सलमान खान की सुरक्षा बढ़ाई गई

जानकार बता दें कि सलमान खान का फार्महाउस नवी मुंबई के पनवेल में है और इस फार्महाउस तक पहुंचने के लिए एक ही सड़क है जो गांव से होकर गुजरती है। इसलिए पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों और अपनी खुफिया एजेंसियों को सतर्क कर दिया है कि अगर उन्हें कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे या कोई भी दिखाई दे तो वे पुलिस को सूचित करें। दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है और किसी भी तरह के इनपुट पर नजर रखी जा रही है ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में ताजा घटनाक्रम

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की नृशंस हत्या के सिलसिले में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ रही हैं। शुरुआती रिपोर्ट्स में सिद्दीकी की हत्या में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ होने की बात सामने आई थी, जिसके बाद दो मुख्य आरोपियों ने अपने संबंध की पुष्टि की थी। अब, मुंबई पुलिस की जांच के दौरान गिरोह की संलिप्तता के बारे में एक और महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। इसके अलावा, सिद्दीकी की हत्या की जांच जारी रहने के साथ ही पुलिस पानीपत निवासी रणदीप की भूमिका की भी जांच कर रही है, जो वर्तमान में भारत से बाहर रह रहा है। रणदीप भी लॉरेंस बिश्नोई का करीबी सहयोगी है और मामले में उसकी संलिप्तता भी जांच के दायरे में है।

अस्थि परीक्षण में आरोपी नाबालिग नहीं पाया गया

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के हत्या मामले की जांच कर रही मुंबई पुलिस ने आरोपी धर्मराज कश्यप की उम्र का पता लगाने के लिए उसका अस्थि परीक्षण किया जिसमें यह साबित हो गया है कि वह नाबालिग नहीं है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। बाबा सिद्दीकी की उपनगर बांद्रा में शनिवार को तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुंबई पुलिस ने इस मामले में हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह (23) और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप (19) को गिरफ्तार किया है जबकि गोलीबारी के वक्त घटनास्थल पर मौजूद उनका एक और साथी फरार है।

कोहली में है रनों की भूख, हर मैच के बाद आकलन सही नहीं: गौतम गंभीर

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर पिछले कुछ अर्से में विराट कोहली के खराब फॉर्म से चिंतित नहीं है और उन्होंने कहा है कि इस स्टार बल्लेबाज में रनों की उतनी ही भूख है जितनी पदार्पण के समय थी लिहाजा हर मैच के बाद आकलन करना सही नहीं है।

कोहली ने पिछली आठ पारियों में सिर्फ एक अर्धशतक (सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2023 में 76 रन) लगाया। न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले उनका फॉर्म में लौटना जरूरी है चूंकि इसके बाद भारतीय टीम को पांच टेस्ट के दौरे के लिये आस्ट्रेलिया जाना है।

गंभीर ने यहां पत्रकारों से कहा, 'विराट को लेकर मेरी सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व स्तरीय क्रिकेटर है। उसने इतने साल से इतना अच्छा प्रदर्शन किया है। रनों को लेकर उसकी भूख वैसी ही है जैसी पदार्पण के समय थी।' उन्होंने कहा, 'यही भूख उसे विश्व स्तरीय क्रिकेटर बनाती है। मुझे यकीन है कि वह इस श्रृंखला और आस्ट्रेलिया में भी रन बनाएगा।'

गंभीर ने कहा कि किसी खिलाड़ी का आकलन एक खराब मैच या श्रृंखला के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हर मैच के बाद आकलन सही नहीं है। अगर आप हर मैच के बाद ऐसा करने लगे तो यह उनके लिये सही नहीं होगा। यह खेल है और विफलता का सामना करना ही होता है। अगर हमें नतीजे अनुकूल मिल रहे हैं तो चिंता की कोई बात नहीं है।' उन्होंने कहा, 'रोज कोई अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकता। हमारा काम खिलाड़ियों का समर्थन करते रहना है। मेरा काम सर्वश्रेष्ठ 11 का चयन करना है, किसी को बाहर करना नहीं। हमें आठ टेस्ट लगातार खेलने हैं और सभी की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर है।'

रानी रामपाल अंतरराष्ट्रीय करियर को कहेंगी अलविदा, इस दिन करेंगी ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल जल्द ही अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। बता दें कि, रानी लंबे समय यानी की 3 साल से टीम इंडिया से बाहर हैं। वहीं कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह भारत-जर्मनी मैच के दौरान अपने फैसले का ऐलान कर सकती हैं।

रानी रामपाल ने 2008 में भारत के लिए डेब्यू किया था। जहां उन्होंने 254 मैचों में 120 गोल अपने नाम किए हैं। साथ ही 2018 में हुए एशियन गेम्स में सिल्वर और 2014 के एशियाड में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली टीम का भी अहम हिस्सा थीं। इसके अलावा रानी रामपाल की कप्तान में भारतीय महिला हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में चौथा हासिल किया था टीम पदक से चूक गई थी।

ओलंपिक के बाद उस दौरान के कोच श्योर्ड मरीन्ये अपने पद से हट गए थे और उनकी जगह यानेक शॉपमैन जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसा माना जाता है कि यानेक और रानी के बीच रिश्तों में कुछ नोकझोंक थी। उस दौरान रानी रामपाल चोट से भी जूझ रही थीं, शायद ये वजह थी कि साल 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 6 मुकाबलों में 18 गोल करने के बावजूद उनकी टीम इंडिया में वापसी नहीं हुई।

सिराज से पहले जोगिंदर सहित ये क्रिकेटर भी बने डीएसपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को तेलंगाना पुलिस में डीएसपी की नौकरी मिली है। सिराज भारतीय पुलिस में डीएसपी बनने वाले पहले क्रिकेटर नहीं हैं। उनसे पहले दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और 2007 टी20 विश्वकप की अंतिम गेंद पर विकेट लेने वाले जोगिंदर शर्मा और महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी ये पद मिला था।

सिराज को टी20 विश्व कप 2024 में उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए तेलंगाना सरकार ने डीएसपी बनाया है। सिराज को तेलंगाना कैबिनेट ने कुछ महीने पहले ही हैदराबाद में घर बनाने के लिए भी 600 वर्ग गज जमीन दी थी।

वहीं तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा ने 2007 टी20 विश्व कप के फाइनल में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को टी20 विश्वकप जिताया था। तब भारत ने महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में पहली बार इस ट्रॉफी जीती थी। जोगिंदर के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें हरियाणा पुलिस में डीएसपी की जगह मिली थी। उन्होंने साल 2007 में ही हरियाणा पुलिस में डीएसपी का पद संभाला था। जोगिंदर ने 2023 में पेशेवर क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वहीं हरभजन भी पंजाब पुलिस में रहें हैं। इस पूर्व स्पिनर को पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया था। उन्होंने अब पुलिस की नौकरी छोड़ दी है। भज्जी ने टीम इंडिया के लिए 103 टेस्ट, 236 एकदिवसीय और 28 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने टेस्ट में 417 विकेट जिबकि एकदिवसय में 269 विकेट लिए हैं। हरभजन 2011 वनडे विश्व कप विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं.

वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत सिंह को भी पंजाब सरकार ने डीएसपी बनाया है। हरमनप्रीत ने एकदिवसीय विश्व कप 2017 सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 171 रन की पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था।

महिला टी20 विश्व कप: अब पाकिस्तान से उम्मीदें, भारत को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में कर सकता है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से 9 रन से मिली हार के बाद भारत को अब पाकिस्तान से उम्मीदें हैं जो उसे महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचा सकता है। ऑस्ट्रेलिया ने चार मैचों में से चार जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करके अपना सेमीफाइनल स्थान सुनिश्चित किया। दो जीत और दो हार के बाद चार अंक हासिल करने वाले भारत को पाकिस्तान से न्यूजीलैंड को हराने की उम्मीदें करनी होंगी ताकि नेट रन-रेट के आधार पर भारत सेमीफाइनल में पहुंच सके। हालांकि, कीवी टीम की जीत उन्हें अंतिम-चार में पहुंचा देगी और भारत को बाहर कर देगी।

भारत की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने स्वीकार किया, 'यह कुछ ऐसा है जो हमारे नियंत्रण में नहीं है। अगर हमें एक और मैच खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन जो भी वहां होने का हकदार है, वह टीम वहां होगी।' छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली की अनुपस्थिति को मात देते हुए सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली पहली टीम बन गई। शुक्रवार को पाकिस्तान पर जीत के दौरान बल्लेबाजी करते समय पैर में चोट लगने के कारण हीली के बाहर होने के बाद ताहलिया मैकग्राथ ने ऑस्ट्रेलिया की अगुआई की।

हीली की जगह ग्रेस हैरिस ने 40 रन बनाए और मैकग्राथ ने 32 रन बनाए जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 151-8 का स्कोर बनाया। जवाब में भारत ने 142-9 का स्कोर बनाया जिसमें कौर ने नाबाद 54 रन बनाए और उन्होंने दीप्ति शर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की जिन्होंने 29 रन बनाए और मैच को अंतिम ओवर तक ले गए। भारत को आखिरी छह गेंदों पर 14 रन चाहिए थे, लेकिन ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड ने सिर्फ चार रन दिए जिससे उसने चार विकेट खो दिए। इस जीत ने टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया की जीत की लय को 15 तक पहुंचा दिया।

महिला टी20 विश्व कप के बाद न्यूजीलैंड से वनडे सीरीज खेलेगी भारतीय महिलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप 2024 दुबई में 20 अक्टूबर को समाप्त होगा। इसके तुरंत बाद ही भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलती नजर आएगी। उक्त मुकाबले अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार तीन मैचों की श्रृंखला आईसीसी महिला वनडे चैंपियनशिप 2022-25 का हिस्सा है। न्यूजीलैंड वर्तमान में टीम चैंपियनशिप स्टैंडिंग में छठे स्थान पर है, जिसने अब तक अपने 18 एकदिवसीय मैचों में से केवल 8 जीते हैं। भारत, जो 2025 महिला एकदिवसीय विश्व कप का मेजबान है, मेगा इवेंट के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुका है। भारत के अलावा चैंपियनशिप तालिका में शीर्ष पांच टीमें मुख्य कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगी, जबकि शेष 4 टीमों को विश्व कप के लिए अपना स्थान हासिल करने के लिए क्वालीफायर से गुजरना होगा। छोटी एकदिवसीय श्रृंखला के लिए दोनों टीमें अपना पूरा जोर लगा सकती हैं। सीरीज में बिजी रहने वाली क्रिकेटर इस दौरान ऑस्ट्रेलिया में महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल 2024) के शुरुआती मैच नहीं खेल पाएंगी। इस साल के डब्ल्यूबीबीएल में भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना, बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स, विकेटकीपर यास्तिका भाटिया, ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा, दयालन हेमलता और शिखा पांडे 8 टीमों की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। न्यूजीलैंड की कप्तान सह बल्लेबाजी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन, सलामी बल्लेबाज सुजी बेट्स और लेग स्पिन ऑलराउंडर अमेलिया केर भी टूर्नामेंट में खेलेंगी। डब्ल्यूबीबीएल 2024 के बाद भारतीय टीम 5-11 दिसंबर तक मौजूदा वनडे विश्व कप धारक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। भारत और न्यूजीलैंड हाल ही में चल रहे टी20 विश्व कप में मिले थे, जहां न्यूजीलैंड ने 6 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत पर 58 रन से जीत दर्ज की थी।

पाक टीम से अब कोई उम्मीदें नहीं बचीं : शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम के प्रदर्शन की कड़ी आलोचना की है। पाक टीम को बांग्लादेश के बाद इंग्लैंड के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही टीम सबके पूर्व दिग्गजों के निशाने पर है। तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने एक शो के दौरान कहा कि टीम हर क्षेत्र में खराब खेल रही है। अख्तर ने कहा कि, जो बोएंगे वही काटेंगे। टीम के हालात बहुत खराब है हार जीत होती रहती है पर मैच में संघर्ष तो करना चाहिये। यहां तो टीम मुकाबला ही नहीं कर पायी। पिछले दो दिनों में हमने जो देखा, उससे कहें अब कोई उम्मीद नहीं बची है। इससे पता चलता है कि हम अच्छा नहीं कर सक रहे हैं। पहले बांग्लादेश के खिलाफ दोनो मैच हारे और उसके बाद इंग्लैंड ने 800 से ज्यादा रन बनाकर पारी से हराया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि प्रशंसक भी कह रहे हैं कि पाकिस्तान को टेस्ट क्रिकेट खेलना बंद कर देना चाहिए। आईसीसी तक सोच रहा होगा कि क्या हमें पाकिस्तान में टीमें भेजनी चाहिए और उनका टेस्ट दर्जा बरकरार रखना चाहिए। ये बहुत निराशाजनक है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट, प्रशंसकों के साथ ही उभरती प्रतिभाओं को नुकसान पहुंचेगा। मैं पीसीबी से अनुरोध करना चाहता हूं कि वह इस गड़बड़ को सही करे।

न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज से किया नजरअंदाज, भारत ए के पूर्व कप्तान ने लगातार चौथा शतक जड़ा

स्पोर्ट्स डेस्क । पिछले सप्ताह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए नजरअंदाज किए गए भारत ए के पूर्व कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन ने सोमवार (14 अक्टूबर) को लगातार अपना चौथा शतक जड़ा। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में उत्तर प्रदेश के खिलाफ चल रहे रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मैच की दूसरी पारी में बंगाल के लिए ओपनिंग की और फिलहाल 151 गेंदों पर 114 रन बनाकर खेल रहे हैं। ईश्वरन ने अब तक भारत के लिए नहीं खेला है, ने इससे पहले पहली पारी में 17 गेंदों पर पांच रन बनाए थे। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के पहले मैच में बल्ले से अपने शानदार प्रदर्शन से पहले ईश्वरन ने पिछले महीने दलीप ट्रॉफी में इंडिया बी के लिए लगातार दो शतक लगाए और फिर उसी मैदान पर खेले गए ईरानी कप 2024 के मैच में मुंबई के खिलाफ 191 रन की पारी खेली। वह इंडिया सी के खिलाफ 157 रन बनाकर नाबाद रहे और अनंतपुर में इंडिया डी के खिलाफ 116 रन बनाए। उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह नहीं दी गई जो बुधवार (16 अक्टूबर) को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में शुरू होने वाला है। भले ही ईश्वरन ने टेस्ट टीम में जगह बना ली हो, लेकिन मौजूदा समय में उन्हें भारत के लिए खेलने का मौका मिलने की संभावना कम ही है। कप्तान रोहित शर्मा खेल के पांच दिवसीय प्रारूप में भारत के लिए ओपनिंग करते हैं, उनके साथ यशस्वी जायसवाल भी हैं जिन्होंने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पदार्पण करने के बाद से अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है।

भारतीय हॉकी टीम की पूर्व कोच यानेक शॉपमैन लौटीं भारत, इंडिया में औरतों की इज्जत नहीं होने का लगाया था आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाई थी। इसके बाद टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने हॉकी इंडिया के माहौल को लेकर काफी कुछ कहा। उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि भारत में औरतों की बातों की अहमियत नहीं है। अब वही शॉपमैन भारत लौट आई हैं। एक बार फिर कोचिंग स्टाफ का हिस्सा लेंगी लेकिन इस बार भारतीय टीम के डगआउट में नजर नहीं आएंगी।

हॉकी इंडिया लीग में रविवार को पुरुष टीमों ने बोली लगाई। ऑक्शन के दौरान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की और महासचिव भोलानाथ भी मौजूद थे। इस दौरान यानेक शॉपमैन भी ऑक्शन रूम में दिलाई दी। वह 15 अक्टूबर को ओडिशा महिला टीम की टेबल पर भी नजर आ सकती है। उन्हीं लोगों के बीच जिन पर उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए थे और फिर भारत छोड़कर चली गई थीं।

शॉपमैन ओडिशा की महिला टीम का हिस्सा हैं। उन्हें बतौर टेक्निकल डायरेक्टर टीम से जोड़ा गया है। इसी जिम्मेदारी के लिए शॉपमैन वापस आई हैं। ओडिशा वही राज्य है जहां शॉपमैन आखिरी बार महिला टीम के साथ नजर आईं। भारतीय महिला टीम ने उनके कोच रहते हुए ओडिशा में ही ओलंपिक क्वालिफायर खेला था। भारत टॉप 3 में नहीं पहुंचा और पेरिस का टिकट हाथ से निकल गया।

बता दें कि, शॉपमैन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देते हुए उन्होंने कई गंभीर बयान दिए। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में उन्होंने कहा था कि भारत ऐसा देश हैं जहां महिलाओं की बातों को, उनकी सोच को अहमियत नहीं दी जाती है। साथ ही उन्होंने हॉकी इंडिया पर महिला और पुरुष टीम के बीच भेदभाव करने का भी आरोप लगाया था।

भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज में चौथे नंबर पर ही उतरेंगे स्मिथ : बेली

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट सीरीज सीरीज में अपने चौथे नंबर पर ही उतरेंगे। डेविड वार्नर के संन्यास के बाद स्मिथ को सलामी बल्लेबाज के तौर पर अवसर दिया गया था पर वह असफल रहे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने भी माना कि स्मिथ को उनके पारंपरिक स्थान पर ही उतारा जाएगा। उन्होंने सलामी बल्लेबाज के तौर पर दूसरे ही टेस्ट में नाबाद 91 रन बनाए पर न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके और चार पारियों में कुल 51 रन ही बना पाये। बेली ने कहा कि इसको लेकर 'पैट कमिंस, एंड्रयू मैकडोनाल्ड और स्टीव स्मिथ से उनकी लगातार बात हो रही है। स्टीव ने पारी सलामी बल्लेबाज की जगह अपने ही चौथे नंबर नीचे उतरने की इच्छा जताई है। इसके बाद कमिंस और एंड्रयू ने कहा कि वह इस सत्र में बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतरेगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 22 नवंबर से सीरीज शुरु होगी।

ग्रीन की जगह बेनक्रॉफ्ट को मिल सकता है अवसर: टेलर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मार्क टेलर का मानना है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन के चोटिल होने के कारण नवंबर में भारतीय टीम के खिलाफ होने वाली बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विकेटकीपर बल्लेबाज कैमरन बेनक्रॉफ्ट को ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार ग्रीन का अपनी पीठ के निचले हिस्से की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलना तय नहीं है। ऐसे में ग्रीन के बाहर होने से ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा। इसके तहत ही उसे बदलाव भी करने होंगे। ग्रीन पिछले साल एशेज सीरीज के दौरान भी टीम से बाहर थे तब मिचेल मार्श आए थे। वहीं इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद माना जा रहा थ कि बेनक्रॉफ्ट को पारी की शुरुआत के लिए रखा जाएगा पर तब चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई पर स्मिथ अनुभवी होने के बाद भी सलामी बल्लेबाज के रूप में विफल रहे थे। ऐसे में टेलर का मानना है कि स्मिथ को फिर से चौथे नंबर पर भेजा जाएगा। टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे ऐसे में मेरा मानना है कि बेनक्रॉफ्ट को उत्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा।बेनक्रॉफ्ट हालांकि विवादों में भी रहे हैं। साल 2018 के गेंद से छेड़छाड़ मामले में उनपर 9 महीने का प्रतिबंध लगा था। वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी रहे हैं। टेलर के अनुसार युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है। हाल में कोंस्टास ने घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था।

पांड्या ने करियर में कई चुनौतियों का सामना किया : आकाश

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि ऑलरांउडर हार्दिक पांड्या ने अपने करियर में कई मुश्किलें भी झेली हैं। उनका करियर उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर कहा कि जिस प्रकार निजी जिंदगी और पेशेवर चुनौतियों का सामना कर पांड्या आगे बढ़े हैं उससे उनके जुनून का पता चलता है। इस क्रिकेटर ने बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में 18 गेंदों पर ही 47 रन बना दिये थे। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में पांड्या ने जिस प्रकार सर्जरी से उबरकर वापसी की है। वह प्रेरित करने वाला है। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं इसमें आईपीएल के दौरान हुई हूटिंग भी है। पांड्या ने बांग्लादेश के खिलाफ पूरी सीरीज़ में आक्रामक बल्लेबाजी कर रन बटोरे। उन्होंने ज़्यादातर मैचों में 200 से ऊपर के अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। चोपड़ा ने कहा बांग्लादेश के खिलाफ तीनों टी20 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। इसके बाद दूसरे में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने कहा कि पांड्या के खेल से पता चलता है कि उनका मनोबल कितना ऊपर है। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया। उनका गेंदबाजों के प्रति व्यवहार बेरहम सा रहा है।

भारत /न्यूजीलैंड : बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड... गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए कही बड़ी बात

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज बुधवार से शुरू होने जा रही है। पहला टेस्ट बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाना है। सीरीज के आगाज से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने गेंदबाजों के लिए बड़ी बात कही है। दरअसल, गंभीर का कहना है कि हमें बल्लेबाजों पर आश्रित रहने वाले एटीट्यूड को खत्म करना चाहिए।

बता दें कि, पिछले दशक में क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेलने के तरीके में धीरे-धीरे बदलाव आया है। टेस्ट में ज्यादा समय बिताने वाले बल्लेबाजों की जगह गेंदबाजों का दबदबा बढ़ा है।

हाल ही में कानपुर में भारत और बांग्लादेश के बीच खेला गया टेस्ट मैच में भी इस बात का गवाह रहा। यहां बारिश और गीली आउटफील्ड के कारण दो दिन से ज्यादा खेल नहीं होने के बावजूद भारतीय टीम ने जीत हासिल की। भारत ने शुरु से ही ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर बांग्लादेश पर दबाव बनाया और फिर गेंदबाजों ने 20 विकेट चटकाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

वहीं कोच गंभीर ने भी कहा है कि अब समय बदल गया है। उन्होंने 20 विकेट और एक हजार रन की दिलचस्प तुलना की। गंभीर के अनुसार, बल्लेबाज भले ही जितने रन बना लें लेकिन जीत की गारंटी नहीं। गंभीर ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि, वो दौर बीत चुका है। ये गेंदबाजों का दौर है। बल्लेबाज ही सिर्फ मैच सेटअप करते हैं। हमें बल्लेबाजों के प्रति इस जुनूनी एटीट्यूड को खत्म करना होगा। अगर कोई बल्लेबाज, 1000 रन भी बना लेता है तो उसके बाद भी जीत की गारंटी नहीं मिलती। लेकिन अगर कोई गेंदबाज 20 विकेट निकालने में सफल रहे तो 99 प्रतिशत गारंटी है कि हम टेस्ट मैच जीतेंगे।

कोच ने आगे कहा कि, इसलिए चाहे टेस्ट मैच हो या कोई अन्य फॉर्मेट, गेंदबाज आपको मैच और टूर्नामेंट जिताते हैं। इस दौर में हम बल्लेबाजों की तुलना में गेंदबाजों के बारे में ज्यादा बात करेंगे और मुझे उम्मीद है कि ये माइंडसेट बदलेगा। 1950 से 1990 के दशक के दौर में अगर बल्लेबाज एक या दो दिन से ज्यादा क्रीज पर टिके रहते थे तो अधिकतर मैच का नतीजा ड्रॉ ही होता था। हालांकि, पिछले कुछ सालों में टेस्ट क्रिकेट में बदलाव का संकेत मिला है।

संक्षिप्त समाचार

इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु तट पर नाव में लगी आग, पांच की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के तट पर एक स्पीड बोट में आग लग गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे में कुछ और लोगों के मारे जाने की भी आशंका है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने बताया कि दुर्घटना स्थानीय समयानुसार दोपहर 14.05 बजे हुई, जब गवर्नर पद के उम्मीदवार बेनी लाओस और उनके समर्थकों से भरी नाव तालीबू क्षेत्र के एक समुद्री बंदरगाह पर थी और अभियान के लिए यात्रा जारी रखने से पहले ईंधन भरा जा रहा था। अब्दुल मुईस उमा टेरनाटे ने शिन्हुआ को बताया कि हादसे में पांच लोग मारे गए हैं, नौ अन्य घायल हो गए हैं और कुछ लोग नाव में फंसे हुए हैं। वीडियो फुटेज में देखा जा सकता है कि कि आग ने पूरी नाव को अपनी चपेट में ले लिया था, जो लोग नाव के अंदर रह गए थे, वह मर गए होंगे। अधिकारी नाव में मौजूद लोगों की सटीक संख्या नहीं बता पाए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण एजेंसी की लॉजिस्टिक इकाई के प्रमुख युसरी अब्दुल कासिम ने बताया कि आग लगने से ठीक पहले एक विस्फोट हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सभी घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है।

माली में बाढ़ से अब तक 177 लोगों की मौत, 148 घायल

बमाको , एजेंसी। माली में बारिश के मौसम की शुरुआत से आई बाढ़ से कम से कम 177 लोगों की मौत हो गई है। बारिश और बाढ़ के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को माली के इंटर मिनिस्ट्रियल कमेटी फॉर क्राइसिस एंड डिजास्टर मैनेजमेंट की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में बाढ़ की 656 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिनमें 148 लोग घायल हुए और 37,999 घर ढह गए। इस बाढ़ से 47,955 परिवारों के 264,646 लोग प्रभावित हुए हैं। माली के शिक्षा मंत्रालय ने बताया कि 128 पब्लिक स्कूल बाढ़ पीड़ितों के आश्रय के रूप में उपयोग किए जा रहे हैं। 167 स्कूल पानी में डूबे हुए हैं और 256 स्कूलों की इमारतें ढह गई हैं। देश भर में भारी बारिश जारी है, जिससे नदियां और उनकी सहायक नदियां उफान पर हैं। अधिकारियों ने बार-बार निवासियों से बाढ़-ग्रस्त क्षेत्रों को खाली करने, पैदल, बाइक या कार से बाढ़ वाली सड़कों पर जाने से बचने का आग्रह किया है। साथ ही नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे उफनती नदियों से दूर रहें और भारी बारिश के दौरान घर के अंदर रहें। माली सरकार ने 23 अगस्त को राष्ट्रीय आपदा की घोषणा की थी, जिसके कारण स्कूलों के नए सत्र की शुरुआत 1 अक्टूबर से 4 नवंबर तक स्थगित कर दी गई।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने रतन टाटा के निधन पर शोक जताया, उन्हें 'भारत का महान सपूत' बताया

जेरूशलम, एजेंसी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच मित्रता का समर्थक बताया। टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष का बुधवार शाम 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। नेतन्याहू ने 'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबोधित एक पोस्ट में इजराइल-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में रतन टाटा के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने शनिवार को एक पोस्ट में लिखा, मेरे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी। मैं और इजराइल के असंख्य लोग भारत के महान सपूत और दोनों देशों के बीच मित्रता के हिमायती रतन नवल टाटा के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी से रतन टाटा के शोकाकुल परिवार के प्रति उनकी संवेदना व्यक्त करने को कहा। उन्होंने अपने पोस्ट के अंत में कहा, (शोकाकुल परिवार के प्रति) संवेदनाओं के साथ, बेंजामिन नेतन्याहू। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने भी बृहस्पतिवार को रतन टाटा को श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अपने देश का सच्चा मित्र बताया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया था तथा नवाचार और विनिर्माण में उनके योगदान की प्रशंसा की थी तथा भारत एवं फ्रांस में उद्योगों को मजबूत बनाने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया था।

कोस्टा रिका के प्रशांत महासागर तट पर 6.2 तीव्रता का भूकंप

निकारागुआ , एजेंसी। कोस्टा रिका के कुछ हिस्से शनिवार को 6.2 तीव्रता वाले भूकंप के झटकों से दहल गए। हालांकि, फिलहाल किसी गंभीर नुकसान की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र कोस्टा रिका के प्रशांत तट पर निकारागुआ की सीमा पर था और वहां भी झटके महसूस किये गए। इसका केंद्र 18 किलोमीटर की गहराई में था।

उत्तरी गाजा में शरणार्थी शिविर पर इजराइल का भीषण हमला, 22 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। उत्तरी गाजा में संघर्ष नाटकीय रूप से बढ़ गया है, जिससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। इजराइली सेना के भीषण हमले में जबालिया शरणार्थी शिविर में, महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई है, जिसका मकसद हमास की क्षमताओं को खत्म करना है। इस हमले के बाद हजारों फिलिस्तीनी नागरिक गोलीबारी में फंस गए हैं, जो अपने आसपास की हिंसा का शिकार बन रहे हैं। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने अराजकता के बीच फंसे नागरिक आबादी पर इस हमले के भयानक प्रभाव पर चिंता जताई है।

जबालिया शरणार्थी शिविर पर हमला : इजराइली हमलों के बाद, जबालिया में स्थिति भयानक स्तर पर गंभीर हो गई है। इजराइली लड़ाकू विमानों ने ताजा हमले में एक बहुमंजिला अपार्टमेंट ब्लॉक पर बमबारी ने न सिर्फ 22 लोगों की जान ले ली है, बल्कि कम से कम 30 लोगों को घायल भी किया है, और आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी कई लोग फंसे हो सकते हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले के बाद स्थिति भयावह है, और अस्पतालों में भर्ती घायलों की हालत काफी गंभीर है। ज्यादातर घायलों को कमाल अदवान अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, लेकिन संसाधनों की कमी से पहले ही गाजा पट्टी के अस्पतल जूझ रहे हैं। इजराइल की तरफ से इस अस्पताल को भी खाली करने का आदेश दिया गया है, हालांकि अभी भी डॉक्टर आपातकालीन विभाग में गंभीर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। लेकिन, आशंका है कि कभी भी इजराइली सैनिक अस्पताल में दाखिल हो सकते हैं।

गाजा में इजराइली हमलों से स्थिति भयावह : इजराइली हमले जबालिया से आगे तक भी की गई है। गाजा शहर में एक और हवाई हमले में तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, इजराइली सेना उत्तरी गाजा के निवासियों को मानवीय क्षेत्रों में जाने का आदेश दिया है, जिसका कई फिलिस्तीनियों ने विरोध किया है, जिन्हें डर है कि गाजा पट्टी का कोई भी हिस्सा उनके लिए सुरक्षित नहीं रह गया है। वहीं, गाजा में अभी भी हमास ने हमले बंद नहीं किए हैं और हमास की सशस्त्र शाखा, कस्साम ब्रिगेड ने जबालिया में विस्फोटक उपकरण से इजराइली सैनिकों को निशाना बनाने की जिम्मेदारी ली है, जिसमें इज़रायली सैनिकों के हताहत होने की रिपोर्ट है। हालांकि, इस दावे के बारे में फिलहाल पूरी जानकारी अभी भी कम ही है। दूसरी तरफ, विश्व खाद्य कार्यक्रम ने हजारों फिलिस्तीनी परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले भयावह प्रभावों के बारे में भी चिंता जताई है। 1 अक्टूबर से उत्तरी गाजा में खाद्य सहायता आपूर्ति बंद होने और उसके बाद फुड सप्लाई बंद से स्थिति भयानक हो चुकी है और लोग खाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

हथियार डालने के लिए तैयार नहीं हमास : एमएसएफ समेत इंटरनेशनल कम्युनिटी ने उत्तरी गाजा से दक्षिणी गाजा में निवासियों को जबरन भेजने की इजराइली नीति की आलोचना की है, जिसमें आवाजाही पर प्रतिबंधों और आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में बढ़ती कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया है। हमास ने इजराइल की कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे नरसंहार बताया है, साथ ही आरोप लगाया है, कि यह फिलिस्तीनी लोगों को उनके लचीलेपन के लिए दंडित करने का प्रयास है, इस रुख को संयुक्त राज्य अमेरिका से समर्थन के दावों द्वारा समर्थित किया गया है। हमास के मुताबिक, इजराइल की रणनीति हमास के खिलाफ सैन्य अभियानों की आड़ में नागरिकों को निशाना बनाती है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के नेतृत्व में हुए हमले के बाद इजराइली युद्ध गाजा में तबाही मचा रहा है, जिससे मानव जीवन और बुनियादी ढांचे पर असर बढ़ रहा है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इजराइली हमलों की वजह से 42,175 मौतें और 98,336 घायल हुए हैं, जो इस संघर्ष के कारण फिलिस्तीनी लोगों पर पड़ने वाले गंभीर मानवीय नुकसान को दिखाता है। गाजा में चल रहा हमला एक गहराते संकट का उदाहरण है जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है, और भयानक स्तर पर विनाश हो रहा है, जिससे मानवीय तबाही बढ़ गई है, लेकिन अभी तक युद्धविराम के कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं।

गाजा में सहायता पिछले कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। पिछले लगभग एक साल से इजरायली हमले झेल रहे गाजा में खाद्य संकट चरम पर पहुंच रहा है। गाजा में

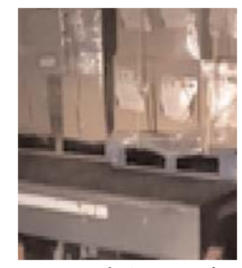

संयुक्त राष्ट्र की ओर से पहुंचाई जाने वाली सहायता और खाद्य सामग्री कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर है। सहायता आपूर्ति की कमी के कारण इस महीने गाजा में किसी को भी खाद्य सामग्री नहीं मिली है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बयान जारी कर दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी गाजा में महत्वपूर्ण सहायता लाइनें कट गई हैं। उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए कहा, संघर्ष झेल रहे गाजा में 1 अक्टूबर के बाद से कोई खाद्य सहायता नहीं पहुंची है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरी गाजा में मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं और यदि संघर्ष जारी रहा तो उन तक पहुंचना संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफपी ने गाजा के उत्तरी हिस्से में अपने पास बची-खुची हुए खाद्य सामग्री को साझेदारों और नए विस्थापित परिवारों को आश्रय देने वाले रसोईघरों में वितरित कर दिया है। लेकिन, यह खाद्य सामग्री बमुश्किल दो सप्ताह चलेगी। इलाके में पहले से चल रहे कई रसोईघर और बेकरी को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यदि संघर्ष इसी पैमाने पर जारी रहा तो अन्य को भी बंद होने का खतरा है। इसके बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, दक्षिण गाजा में भी स्थिति बहुत खराब है। खाद्य सामग्री का वितरण नहीं हो रहा है और बेकरियों को गेहूं का आटा जुटाने में संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें किसी भी दिन बंद होने का खतरा है। हक ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद, मानवीय संगठन अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। इसमें यूएनआरडब्ल्यूए, फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी, और गैर-सरकारी संगठन साझेदार, निर्धारित आश्रय स्थलों में और उसके बाहर रोटी, पका हुआ भोजन साथ ही आटा वितरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के कर्मियों ने गुरुवार को डेर अल बलाह में अल रुफैदा के स्कूल में बनाए गए आश्रय स्थल का दौरा किया, जहां एक इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग मारे गए थे।

ब्राजील में शक्तिशाली तूफान ने बरपाया कहर, सात लोगों की मौत व साओ पाउलो में 14 लाख घरों की बिजली गुल

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के साओ पाउलो में आए एक संक्षिप्त लेकिन शक्तिशाली तूफान के कारण कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दक्षिण अमेरिका के इस सबसे बड़े महानगर में शनिवार को लगभग 14 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। साओ पाउलो के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात 67 मील (108 किलोमीटर) प्रति घंटे की रफ्तार से आए तूफान के कारण बिजली पारेषण लाइन प्रभावित हुई और बड़ी संख्या में पेड़ उखड़ गए, जिसके कारण कुछ हिस्सों में गंभीर क्षति हुई।

राज्य सरकार के अनुसार, तूफान के कारण कई हवाई अड्डों को भी बंद करना पड़ा और कई क्षेत्रों में पेयजल सेवा भी बाधित हुई। अधिकारियों ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत उस वक्त हुई जब एक पेड़ उखड़कर एक दुकान पर गिर गया। उन्होंने बताया कि इस तूफान के कारण साओ पाउलो के आसपास के क्षेत्रों में कम से कम छह अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों को उम्मीद थी कि वे तूफान समाप्त होने के बाद के कुछ घंटों के भीतर बिजली पारेषण बहाल कर लेंगे, लेकिन लोग शनिवार को भी अंधेरे का दंश झेलते रहे, इतना ही नहीं संबंधित अधिकारी स्थानीय निवासियों से पानी की सीमित खपत का आग्रह करते भी नजर आए। इस महानगरीय क्षेत्र में कम से कम दो करोड़ 10 लाख रहते हैं।

पाकिस्तान जन्म और मृत्यु पंजीकरण में भी फिसड्डी, दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बना

इस्लामाबाद, एजेंसी। नागरिक पहचान प्रणाली किसी भी नागरिक और राज्य दोनों के लिए बेहद जरूरी है, खासकर जब सरकार को लोगों को सेवाएं देनी होती हैं। एक नागरिक की पहचान का सफर जन्म प्रमाण पत्र से शुरू होता है और मृत्यु प्रमाण पत्र पर जाकर खत्म होता है। लेकिन पाकिस्तान में यह बुनियादी पहचान प्रणाली ज्यादातर लोगों तक पहुंची ही नहीं है। यूनिसेफ की 2023 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 60 प्रतिशत बच्चों का जन्म पांच साल की उम्र तक पंजीकृत नहीं होता। इसी वजह से पाकिस्तान दुनिया का सबसे ज्यादा अपंजीकृत बच्चों वाला देश बन गया है। करीब 6 करोड़ बच्चे पाकिस्तान में अभी भी पंजीकृत नहीं हैं। इस कारण उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं और बाल श्रम व बाल विवाह से बचाव जैसी सुविधाएं नहीं मिल पातीं। पंजीकरण में कई दिक्कतें हैं, जिन्हें सुलझाने की सख्त जरूरत है। पाकिस्तान में जन्म और मृत्यु पंजीकरण के लिए कुछ प्रणालियां मौजूद हैं, लेकिन ये पूरी तरह लागू नहीं हो पातीं। हर प्रांत के अपने अलग नियम हैं। जैसे पंजाब में पंजाब लोकल गवर्नमेंट (जन्म और मृत्यु पंजीकरण) नियम 2021 लागू है। जन्म प्रमाण पत्र पाने की प्रक्रिया बेहद जटिल और समय लेने वाली है। इसके लिए उर्दू और अंग्रेजी में फॉर्म भरना पड़ता है, शपथ पत्र बनवाना होता है, यूनियन काउंसिल के चेयरमैन को आवेदन करना होता है, और अस्पताल से जन्म रिपोर्ट लेनी होती है। माता-पिता और दादा का सीएनआईसी (कंप्यूटराइज्ड राष्ट्रीय पहचान पत्र) भी जमा करना पड़ता है

और 200 रुपये की फीस भी चुकानी पड़ती है। अगर बच्चा घर पर पैदा हुआ है, तो मिडवाइफ के सीएनआईसी और सर्टिफिकेट की भी जरूरत पड़ती है, साथ ही दो गवाहों के सीएनआईसी भी जमा करने होते हैं। एनएडीआरए (नेशनल डेटाबेस और पंजीकरण प्राधिकरण) ने एक नागरिक पंजीकरण प्रबंधन प्रणाली लागू की है, जिससे जन्म, मृत्यु, विवाह और तलाक का पंजीकरण हो सके। लेकिन जागरूकता की कमी, नौकरशाही की दिक्कतें और ग्रामीण इलाकों में पंजीकरण केंद्रों की कमी के कारण यह सिस्टम पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है। पाकिस्तान में पंजीकरण प्रणाली में कई बड़ी बाधाएं हैं। ग्रामीण इलाकों के लोग नहीं जानते कि जन्म पंजीकरण उनके बच्चों के लिए कितना जरूरी है। यहां पंजीकरण की प्रक्रिया काफी जटिल और लंबी होती है, जिसमें कई दस्तावेज जमा करने पड़ते हैं। गरीबी के कारण कई परिवार पंजीकरण शुल्क नहीं चुका पाते। इसके अलावा, पारंपरिक मान्यताओं और पिछड़ेपन के चलते भी लोग पंजीकरण नहीं कराते। मृत्यु प्रमाण पत्र पाना भी बेहद कठिन है। लगभग 50 प्रतिशत मौतें पाकिस्तान में पंजीकृत नहीं होतीं और मरने वालों के सीएनआईसी भी रद्द नहीं किए जाते। इस कारण फर्जी पेंशनधारक और नकली मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है। एनएडीआरए को भी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

पाकिस्तान में 16 अक्टूबर तक पूर्ण लॉकडाउन, न विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में आगामी शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन को ध्यान में रखते हुए सरकार ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 12 से 16 अक्टूबर तक लॉकडाउन लागू रहेगा, जिसके तहत विवाह हॉल, कैफे, रेस्टोरेंट, और स्नूकर क्लबों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। इस दौरान कोई सार्वजनिक आयोजन, न तो विवाह समारोह होगा और न ही कोई पार्टी या अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम की अनुमति होगी। यह सख्त कदम एससीओ सम्मेलन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, जिसमें भारतीय विदेश मंत्री के साथ चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और अन्य राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने वाले हैं। सम्मेलन 16 और 17 अक्टूबर को इस्लामाबाद में होगा। सेना संभालेगी सुरक्षा की जिम्मेदारी पाकिस्तान की सरकार ने सेना पर पूरा भरोसा जताते हुए सुरक्षा की जिम्मेदारी सेना को सौंप दी है। स्थानीय पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को सीधे सैन्य अधिकारियों के अधीन काम करने का

निर्देश दिया गया है। इस्लामाबाद और रावलपिंडी में 10,000 से अधिक सैनिक और कमांडो तैनात किए गए हैं, ताकि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा सकें।

लॉकडाउन के दौरान कड़ी निगरानी : सुरक्षा के मद्देनजर 14 और 16 अक्टूबर को सार्वजनिक अवकाश की घोषणा भी की गई है। व्यापारियों और होटल मालिकों को नोटिस भेजकर निर्देश दिया गया है कि वे इस अवधि के दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को अपने प्रतिष्ठानों में न ठहरने दें। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। एससीओ सम्मेलन की तैयारी और पाकिस्तान की चिंता एससीओ सम्मेलन में चीन, रूस, भारत, पाकिस्तान और मध्य एशिया के कई महत्वपूर्ण देश शामिल होंगे। यह सम्मेलन एशिया के आर्थिक और सुरक्षा मामलों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में बढ़ती आतंकवादी घटनाओं और इमरान खान के समर्थकों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों ने सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसके चलते पाकिस्तान ने दो प्रमुख शहरों को सेना के हवाले कर दिया है। पीटीआई के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद मुराद सईद ने चेतावनी दी, अगर आपको शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन की इतनी चिंता थी तो आपको संवैधानिक संशोधनों में हेराफेरी करने में व्यस्त नहीं होना चाहिए था... सड़कें खोदो, कंटेनर रखो लेकिन हम पैदल मार्च करेंगे। अब तक तो आपको पता चल ही गया होगा कि बाधाएं हमें रोक नहीं सकतीं। अब जो लोग बाहर निकलेंगे, उन्हें हम नहीं रोक पाएंगे। इमरान खान की सेहत के बारे में तुरंत खबर दीजिए या फिर डी-चौक पर मिलते हैं।

कोख में मरे बच्चों के लिए सर्टिफिकेट जारी कर रहा ब्रिटेन, अब तक 50 हजार से अधिक माता-पिता ने कराया पंजीकरण

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने हाल ही में एक नई पहल के तहत बेबी लॉस सर्टिफिकेट जारी करना शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उन माता-पिता को सांत्वना देना है, जिन्होंने गर्भावस्था के दौरान अपने बच्चों को खो दिया। अब तक 50,000 से अधिक माता-पिता इस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन कर चुके हैं। यह पहल उन परिवारों की भावनात्मक पीड़ा को कम करने के लिए शुरू की गई है, जो गर्भपात के बाद अपने बच्चों को भुला नहीं पाते और उनकी स्मृति को संजोकर रखना चाहते हैं। इस योजना के माध्यम से ऐसे बच्चों को औपचारिक मान्यता दी जा रही है, जिन्हें पहले किसी तरह के पंजीकरण में शामिल नहीं किया जाता था। मिसकैरेज एसोसिएशन की मुख्य कार्यकारी, विक्की रॉबिन्सन के अनुसार, यह पहल उन माता-पिता के दर्द को साझा करने का एक तरीका है, जिन्होंने अपने बच्चे को खोया है। सर्टिफिकेट के माध्यम से माता-पिता को उनके बच्चे की यादें सहेजने का एक तरीका मिल रहा है, जिससे उन्हें भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है। क्यों पड़ी बेबी लॉस सर्टिफिकेट की जरूरत? पहले ऐसे बच्चों का कोई औपचारिक रजिस्ट्रेशन नहीं होता था, जिससे माता-पिता को लगता था कि उनके बच्चे को नजरअंदाज किया जा रहा है। जॉर्ज एलियट हॉस्पिटल की मिडवाइफ सामंथा कॉलिंग, जिन्होंने कई वर्षों तक ऐसे परिवारों के साथ काम किया है, ने कहा, माता-पिता अस्पताल से जाते वक्त अपने बच्चे की कुछ यादें अपने साथ रखना चाहते थे, लेकिन उनके पास कुछ भी नहीं होता था। अब इस सर्टिफिकेट से उन्हें मान्यता मिल रही है कि वे एक बच्चे के माता-पिता हैं, भले ही वह बच्चा दुनिया में नहीं आया। कैसे करें बेबी लॉस सर्टिफिकेट के लिए आवेदन? इस सर्टिफिकेट के लिए वे माता-पिता आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने गर्भावस्था के 28 हफ्ते से पहले अपने बच्चे को खो दिया हो। शुरुआत में यह योजना 24 हफ्ते तक के बच्चों के लिए थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 28 हफ्ते कर दिया गया है। सर्टिफिकेट के लिए आवेदन करने वाले माता-पिता ब्रिटेन के निवासी होने चाहिए और उनकी उम्र कम से कम 16 वर्ष होनी चाहिए। सरोगेट माताएं भी इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। माताओं के लिए भावनात्मक राहत यह योजना माता-पिता के दर्द को कम करने और उनके बच्चे को मान्यता देने का एक प्रयास है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस सर्टिफिकेट से उन परिवारों को सांत्वना मिलेगी, जो गर्भावस्था के दौरान अपने बच्चे को खो चुके हैं और उनके पास उस बच्चे की यादों को सहेजने का कोई तरीका नहीं था। अब यह पहल उन्हें मानसिक रूप से शांति देगी और उन्हें यह एहसास दिलाएगी कि उनका बच्चा उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा था।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव- कमला हैरिस ने जारी किया मेडिकल रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस ने शनिवार को अपने डॉक्टर का एक पत्र जारी किया है, जिसमें कहा गया है, कि उनकी सेहत अच्छी है और वो देश की सर्वोच्च पद के लिए फिट हैं। यह पत्र उन्होंने अपने समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ तुलना करने की कोशिश में जारी किया है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक प्रेस रिलीज में, उपराष्ट्रपति के डॉक्टर जोशुआ सिमंस ने कहा, कि अप्रैल में कमला हैरिस की सबसे लेटेस्ट मेडिकल टेस्ट सामान्य थी, कि वह व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद एक सक्रिय जीवनशैली और बहुत स्वस्थ आहार ले रही हैं, मौसमी एलर्जी और छिटपुट पित्ती से पीड़ित हैं, वो तंबाकू का सेवन नहीं करती हैं और शराब भी सीमित मात्रा में पीती हैं। कमला हैरिस ने जारी किया मेडिकल रिपोर्ट डॉक्टर ने लिखा है, कि उनके पास राष्ट्रपति पद के कर्तव्यों को सफलतापूर्वक निभाने के लिए आवश्यक शारीरिक और मानसिक लचीलापन है, जिसमें मुख्य कार्यकारी, राज्य प्रमुख और कमांडर इन चीफ जैसे पद शामिल हैं। 59 साल की कमला हैरिस व्हाइट हाउस के लिए रिपब्लिकन पार्टी के डोनाल्ड ट्रंप (78 साल) के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। कमला हैरिस के एक सहयोगी के अनुसार, उन्होंने शनिवार को अपनी मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक की, ताकि 78 साल के डोनाल्ड ट्रंप को प्रेशर में लाया जा सके। कमला हैरिस ने कहा, कि विस्तृत चिकित्सा रिपोर्ट प्रदान करने में ट्रंप की अनिच्छा उनकी पारदर्शिता की कमी का लेटेस्ट उदाहरण है। कमला हैरिस ने उत्तरी कैरोलिना के लिए विमान में चढ़ने से पहले संवाददाताओं से कहा, मुझे

लगता है, कि यह स्पष्ट है कि कम से कम उनकी टीम नहीं चाहती कि अमेरिकी लोग उनके बारे में सब कुछ देखें। हालांकि, स्टीवन चेउंग, जो डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव अभियान के कम्युनिकेशन डायरेक्टर हैं, उन्होंने एक बयान में कहा है, कि ट्रंप ने स्वेच्छा से अपने निजी डॉक्टर से अपडेट जारी किए हैं, साथ ही मेडिकल डॉक्टर रोनी जैक्सन की विस्तृत रिपोर्ट भी जारी की है, जिन्होंने पहली हत्या के प्रयास के बाद उनका इलाज किया था। उन्होंने कहा, कि सभी ने निष्कर्ष निकाला है कि वह कमांडर इन चीफ बनने के लिए एकदम सही और उत्कृष्ट स्वास्थ्य में हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उम्र का खेल हैरिस अभियान पूर्व राष्ट्रपति की उम्र को उजागर करने के लिए उत्सुक है क्योंकि वह दौड़ में सबसे उम्रदराज उम्मीदवार बन गए हैं। 81 वर्षीय राष्ट्रपति जो बिडेन ने ट्रम्प के खिलाफ खराब बहस के बाद डेमोक्रेटिक मानक वाहक के रूप में पद छोड़ दिया। एक कड़ी दौड़ में बंद। हैरिस के अभियान को उम्मीद है कि ट्रम्प की अधिक उम्र और भटकने की प्रवृत्ति के साथ उनकी तुलनात्मक युवा और मानसिक तीक्ष्णता की तुलना, साथ ही दोनों के बीच पारदर्शिता में अंतर, अनिर्णीत मतदाताओं को यह समझाने में मदद करेगा कि वह कार्यालय के लिए अधिक उपयुक्त हैं। व्हाइट हाउस के एक डॉक्टर ने 2018 में कहा था कि जब ट्रम्प कार्यालय में थे, तब उनका स्वास्थ्य कुल मिलाकर बहुत अच्छा था, लेकिन उन्हें अपना वजन कम करने और दैनिक व्यायाम शुरू करने की आवश्यकता थी। कमला हैरिस का चुनाव अभियान, पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप की उम्र को पॉलिटिकल गेम में लाना चाहता है और लोगों के सामने ये बहस शुरू करवाना चाहता है, कि डोनाल्ड ट्रंप काफी उम्रदराज उम्मीदवार हैं। कमला हैरिस की टीम, डोनाल्ड ट्रंप को उसी तरह से घेरना चाहती है, जैसा ट्रंप की टीम ने जो बाइडेन के खिलाफ आजमाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में काफी कड़ा मुकाबला चल रहा है और दोनों ही उम्मीदवार दिखाना चाहते हैं।

मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में

नई दिल्ली। दक्षिण एशियाई देशों में मुंह के कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में दर्ज किए जा रहे हैं। यह खुलासा हुआ है एक हालिया अध्ययन में। इसका प्रमुख कारण बिना धुएं वाले तंबाकू उत्पादों और सुपारी का बढ़ता उपयोग है। 2022 में विश्वभर में 1,20,200 ओरल कैंसर के मामलों में से 83,400 मामले अकेले भारत में पाए गए। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि तंबाकू युक्त पान मसाला, गुटखा, खैनी और सुपारी के सेवन से मुंह का कैंसर तेजी से फैल रहा है। अध्ययन के अनुसार, महिलाओं में मुख कैंसर के 30प्रतिशत मामले सुपारी के सेवन से, जबकि 28 प्रतिशत मामले तंबाकू वाले पान मसाले से जुड़े पाए गए। वहीं, गुटखा और खैनी के कारण क्रमशः 21प्रतिशत और 21प्रतिशत मामले सामने आए। पुरुषों में खैनी के सेवन से 47प्रतिशत और गुटखा के सेवन से 43प्रतिशत मामले दर्ज किए गए, इसके बाद तंबाकू वाले पान मसाले (33प्रतिशत) और सुपारी (32प्रतिशत) का नंबर आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ते हैं, जिनमें मुंह का कैंसर प्रमुख है। दुनियाभर में 1,20,200 से अधिक ओरल कैंसर के मामले ऐसे थे जो बिना धुएं वाले तंबाकू और सुपारी के सेवन से हो सकते थे।

इंडिगो के दो विमानों को बम से उड़ाने की मिली धमकी, जांच शुरू

मुंबई। एयर इंडिया के बाद अब इंडिगो की दो फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इन फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू की गई है। पहली फ्लाइट मुंबई से जेद्दा जा रही थी, जिसका नंबर 6ई56 है इसको बम से उड़ने की धमकी मिली। वहीं, दूसरी मुंबई से मस्कट जा रही फ्लाइट नंबर 6ई1275 को भी धमकी दी गई है। दोनों फ्लाइट्स की सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई है। वहीं इंडिगो प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए कहा है कि मुंबई से मस्कट जाने वाली फ्लाइट 6ई 1275 को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। प्रोटोकॉल के मुताबिक फ्लाइट को एक अलग खाड़ी में ले जाया गया, और मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए, अनिवार्य सुरक्षा जांच तुरंत शुरू की गई है। आगे इंडिगो प्रवक्ता ने कहा कि मुंबई से जेद्दा जा रही इंडिगो की दूसरी फ्लाइट नंबर 6ई 56 को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। प्रोटोकॉल के मुताबिक विमान को एक अलग जगह पर ले जाया गया और सुरक्षा जांच शुरू की गई। इससे पहले सुबह एयर इंडिया के एक फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है, जिसकी दिल्ली एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिग कराई गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो का एक विमान को उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई है। जल्द ही दोनों विमानों को उड़ान भरने की अनुमति मिल जाएगी। जानकारी में बताया कि तीन विमानों को बम की धमकी मिली थी।

दशहरा के बाद से दिल्ली की हवा हुई खराब, एक्यूआई 224 पर पहुंचा

–गिरने लगा तापमान, सुबह होने लगा हल्की ठंड का एहसास

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में तापमान गिरने लगा है और सुबह के वक्त हल्की ठंड का एहसास हो रहा है। वहीं, दूसरी तरफ हवा का स्तर भी अब बिगड़ने लगा है। दिल्ली में ठंड की शुरुआत से ही प्रदूषण का स्तर बढ़ने लगता है लेकिन अभी दशहरे के अगले दिन से दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में पहुंच गई। दशहरा समारोह के दौरान दिल्ली के खुले मैदान में रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का दहन किया गया। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बुलेटिन के मुताबिक 13 अक्तूबर को शाम चार बजे दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 224 पर पहुंच गया। वायु गुणवत्ता आयोग (सीएक्यूएम) उप-समिति ने, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) ने वर्तमान वायु गुणवत्ता और मौसम पूर्वानुमान की समीक्षा की, जिसके मुताबिक दशहरा के बाद दिल्ली के वायु प्रदूषण में पहले से ही गिरावट शुरू हो गई है, जो शाम 5 बजे तक गिरकर 222 पर आ गई और आगे भी गिरावट की उम्मीद जताई जा रही है। आईएमडी आईआईटीएम का भी कहना है कि हवा की गुणवत्ता में सुधार होकर एक्यूआई मध्यम श्रेणी में पहुंच सकता है। आज यानी सोमवार सुबह 7 बजे के आसपास भी दिल्ली का औसत एक्यूआई खराब बना हुआ है। दिल्ली का एक्यूआई 222 मापा गया। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 324 यानी बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांडर–बहराइच के फरार संदिग्ध ने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी'

लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में उत्तर प्रदेश के फरार संदिग्ध शिव कुमार गौतम ने शान दिखाने के मकसद से खुद को 'गैंगस्टर' बताते हुए सोशल मीडिया पर हाल में ही पोस्ट करना शुरू किया था। गौतम ने 24 जुलाई को इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो साझा करते हुए लिखा था, 'यार तेरा गैंगस्टर है जानी।' फोटो में दिख रहा है कि वह मोटरसाइकिल पर सवार है। पोस्ट के बैकग्राउंड में एक हरियाणवी गाना बज रहा है। गौतम उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के गंडारा गांव का रहने वाला है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने कहा कि गांव में उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है और वह महाराष्ट्र के पुणे शहर में कबाड़ की एक दुकान पर काम करता है। आठ जुलाई को गौतम ने एक पोस्ट किया था, जिसमें लिखा था, 'शरीफ बाप है, हम नहीं।' उसने 26 मई को एक वीडियो साझा किया था, जिसके बैकग्राउंड में 'केजीएफ' का संगीत और चर्चित डायलॉग 'ताकतवर लोग पॉवरफुल जगह से आते हैं...' बज रहा था। गौरतलब है कि 'केजीएफ' के लीड किरदार की मां ने मरने से पहले उससे वादा लिया था कि वह जिये जैसे भी, लेकिन मरेगा दुनिया का सबसे अमीर आदमी बनकर। दिलचस्प बात यह है कि इंस्टाग्राम पर गौतम को फॉलो करने वाले लोगों की संख्या में रातोंरात जबरदस्त इजाफा हुआ है। रविवार को साइट पर 299 लोग उसे फॉलो करते थे। सोमवार को उसके फॉलोअर की संख्या बढ़कर 504 हो गई।

प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन में लगने वाला समय और लागत कम किया जाना चाहिय: जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा कि प्रवासी मजदूरों को एक राज्य से दूसरे राज्य में अपने परिवारों को पैसा भेजने में लगने वाले समय और लागत में कमी लाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने विदेशों से पैसा भेजने में समय और लागत कम करने के संबंध में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास के बयान का स्वागत करते हुए यह बात कही। रमेश ने कहा, ''आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बहुत सही तरीके से धन प्रेषण की लागत और समय कम करने पर जोर दिया है। विदेशों में रहने वाले भारतीयों से हमारी अर्थव्यवस्था में इस वर्ष लगभग 124 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश होगा, जिससे वे सेवा निर्यात के बाद बाह्य वित्तपोषण का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत बन जाएंगे।''

कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा, ''उसी समय यह भी याद किया जाना चाहिए कि 10 भारतीयों में से तीन किसी न किसी प्रकार से

आंतरिक प्रवासी हैं। इसलिए आंतरिक प्रेषण के समय और लागत को कम करने पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाना चाहिए जो एक राज्य में काम करने वाले प्रवासी मजदूरों द्वारा अपनी बचत की रकम को दूसरे राज्यों में रह रहे अपने परिवारों को भेजना शामिल है।'' उन्होंने कहा कि दुख की बात है कि आंतरिक प्रेषण पर सही तरीके से आंकड़े नहीं जुटाए गए। रमेश ने कहा कि कुछ साक्ष्यों से पता चलता है कि इस तरह के अंतरराज्यीय प्रेषण विदेश से प्रेषित इस तरह के धन का दसवां हिस्सा हो सकते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कुछ वर्ष पहले किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि केरल से अन्य राज्यों को भेजी जाने वाली धनराशि, दक्षिणी राज्य को अन्य देशों से प्राप्त होने वाली धनराशि का लगभग एक तिहाई है। उन्होंने कहा कि ऐसी आय का आधे से भी कम हिस्सा औपचारिक संस्थागत चैनलों के माध्यम से प्राप्त होता है। दास ने सोमवार को विदेश भेजे जाने वाले धन में लगने वाले समय और लागत को कम करने की वकालत की, जो भारत सहित विभिन्न विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए महत्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) द्वारा जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट 2024 के अनुसार, पिछले वर्ष भारत का धन प्रेषण अन्य सभी देशों से बढ़कर 111 अरब डॉलर हो गया। बैंक ऑफ इंग्लैंड के अनुमान के अनुसार, वैश्विक सीमा पार भुगतान का मूल्य 2027 तक 250 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। दास ने कहा कि सीमा पार श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले धन की महत्वपूर्ण मात्रा, पूंजी के सकल प्रवाह का बढ़ता आकार और सीमा पार ई-कॉमर्स के बढ़ते महत्व ने इस वृद्धि में उत्प्रेरक का काम किया है।

प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे

नई दिल्ली। अगले साल प्रयागराज महाकुंभ में एससी-एसटी समाज से 71 लोग महामंडलेश्वर बनेंगे। महामंडलेश्वर की उपाधि जूना अखाड़ा देगा। इन सभी संतों ने दो से तीन साल पहले अखाड़े में संन्यास लिया था। महामंडलेश्वर बनने के बाद इन्हें अखाड़े के मठ-मंदिरों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इसके पीछे मुख्य वजह धर्मांतरण रोकना है। सबसे ज्यादा ईसाई मिशनरी एससी-एसटी का धर्मांतरण करा रहे हैं। वहीं, बौद्ध धर्म भी तेजी से इस समाज में पैठ बना रहा है। इसे देखते हुए जूना अखाड़ा के संत मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र और गुजरात पर फोकस कर रहे हैं। यहां आदिवासी-अनुसूचित जाति की आबादी अच्छी-खासी है। फिलहाल, तीन संप्रदायों के अखाड़े हैं, जिनमें महामंडलेश्वर का पद होता है। ये तीनों संप्रदाय अलग-अलग हैं। इनमें शैव (शिव को मानने वाले), वैष्णव संप्रदाय (विष्णु और उनके अवतारों को मानने वाले) और उदासीन संप्रदाय शामिल हैं। इसमें शैव संप्रदाय के सात अखाड़े हैं। वैष्णव और उदासीन संप्रदाय के तीन-तीन अखाड़े हैं। मान्यता प्राप्त 13 अखाड़ों के संत, महंत और महामंडलेश्वर को कुंभ के दौरान मेले में सुविधा और पेशवाई में निकलने का मौका मिलता है। हालांकि, उज्जैन 2016 में हुए कुंभ मेले के दौरान किन्नर अखाड़ा भी अस्तित्व में आया। लेकिन, अखाड़ा परिषद ने उसे मान्यता देने से मना कर दिया। बाद में किन्नर अखाड़ा श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के हिस्से के रूप में शामिल किया गया। अलग मान्यता देने को लेकर विरोध चल रहा है।

पप्पू यादव ने दी लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती और कहा- 24 घंटे में इस दो टके का नेटवर्क खत्म कर दूंगा

पटना (एजेंसी)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को खुली चुनौती दी है। पप्पू यादव ने कहा है अगर कानून अनुमति दे तो 24 घंटे में लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने एक्स पर लिखी अपनी पोस्ट में विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा कि यह देश है या हिजड़ों की फौज। एक अपराधी जेल में बैठकर चुनौती दे रहा है, लोगों को मार रहा है, लेकिन सभी मूकदर्शक बने हुए हैं। पप्पू यादव ने कहा कि लॉरेंस बिश्नोई ने कभी मूसेवाला को मरवा दिया, कभी करणी सेना के मुखिया को मरवाया और अब एक उद्योगपति राजनेता को मरवा डाला।

पप्पू यादव ने लॉरेंस बिश्नोई को दो टके का अपराधी बताया है। उन्होंने इसी पोस्ट में गैंगस्टर को चुनौती देते हुए कहा कि अगर कानून इजाजत दे तो 24 घंटे में इस लॉरेंस बिश्नोई जैसे दो टके के अपराधी को पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा। इससे पहले

पप्पू यादव ने जो पोस्ट की थी, उसमें बाबा सिद्दीकी को बिहार का बेटा बताया था। दरअसल बाबा सिद्दीकी बिहार के ही रहने वाले थे और बाद में मुंबई जाकर अपनी राजनीति शुरू की थी। इसमें उन्होंने महाराष्ट्र में महाजंगलराज बताया था। पप्पू यादव ने लिखा था कि वाय श्रेणी की सिक्योरिटी सुरक्षा में सरकार समर्थक पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी जी की हत्या महाराष्ट्र में महाजंगलराज का शर्मनाक प्रमाण है। बिहार के बेटे बाबा सिद्दीकी की हत्या अत्यंत दुःखद है. भाजपा गठबंधन सरकार अपने दल के इतने रसूख़ वाले नेताओं की रक्षा न कर पा रही है तो अमलोगों का क्या होगा?

अगर हिम्मत है तो बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के आरोपियों का एनकाउंटर करें

–शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर बोला हमला

मुंबई (एजेंसी)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड से जुड़े मामले में शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि अगर हिम्मत है, तो बाबा सिद्दीकी पर जिन्होंने गोली चलाई, जो इस वारदात के सूत्रधार हैं, उनका एनकाउंटर कीजिए। अब सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें कि एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की 12 अक्टूबर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जिसके बाद लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन मुंबई पुलिस अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर रही है। पुलिस ने 15 टीमें बनाकर कई एंगल से मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने भी राज्य सरकार पर गंभीप आरोप

लगाए हैं। राउत ने कहा कि मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के आने के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन मिला हुआ है और वह अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। गुजरात में पांच हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। इसका मतलब है कि देश में 50 हजार करोड़ रुपए की ड्रग्स पहले ही वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि गुजरात की साबरमती जेल में बंद और गुजरात एटीएस की हिरासत में एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। यह केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं। अजित पवार को अमित शाह का इस्तीफा मांगना चाहिए। उन्होंने (सीएम शिंदे) अक्षय शिंदे जो बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी है को गोली मारने के बाद खुद को सिंघम घोषित किया था। अब यहां सिंघमगिरी दिखाएं। अगर हिम्मत है और बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करें। बता दें बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने उन्हें भीड़भाड़ वाले स्थानों पर न जाने की सलाह दी है। उनके बांद्रा स्थित निवास गैलेक्सी अपार्टमेंट की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। सलमान खान के परिवार ने भी सलमान के चाहनेवालों से अपील की है कि वे अभी सलमान खान से मिलने न आएं। बता दें कि लोग सलमान की एक झलक पाने घंटों गैलेक्सी के बाहर खड़े रहते हैं।

जूनियर डॉक्टर्स का आमरण अनशन जारी, ममता सरकार ने बुलाई बैठक

–आईएमए ने किया आज 24 घंटे का देशव्यापी भूख हड़ताल का ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन सोमवार, को जारी था और इसे इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) का समर्थन मिला हुआ है, जिसने 15 अक्टूबर को 24 घंटे की देशव्यापी भूख हड़ताल का ऐलान किया है। जूनियर डॉक्टर्स उस ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं, जिसके साथ कोलकाता के आर.जी. कर अस्पताल में दुष्कर्म कर उसकी हत्या कर दी गई थी।

जूनियर डॉक्टर पीड़िता के लिए न्याय, स्वास्थ्य सचिव एनएस निगम को तत्काल हटाने, कार्यस्थल पर सुरक्षा और अन्य उपायों की मांग कर रहे हैं। उनकी अन्य मांगों में राज्य के सभी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के लिए एक केंद्रीकृत रेफरल प्रणाली की स्थापना, कार्यस्थलों पर सीसीटीवी, ऑन-कॉल रूम और शौचालय के लिए जरुरी प्रावधान तय करने के लिए टास्क फोर्स का गठन शामिल है। 5 अक्टूबर से शुरू हुआ यह अनशन दो चरणों में करीब 50 दिनों तक चले काम बंद के बाद शुरू हुआ है।

मुख्य सचिव मनोज पंत ने डॉक्टरों के संयुक्त मंच को पत्र लिखकर 15 अक्टूबर यानी मंगलवार को प्रस्तावित प्रदर्शन वापस लेने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा उसी दिन आयोजित किए जाने वाले पूर्व घोषित पूजो

कार्निवल के साथ मेल खा रहा है। पंत ने मांगों पर चर्चा के लिए सोमवार को राज्य स्वास्थ्य विभाग मुख्यालय स्वास्थ्य भवन में संस्था के प्रतिनिधियों को बैठक के लिए आमंत्रित किया है।

एक ईमेल में पंत ने जूनियर डॉक्टरों को उनके स्वास्थ्य और कल्याण के हित में भूख हड़ताल समाप्त करने की सलाह दी है। ईमेल में कहा गहया है कि जूनियर डॉक्टरों की विभिन्न मांगों और उनकी चल रही भूख हड़ताल के संबंध में 15 अक्टूबर को शाम 4 बजे कोलकाता के रानी रश्मोनी रोड पर होने वाले कार्यक्रम के लिए आपके संगठन के आह्वान को संबोधित करने के लिए लिख रहा हूं। यह प्रस्तावित प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा आयोजित पूर्व घोषित पूजा कार्निवल के साथ मेल खाता है।

पंत ने कहा कि यह कार्निवल एक प्रमुख आयोजन है, जिसमें हजारों लोग शामिल होते हैं, साथ ही अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य लोग भी मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को देखने आते हैं। इस आयोजन के साथ होने वाला कोई भी प्रदर्शन, या कुछ तत्वों द्वारा इस आयोजन के दौरान व्यवधान उत्पन्न करने के लिए प्रदर्शन का दुरुपयोग, आगंतुकों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा और संरक्षा संबंधी चिंताएं पैदा कर सकता है।

बहराइच हिंसा पर प्रियंका गांधी वाड्रा... जनता कानून अपने हाथ में नहीं ले

– उप मुख्यमंत्री मौर्य ने कहा, दोषियों के खिलाफ सख्त एक्शन होगा

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बहराइच हिंसा पर चिंता जताकर जनता से कानून अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बहराइच में हो रही हिंसा और प्रशासन के निष्क्रिय होने की खबरें अत्यंत दुखद हैं।

बात दें कि बहराइच में प्रतिमा विसर्जन के जुलूस के दौरान हुई युवक की हत्या को लेकर बवाल बढ़ता जा रहा है। सोमवार सुबह जगह-जगह आक्रोशित भीड़ ने तोड़फोड़ कर आगजनी की है। पुलिस प्रशासन मामले को नियंत्रित करने में लगा हुआ है। प्रियंका गांधी ने कहा प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं राज्य प्रशासन से अपील करती हूं कि त्वरित एक्शन लेकर, हिंसा रोकें। दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं यूपी की जनता से मेरी अपील है कि कृपया कानून अपने हाथ में न लें और शांति बनाए रखें। वहीं बहराइच में हुए बवाल पर कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण पटेल ने कहा जहां दंगा होता है, वहां जिला प्रशासन व योगी सरकार फेल होती है। राज धर्म का मतलब यह है कि हमारी प्रजा स्वतंत्र रहे, आनंदित रहे, संविधान और कानून का पालन हो और पालन कराया जाए। यूपी

की योगी सरकार हर मामले में विफल साबित हो रही है। कांग्रेस मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में 16 अक्तूबर को संविधान बचाओ संकल्प सम्मेलन आयोजित कर रही है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव इसी की तैयारी की समीक्षा करने पहुंचे हैं।

उधर, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यूपी की शांति और सौहार्द बिगाड़ने की कोई भी साजिश सफल नहीं होगी। दंगाइयों को संरक्षण देने वाले फिर सक्रिय हो रहे हैं, लेकिन हमें सतर्क और सजग रहना होगा। दोषियों को कानून के दायरे में लाकर सख्त सजा दी जाएगी और पीड़ितों को पूरा न्याय मिलेगा। सभी नागरिकों से शांति और धैर्य बनाए रखने की अपील करता हूं।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी बाबरिया का इस्तीफा... खराब स्वास्थ्य का दिया हवाला

चंडीगढ़ । हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने अपने खराब स्वास्थ्य का हवाला देकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को इस्तीफा देने की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य समस्याओं की वजह से अब काम करने में असमर्थ हैं। बीते दिनों कांग्रेस नेता बावरिया को खराब स्वास्थ्य की वजह से एम्स में भी भर्ती किया गया था। डॉक्टरों ने उन्हें स्वास्थ्य ठीक होने तक राजनीतिक गतिविधि में शामिल न होने का सुझाव दिया था। बता दें कि हाल ही में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का मुंह देखना पड़ा था। हालांकि, शुरुआती रुझानों में कांग्रेस जीत की ओर अग्रसर थी, लेकिन बाद में भाजपा प्रदेश की सबसे बड़ी पार्टी बनाकर उभरी। कांग्रेस ने नतीजे पर हैरानी जताकर चुनाव आयोग पर भी सवाल उठाए थे।

जयशंकर होंगे एससीओ बैठक में शामिल, क्या कहता है पाकिस्तान मीडिया

नईदिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) बैठक में भाग लेने के लिए पाकिस्तान जा रहे हैं। बैठक 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में होने वाली है। दशक बाद भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला पाकिस्तान दौरा है जिसे लेकर पाकिस्तान मीडिया में कई खबरें चल रही हैं। वहां की मीडिया में कहा जा रहा है भारतीय विदेश मंत्री का पाकिस्तान आने का फैसला क्षेत्रीय देशों के साथ संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीन के बढ़ते प्रभुत्व को संतुलित करने का एक प्रयास है।

पाकिस्तान के एक प्रमुख अखबार ने हाल ही में विदेश मंत्री के पाकिस्तान दौरे को लेकर दो अलग-अलग खबरें प्रकाशित की। एक खबर में विदेश मंत्रालय का बयान है जिसमें विदेश मंत्री के 15 अक्टूबर को पाकिस्तान जाने की पुष्टि की गई थी। अखबार ने लिखा कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि 15-16 अक्टूबर के बीच होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए भारत के विदेश मंत्री एक प्रतिनिधिमंडल के साथ पाकिस्तान का दौरा करेंगे।

अखबार ने लिखा कि करीब एक दशक में किसी भारतीय विदेश मंत्री का यह पहला विदेश दौरा है। पिछले साल मई में पाकिस्तान के तत्कालीन विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो एससीओ विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत आए थे। करीब 12 सालों में भारत का दौरा करने वाले वह पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्री थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एससीओ बैठक में भारत का शामिल होना एक नाजुक संतुलन बनाने की कोशिश है जो दिखाता है कि संगठन के अंदर चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर भारत सतर्क है और इसके खिलाफ क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग की जरूरत को समझता है। एससीओ की आर्थिक रणनीतियों में चुनिंदा रूप से शामिल होकर, भारत एक सूक्ष्म दृष्टिकोण अपना रहा है। इसका मकसद मध्य एशियाई देशों के साथ रचनात्मक संबंधों को बढ़ावा देते हुए चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना है।

अखबार ने आगे लिखा कि पाकिस्तान में आयोजित बैठकों में हिस्सा लेने को लेकर भारत में हमेशा से एक हिचकचाहट रही है। ये नवंबर 2016 में 19वें सार्क शिखर सम्मेलन के बहिष्कार से शुरू हुई जिसकी मेजबानी पाकिस्तान को करनी थी। बहिष्कार के कारण गतिरोध पैदा हो गया, जिससे बैठक नहीं हो पाई क्योंकि सार्क चार्टर में यह अनिवार्य है कि शिखर सम्मेलन के लिए सभी सदस्य देशों का मौजूद होना जरूरी है। इसके विपरीत, एससीओ में ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है।

अखबार ने दूसरी खबर में विदेश मंत्री का शनिवार को दिया गया बयान छापा है जिसमें उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दौरे में वह द्विपक्षीय रिश्तों पर कोई चर्चा नहीं करेंगे। जयशंकर ने नई दिल्ली में कहा कि संबंधों की प्रकृति को देखते हुए मीडिया की इसमें काफी रुचि होगी। जयशंकर ने कहा कि लेकिन मैं यह जरूर कहना चाहता हूं कि यह एक बहुपक्षीय कार्यक्रम होगा। मैं वहां भारत-पाकिस्तान संबंधों पर चर्चा करने नहीं जा रहा हूं। मैं वहां एससीओ का एक अच्छा सदस्य बनने जा रहा हूं। मैं एक विनम्र और सभ्य इंसान हूं और पाकिस्तान में वैसा ही व्यवहार करूंगा।

रिपोर्ट में कहा गया कि विदेश मंत्री पाकिस्तान आने का फैसला कर ये संकेत दे रहे हैं कि हम एससीओ को कम नहीं आंक रहें...जब तय हुआ कि बैठक पाकिस्तान में होगी तो हम इसमें हिस्सा लेंगे। जब बिलावल भुट्टो गए थे भारत, उन्होंने कश्मीर पर बात की थी, जयशंकर ने आतंकवाद का मुद्दा उठाया था, तब मीडिया को बड़ा मसाला मिला था। इस बार जयशंकर के पाकिस्तान आने से भी ऐसा ही होने वाला है।